जेएनयू में दो छात्र संगठनों के बीच टकराव के बाद हिंसा, कई घायल -7

सकारात्मक धारणा के बीच शेयर बाजार में आई तेजी सेंसेक्स 480 अंक बढ़ा -10

प्रधानमंत्री मोदी बोले- एआई समिट में दुनिया ने देश की क्षमता को सराहा -11

खराब फॉर्म से जूझ रहे एक बल्लेबाज को बाहर कर सकती है भारतीय टीम -12

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.38
सूर्यास्त 06.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|लखनऊ|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी 07:02 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 24 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 20, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पिता की हत्या करने के बाद शव के किए टुकड़े, नीले ड्रम में छिपाया धड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

- राइफल से गोली मारने वाले हत्यारोपी बेटे ने पिता की दर्ज कराई थी गुमशुदगी रिपोर्ट
- पुलिस ने तीन दिन बाद हत्या का किया खुलासा, आरोपी बेटा गिरफ्तार

अमृत विचारः आशियाना के सेक्टर-एल निवासी मानवेंद्र प्रताप सिंह (49) की हत्या उनके बेटे अक्षत प्रताप सिंह ने गोली मारकर शुक्रवार को कर दी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर धड़ को नीले ड्रम में डाल दिया, बाद में ड्रम को घर के नीचले हिस्से में छिपा दिया।

इसके बाद खुद आशियाना थाने पहुंचकर पिता की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस परिजन से लगातार पूछताछ कर रही थी। सोमवार देर शाम को घर की तलाश के दौरान नीले ड्रम से शव बरामद किया। शरीर के कुछ हिस्से पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। बेटे द्वारा पिता की हत्या की बात कुबूल करने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

मौके पर फॉरेंसिक टीम पहुंची है। साक्ष्य जुटा रही है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर के मुताबिक आशियाना निवासी मानवेंद्र प्रताप सिंह पैथालॉजी संचालक है। साथ में शराब का भी कारोबार करते हैं। पुलिस के मुताबिक उनके बेटे अक्षत प्रताप सिंह ने थाने में 20 फरवरी को पिता के लापता होने की सूचना दर्ज कराई थी। गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू किया। परिजन से पूछताछ शुरू की तो सभी ने गायब होने की बात कही। पूछताछ के दौरान अक्षत ने कई बार अपना बयान बदला। संदेह गहराने के बाद पुलिस ने सोमवार को अक्षय से सख्ती से पूछताछ शुरू की तो उसने अपना जुर्म कुबूल कर लिया।

शुक्रवार सुबह 4.30 बजे की थी पिता की हत्या

एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल के मुताबिक मानवेंद्र और उनके बेटे अक्षत प्रताप के बीच शुक्रवार सुबह 4.30 बजे किसी बात पर विवाद हो गया। विवाद के दौरान गुस्से में अक्षत ने पिता मानवेंद्र को राइफल से गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को तीसरी मंजिल से भूतल पर लेकर आया। जहां खाली कमरे में नीले ड्रम में डालने की कोशिश की। असफल होने पर शरीर के दो टुकड़े किए एक हिस्सा नीले ड्रम में डाला। बचे हिस्सों के टुकड़े कर अलग-अलग स्थान पर फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके का साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया। पुलिस आसपास के क्षेत्रों और बताए गए स्थानों पर भी जांच कर रही है।

मृतक मानवेंद्र प्रताप

पुलिस को गुमराह करने को गढ़ी झूठी कहानी

इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह के मुताबिक अक्षत काफी शातिर है। उसने पिता की हत्या के बाद लापता होने की झूठी कहानी गढ़ी। अपनी लिखित शिकायत में कहा कि उसके पिता 20 फरवरी को सुबह दिल्ली जाने और 21 फरवरी की दोपहर दो बजे वापस आने की बात कही थी। पिता के तीनों मोबाइल नंबर बंद आ रहे है। अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। आशियाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। इसी बीच हत्या का खुलासा हुआ। आरोपी अक्षत को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। तो उसने पूरी घटना कुबूल कर ली है। पुलिस शव के टुकड़ों की तलाश में अक्षत को लेकर कर रही है।

हत्यारोपी अक्षत

> पिता मानवेंद्र बेटे अक्षत पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने को कहते थे। जिसे लेकर दोनों में विवाद होता था। गुस्से में आकर अक्षत ने राइफल से गोली मारकर पिता की हत्या कर दी। मृतक के हाथ-पैर को आरोपित बेटे ने अन्यत्र स्थल पर फेंक दिया। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन करा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पिता की हत्या करने की बात कुबूल करने के बाद आरोपी अक्षत को हिरासत में ले लिया गया है।
>
> -विक्रांत वीर, डीसीपी मध्य जोन, लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का लंबी बीमारी के बाद निधन

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का रविवार देर रात यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। वह कई बीमारियों से जूझ रहे थे और पिछले दो वर्षों में कई बार अस्पताल में भर्ती रहे थे। परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें मनोभ्रंश भी हो गया था और हाल ही में वह कोमा में चले गए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल से दो बार राज्यसभा सदस्य रहे रॉय चार दशक लंबे राजनीतिक करियर में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा का हिस्सा बने। उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत युवा कांग्रेस से हुई, जिसके बाद उन्होंने ममता बनर्जी के साथ हाथ मिलाया और 1998 में कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया।

निष्क्रिय पीएफ खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द लौटाने की तैयारी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सात लाख से अधिक निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द ही संबंधित खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाए जाएंगे। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की हाल में हुई एक समीक्षा बैठक में 7.11 लाख निष्क्रिय खातों के निपटान का निर्णय लिया गया। इनमें से हरेक खाते में 1,000 रुपये या उससे भी कम राशि शेष है। ईपीएफओ का वह खाता निष्क्रिय माना जाता है, जिसमें 36 महीने से अधिक समय तक कर्मचारी या नियोक्ता की ओर से कोई अंशदान जमा नहीं हुआ हो।

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 देशों के संसदीय मैत्री समूहों का किया गठन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को 64 देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया, जिनमें सत्तापक्ष के साथ विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है। बिरला ने यह कदम उस वक्त उठाया जब विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह गठन वैश्विक लोकतांत्रिक संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी की बहुदलीय पहल को आगे बढ़ाते हुए संसदीय मैत्री समूहों को औपचारिक स्वरूप दिया।

नेपाल में नदी में बस गिरी, 17 की मौत

काठमांडू। नेपाल के धाडिंग जिले में गजुरी के पास रविवार देर रात एक यात्री बस के त्रिशूली नदी में गिर जाने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता बिष्णु प्रसाद भट्ट के अनुसार, पोखरा से काठमांडू आ रही बस रविवार देर रात डेढ़ बजे काठमांडू से 90 किलोमीटर पश्चिम में पृथ्वी राजमार्ग पर त्रिशूली नदी में जा गिरी, जिससे कई यात्री हताहत हो गए। भट्ट ने बताया कि दुर्घटनास्थल से 17 शव बरामद किए गए हैं और बस से 28 घायल यात्रियों को निकाला गया। उन्होंने बताया कि घायल यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बचाव कार्य में नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के कर्मियों को लगाया गया है। हादसे में मारे गए लोगों में एक पुरुष यात्री न्यूजीलैंड का था। घटना में घायल लोगों में जापान और नीदरलैंड की एक-एक महिला शामिल है।

गिरफ्तारी का विरोध नहीं करूंगा : अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे। कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही 'अदालतों' से उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

योगी के सिंगापुर दौरे की सफल शुरुआत पहले दिन ही 19,877 करोड़ के एमओयू

मुख्यमंत्री ने विदेशी धरती पर किया उत्तर प्रदेश में निवेश का ऐतिहासिक आगाज

- बड़े पैमाने पर रोजगार और तकनीकी क्षमता विस्तार का मार्ग प्रशस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन प्रदेश को बड़े निवेश का भरोसा मिला है। विभिन्न वैश्विक निवेश समूहों के साथ कुल 19,877 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी। ये समझौते प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने, डिजिटल और हरित अवसंरचना को मजबूत करने समेत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। निवेश के साथ कौशल विकास को लेकर वैश्विक सहयोग और तकनीकी शिक्षा पर खास फोकस रहा।

प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूती से स्थापित करने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री योगी के सिंगापुर दौरे का पहला दिन सोमवार बेहद सफल रहा। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश सरकार पारदर्शी नीतियों, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और निवेशक-अनुकूल माहौल के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सिंगापुर की शीर्ष संप्रभु व निजी निवेश संस्थाओं, बैंकिंग समूहों और कौशल विकास संस्थानों के साथ एक के बाद एक महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, शहरी विकास और कौशल प्रशिक्षण जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी पर गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने निवेशकों के समक्ष प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, मजबूत कानून-व्यवस्था, विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर नीति और तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स हब को रेखांकित किया। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत पारदर्शी, त्वरित और निवेशक-अनुकूल वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश आज निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है। हमारी नीतिगत स्थिरता, बेहतर कनेक्टिविटी और पारदर्शी व्यवस्था पर वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। ये एमओयू प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और तकनीक के नए अवसर खोलेंगे।

सिंगापुर में एमओयू साइन किए जाने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

प्रमुख प्रभाव

- 20 हजार से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष अवसर
- उप्र को नेशनल डेटा सेंटर हब के रूप में मजबूती
- ग्रीन एनर्जी और क्लाइमेट-फ्रेंडली निवेश को बढ़ावा
- डिजिटल इकोनॉमी और शहरी विकास को नई गति
- युवाओं के लिए कौशल, तकनीक व रोजगार के अवसर

कौन कंपनी करेगी कितना निवेश

यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप- 6,650 करोड़
ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स पार्क, डेटा सेंटर परियोजनाएं

गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी)- आठ हजार करोड़
100 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर

पीआईडीजी: 2,500 करोड़
रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, एग्री-पीवी परियोजनाएं

एवीपीएन- 2,727 करोड़
नवीकरणीय ऊर्जा, एग्री-पीवी सेक्टर

कौशल विकास को सहयोग

- आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ समझौता
- तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा (टीवीईटी) को मिलेगा वैश्विक समर्थन
- प्रशिक्षण अवसंरचना, क्षमता निर्माण, गुणवत्ता आश्वासन और अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन पर सहयोग
- उद्योगों की जरूरत के अनुसार इंडस्ट्री-रेडी मैनपावर तैयार करने पर फोकस

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलटी, छह की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

अमृत विचारः गोसाईंगंज स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सोमवार शाम को बेकाबू डबल डेकर बस पलट गई। हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, 41 लोग घायल हो गए, जिसमें 15 की हालत नाजुक है। जिनको ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया। मामूली रुप से घायलों को पीजीआई एपेक्स ट्रामा-2, सिविल अस्पताल समेत कई अस्पतालों में भेजा गया है। हादसा स्थल पर पुलिस टीम, आरटीओ व प्रशासन की टीम जांच में जुट गई है।

लुधियाना से दरभंगा के लिए डबल डेकर स्लीपर बस रविवार शाम करीब 4:30 बजे निकली थी। यात्रियों के मुताबिक बस लखनऊ होते हुए दरभंगा जा रही थी। बस में 100 से अधिक यात्री सवार थे। गोसाईंगंज इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा से करीब दो किलोमीटर आगे बस तेज रफ्तार में लहराने लगी। इससे पहले यात्री कुछ कर पाते, बस सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकराकर पलट गई। आसपास के इलाके में रहने वाले लोग मदद के लिए पहुंचे।

एक्सप्रेस-वे से बस को हटाती क्रेन।

- 41 से अधिक घायल, 15 की हालत नाजुक, ट्रामा सेंटर में भर्ती
- लुधियाना से दरभंगा जा रही थी बस, सोमवार शाम हुआ हादसा

खिड़की के शीशे तोड़ निकाले गए यात्री

हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीण बस का शीशा तोड़कर यात्रियों को बाहर निकालने में जुट गए। पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शी अंश के मुताबिक बस पलटने के बाद चीख-पुकार मच गई। वहीं कुछ यात्री बस की खिड़की से लटके दिखाई दे रहे थे। हादसे के बाद चालक व परिचालक मौके से भाग निकले। दक्षिणी जोन के डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान कराई जा रही है।

भूमि अधिग्रहण : 2018 से पूर्व के केस अब नहीं खुलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मौखिक टिप्पणी की कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम के तहत जिन किसानों की जमीन अधिगृहीत की गई थी, उन्हें ब्याज सहित मुआवजा देने के लिए 2018 से पहले के भूमि अधिग्रहण मामलों को फिर से नहीं खोला जा सकता। यह टिप्पणी सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की विशेष पीठ ने एनएचएआई की उस याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई शुरू करते समय की जिसमें एनएचएआई ने न्यायालय के 2019 के फैसले की समीक्षा का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत ने 2019 में कहा था कि एनएचएआई अधिनियम के तहत जिन किसानों की जमीन अधिगृहीत की गई, उन्हें ब्याज सहित मुआवजा देने का फैसला पूर्वव्यापी रूप से लागू होगा।

एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 2019 के फैसले से भारी वित्तीय बोझ (लगभग 32,000 करोड़ रुपये) पड़ेगा और यह केवल भावी प्रभाव से लागू होना चाहिए। पीठ ने पहले इसे खारिज करते हुए कहा था कि ऐसे लाभ से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है। मेहता ने कहा, शायद आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि यह 100 करोड़ रुपये की रकम थी। एक अन्य फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा है कि निपटाए गए किसी भी मामले को दोबारा नहीं खोला जाएगा। सीजेआई ने कहा, 'कट-ऑफ' (अंतिम) तिथि 2008 की प्रतीत होती है, बशर्ते दावे तब लंबित रहे हों। 2018 से पहले के मामले फिर से नहीं खोले जा सकते। जो मामले 2008 में लंबित थे, वे आगे भी जारी रहेंगे।

- ब्याज सहित मुआवजा देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

भ्रूण हत्या सामाजिक बुराई का उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि महिलाओं, विशेषकर बालिकाओं के खिलाफ भेदभाव देश के कई हिस्सों में व्यापक रूप से प्रचलित है और कन्या भ्रूण हत्या इस सामाजिक बुराई का एक क्रूर उदाहरण है। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने गुरुग्राम के एक रेडियोलॉजिस्ट के खिलाफ गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया।

भारत ने अपने नागरिकों से कहा- तुरंत छोड़ दें ईरान

नई दिल्ली। ईरान में बढ़ते तनाव और अमेरिकी हमले की आशंका के बीच भारत ने सोमवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों को सलाह दी है वे तुरंत वहां से देश को छोड़कर बाहर निकल जाएं। तेहरान में नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू होने पर भारतीय दूतावास ने नया परामर्श जारी किया है।

ईरान के कई विश्वविद्यालयों में छात्रों ने सरकार विरोधी प्रदर्शन किए, जो पिछले महीने तेहरान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई के बाद इस तरह का पहला आंदोलन था।

निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहन स्टांप शुल्क में छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य सरकार ने जारी की अधिसूचना, भूमि रजिस्ट्री पर 20 से 50 प्रतिशत तक छूट
- निजी विश्वविद्यालयों, बहुविषयक उच्च शिक्षण व अनुसंधान केंद्रों की स्थापना आसान

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अधिसूचना जारी कर स्टांप शुल्क में बड़ी राहत लागू कर दी है। उप्र उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति-2024 के तहत निजी विश्वविद्यालयों और बहुविषयक उच्च शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों को भूमि रजिस्ट्री पर आंशिक स्टांप शुल्क पर छूट मिलेगी। यह आदेश सोमवार को राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।

स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि संशोधित भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 की धारा-9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्यपाल ने नीति के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत चिन्हित परियोजनाओं को यह राहत दी है। यह छूट विशेष रूप से उन जिलों में लागू होगी, जहां अब तक कोई बहुविषयक विश्वविद्यालय या अनुसंधान संस्थान स्थापित नहीं है।

भूमि लागत के अनुसार छूट की व्यवस्था

अधिसूचना के मुताबिक, एक करोड़ से 50 करोड़ रुपये की भूमि लागत पर अधिकतम 50 प्रतिशत, 50 करोड़ से 150 करोड़ की भूमि लागत पर 30 प्रतिशत और 150 करोड़ से अधिक की भूमि लागत पर 20 प्रतिशत तक स्टांप शुल्क में छूट दी जाएगी। छूट की गणना पंजीकृत दस्तावेजों में अंकित वास्तविक भूमि मूल्य के आधार पर की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से राज्य में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नए विश्वविद्यालयों की स्थापना को गति मिलेगी और युवाओं को उत्तर प्रदेश में ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट की दो टूक | गृहिणी का श्रम कमाने वाले जीवनसाथी को प्रभावी ढंग से कार्य करने में बनाता है सक्षम

घर पर बैठी पत्नी खाली नहीं... गृहकार्य की अनदेखी नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने घर पर खाली बैठी पत्नी की धारणा को खारिज करते हुए कहा है कि एक गृहिणी का श्रम कमाने वाले जीवनसाथी को प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाता है, और भरण-पोषण की राशि तय करते समय उसके योगदान को नजरअंदाज करना अन्यायपूर्ण है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता ने टिप्पणी की कि पत्नी के रोजगार में नहीं होने को खाली बैठे होने या जानबूझकर निर्भरता के समकक्ष नहीं माना जा सकता है। भरण-पोषण का निर्धारण करते समय, कानून को न केवल वित्तीय आय को बल्कि विवाह के के अस्तित्व में रहने के दौरान घर और घरेलू संबंधों में उसके योगदान के आर्थिक मूल्य को भी मान्यता देनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने 16 फरवरी को पारित आदेश में कहा, रोजगार में न होने को खाली बैठा होना कह देना आसान है, लेकिन एक घर को चलाने और संभालने में लगने वाले श्रम को मान्यता देना कहीं अधिक कठिन है। पीठ ने कहा, एक गृहिणी खाली नहीं बैठती, वह ऐसा श्रम करती है जिससे कमाने वाला पति प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। भरण-पोषण के दावों का निर्णय करते समय इस योगदान की उपेक्षा करना अवास्तविक और अन्यायपूर्ण होगा।

मजिस्ट्रेट अदालत ने अंतरिम गुजारा भत्ता देने से किया था इंकार

मजिस्ट्रेट अदालत ने महिला को अंतरिम गुजारा भत्ता देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि वह शारीरिक रूप से स्वस्थ और शिक्षित है, लेकिन उसने नौकरी न करने का विकल्प चुना है। अपीलीय अदालत ने भी पत्नी को कोई राहत नहीं दी। मामले के पक्षकारों का विवाह 2012 में हुआ था और आरोप है कि पति ने 2020 में पत्नी और उनके नाबालिग बेटे को छोड़ दिया था। पति ने उच्च न्यायालय में दलील दी थी कि पत्नी निष्क्रिय नहीं बैठ सकती और भरण-पोषण की मांग नहीं कर सकती, जबकि वह कमाने में सक्षम है और वह अपने नाबालिग बच्चे की शिक्षा का खर्च वहन कर रहा है।

हाईकोर्ट ने कहा- केवल कमाने की क्षमता भरण-पोषण से इनकार करने का आधार नहीं

हाईकोर्ट ने कहा कि कमाने की क्षमता और वास्तविक कमाई अलग-अलग अवधारणाएं हैं, और स्थापित कानून के अनुसार, केवल कमाने की क्षमता भरण-पोषण से इनकार करने का आधार नहीं है। जो महिलाएं काम कर सकती हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन केवल इस आधार पर भरण-पोषण से इनकार करना कि वह कमाने में सक्षम है और उसे अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, एक त्रुटिपूर्ण दृष्टिकोण है।

किसानों को दिन में नियमित मिल सकेगी बिजली

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए दिन में नियमित बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने अहम पहल की है। योजना के अनुसार कार्य पूर्ण होने पर लगभग 3.67 लाख कृषि उपभोक्ताओं को दिन के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अब तक 1708.1 मेगावाट क्षमता के 581 पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) को मंजूरी दी जा चुकी है। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक, इस योजना में केंद्र सरकार अधिकतम 1.05 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट और राज्य सरकार 50 लाख रुपये प्रति

- पीएम-कुसुम योजना के तहत 1708 मेगावाट क्षमता के 581 प्रस्तावों को मिली हरी झंडी

मेगावाट की सहायता दे रही है। कुल मिलाकर प्रति मेगावाट 1.55 करोड़ रुपये तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कौशांबी और बिजनौर में लगभग 3.3 मेगावाट की पायलट परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। प्रधानमंत्री कुसुम सी-2 के तहत कृषि फीडरों के सोलराइजेशन से डिस्कॉम को भी वित्तीय राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से सब्सिडी भार कम होगा और महंगी बिजली खरीद की आवश्यकता घटेगी।

गोधन समागम में प्रदेश के 112 सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक सम्मानित

गोकुल और नंदबाबा पुरस्कार से नवाजे गए दुग्ध उत्पादक, महिला सहभागिता भी बनी मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में दुग्ध उत्पादन, गौ-संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सोमवार को आयोजित गोधन समागम–2026 राज्य स्तरीय सम्मान और नीति संकल्प का सशक्त मंच बना। कार्यक्रम में पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने वर्ष 2024-25 के दौरान सर्वाधिक दुग्ध आपूर्ति और उत्पादन करने वाले कुल 112 दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर 63 दुग्ध उत्पादकों को गोकुल पुरस्कार और 49 दुग्ध उत्पादकों को नंदबाबा

- पुरस्कृत दुग्ध उत्पादकों को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण-पत्र और पुरस्कार राशि देकर किया गया प्रोत्साहित

पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी पुरस्कृत दुग्ध उत्पादकों को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण-पत्र और पुरस्कार राशि देकर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही निराश्रित गोवंश संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हरदोई, अलीगढ़, अमरोहा, जालौन और रायबरेली जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में गोकुल पुरस्कार के अंतर्गत वरुण सिंह (वेलवा मोती समिति, लखीमपुर खीरी) को 1,81,272 लीटर दुग्ध आपूर्ति के लिए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार और वीरेंद्र सिंह (दुग्ध समिति ठेरई, आगरा) को 1,10,693.50 लीटर दुग्ध आपूर्ति के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इन्हें क्रमशः 2 लाख और 1.50 लाख की पुरस्कार राशि दी गई। नंदबाबा पुरस्कार के तहत अरुण कुमार (दुग्ध समिति हमीरपुर, रामपुर) को 19,066 लीटर दुग्ध आपूर्ति के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार और 51 हजार की राशि दी गई। मंत्री ने बताया कि पुरस्कृत 112 दुग्ध उत्पादकों में 25 महिलाएं शामिल हैं, जो दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में महिला सहभागिता का सशक्त उदाहरण है। नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत 1000 करोड़ की लागत से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अब तक 10,000 पशुपालक लाभान्वित हुए हैं।

लखनऊ में आयोजित गोधन समागम में सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित करते मंत्री धर्मपाल सिंह।

न्यूज ब्रीफ

गर्मियों में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट न हो

बैठक करते मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

अमृत विचार, लखनऊ : गर्मियों में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंजीनियर रोजाना कम से कम 10 ग्राम प्रधानों से संवाद कर जलापूर्ति की स्थिति की जानकारी ले और किसी भी शिकायत का तत्काल समाधान सुनिश्चित करे। जलशक्ति मंत्री सोमवार को जल निगम (ग्रामीण) मुख्यालय में जल जीवन मिशन एवं राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी गांव में पेयजल की समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, वहां गुणवत्ता के साथ मरम्मत कार्य समय से पूरा हो। कमी पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

नीट पीजी काउंसिलिंग की मेरिट सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : नीट पीजी की स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग के माध्यम से सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त एमडी-एमएस सीटों और डीएनबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 1500 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। इनमें एमडी-एमएस कोर्स के लिए 1409 व डीएनबी के लिए 91 अभ्यर्थियों को मेरिट सूची में स्थान मिला है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने बताया कि सूची के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को कल मंगलवार से मेडिकल कॉलेजों में रिक्त सीटों के लिए अपनी कॉलेज प्राथमिकताओं का विकल्प देना होगा। मालूम हो कि स्ट्रे राउंड उन सीटों के लिए आयोजित किया जाता है जो पूर्व की तीन काउंसिलिंग के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं।

होली पर एसएचजी उत्पादों को बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीआरएलएम) ने होली के अवसर पर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत गुलाल–अबीर, पापड़, चिप्स, मिठाइयां, अगरबत्ती और हस्तशिल्प सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों के लिए सभी जिलों में विकास भवन, कलेक्ट्रेट और तहसीलों में बिक्री काउंटर लगाए जा रहे हैं।

न कर्फ्यू, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा

सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया संवाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सिंगापुर में बसे भारतीय समुदाय के लोगों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी तस्वीर प्रस्तुत की। कहा कि अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा, अब उत्तर प्रदेश में सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने निवेश, पर्यटन और औद्योगिक साझेदारी के लिए सभी को उत्तर प्रदेश आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि आने वाला समय प्रदेश के लिए और अधिक संभावनाओं से भरा है।

सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों से सोमवार सुबह से चली बैठकों के बाद मुख्यमंत्री वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। लोगों को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आज जिस परिवर्तन का साक्षी है, वह बीते नौ वर्षों की प्रतिबद्धता, सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने स्मरण कराया कि कभी दंगे, असुरक्षा और अराजकता जिसकी पहचान बन गए थे, वही प्रदेश आज कानून-व्यवस्था, निवेश और विकास का मॉडल बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश ने 'विरासत और विकास' का संतुलित और प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि

- रखा नए यूपी का विजन, प्रस्तुत की विरासत और विकास के संगम की तस्वीर

भारत की सांस्कृतिक मर्यादा और आत्मगौरव का प्रतीक है। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास हमारी शाश्वत परंपरा को आधुनिक स्वरूप में स्थापित करता है।

योगी ने कहा कि शीघ्र ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगा।

इस अवसर पर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ''नंदी'', अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त और एसीएस वित्त दीपक कुमार, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक एन अंबुले और ग्लोबल इंडियन स्कूल के संस्थापक अतुल समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

9 वर्ष में तीन गुनी हुई यूपी की अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सोच और रणनीतिक क्रियान्वयन का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था बीते नौ वर्षों में तीन गुना हुई है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश में 34 से अधिक सेक्टोरल नीतियां लागू हैं। 75,000 एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है। क्लस्टर आधारित औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं। निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था निवेश के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। आज भारत में बनने वाले मोबाइल फोन का लगभग 55 प्रतिशत तथा इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का करीब 60 प्रतिशत उत्पादन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। अब प्रदेश का प्रत्येक नागरिक शांतिपूर्ण विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।

सिंगापुर में गूंजा नारा- योगी हैं तो यूपी है

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सिंगापुर में सोमवार को अपने बीच पाकर प्रवासी भारतीय समुदाय उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम स्थल पर लगातार तालियों की गूंज और ''योगी हैं तो यूपी है'' के नारों ने वातावरण को ऊर्जा और भावनाओं से भर दिया। कार्यक्रम में उस समय माहौल भावुक हो गया, जब सिंगापुर में रह रहीं भारतीय मूल की स्वाति ने मुख्यमंत्री को 'भैया' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा मिला है। स्वाति ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश की महिलाओं की ओर से आपको भैया कहती हूं। कार्यक्रम के दौरान एक बच्ची मुख्यमंत्री का हाथ से बनाया स्केच लेकर मंच तक पहुंची। मुख्यमंत्री ने मुस्कराते हुए उस स्केच पर अपना ऑटोग्राफ दिया। वहीं, एक महिला ने मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। इन पलों ने पूरे आयोजन को पारिवारिक और भावनात्मक स्वरूप दे दिया। इस अवसर पर ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनमें उन्हें सिंगापुर के संस्थापक और प्रथम प्रधानमंत्री ली क्वान यू की प्रतिछाया दिखाई देती है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी को हाथ से बनाया स्केच भेंट करती बच्ची।

आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश में अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: दिल्ली में आतंकी संगठन लश्कर के संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश भर में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसके तहत प्रदेश के प्रमुख संस्थानों के साथ ही भीड़भाड़ और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है, वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश को की जाने वाले संदिग्ध काल पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में बीते दिन गिरफ्तार लश्कर के संदिग्ध आतंकियों ने कबूल किया है कि आईएसआई के इशारे पर चार महानगरों को निशाना बनाने की योजना थी। क्योंकि उत्तर प्रदेश से दिल्ली सटा हुआ है। इसके चलते पश्चिमी यूपी के साथ प्रदेश भर को अलर्ट कर दिया गया है। होली का पर्व निकट है, वहीं रमजान चल रहे हैं। ऐसे में आशंका व्यक्त की जा रही है कि असामाजिक तत्व दोनों पक्षों में वैमनस्य फैलाने के लिए गलत हरकतें कर सकते हैं। इसके चलते घनी और मिश्रित आबादी वाले इलाकों पर विशेष

- प्रमुख संस्थानों के साथ ही भीड़भाड़, मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क
- पाकिस्तान व बांग्लादेश की जाने वाली संदिग्ध कॉल पर भी बढ़ी निगरानी

बार-बार विदेश यात्रा करने वाले रडार पर

पिछले कुछ दिनों में लगातार विदेश यात्रा करने वाले लोगों को भी खुफिया टीमों ने रडार पर ले लिया है। उनमें भी वह लोगों पर अधिक फोकस है, जिन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश की यात्रा की है। इसके साथ ही संदिग्ध लोगों के खातों में अचानक धन आया है, उन्हें भी जांच के दायरे में लिया गया है।

तौर पर नजर रखने को कहा गया है। घनी आबादी वाले इलाकों में जो भी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे, उसकी सूचना निकट की पुलिस चौकी या थाने पर देने की अपेक्षा की गई है। इसके साथ ही ट्रेनों और बसों के साथ ही होटल और ढाबों पर भी चौकसी बरतने का निर्देश दिए गए हैं।

होली पर मदिरा से रहें दूर : आबकारी मंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : होली के पर्व को लेकर प्रदेश सरकार ने लोगों से संयम और सुरक्षा बरतने की अपील की है। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से कहा है कि होली रंगों, खुशियों और आपसी भाईचारे का त्योहार है, इसे मदिरापान से फीका न करें। आबकारी मंत्री ने कहा कि मदिरा त्योहार के दौरान झगड़े और अप्रिय घटनाओं का कारण भी बन सकती है। ऐसे में सभी लोग अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें तथा नशे से दूर रहकर होली मनाएं।

सुरक्षा में लगा दी निलंबित सिपाही की ड्यूटी, कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारत आए क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक की सुरक्षा में भारी चूक सामने आई है। निलंबित चल रहे सिपाही की ड्यूटी वीआईपी के दौरे में लगा दी गई। इसका खुलासा हुआ तो इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया। साथ ही विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

भारत दौरे पर आए क्रोएशिया के प्रधानमंत्री 21 फरवरी को वह आगरा ताज महल के दीदार करने गए। उनकी सुरक्षा व्यवस्था में आगरा के शाहगंज में तैनात रहे निलंबित सिपाही सनी मलिक की ड्यूटी भी लगा दी गई। इसकी

- आगरा शाहगंज के इंस्पेक्टर को किया गया निलंबित

जानकारी आला अफसरों को लगी तो खलबली मच गई। इस लापरवाही पर शाहगंज थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेश गिरि को निलंबित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, सिपाही सनी मलिक शाहगंज थाने में तैनात था। आरोप है कि 7 फरवरी को सनी मलिक ने एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी के इशारे पर बुलडोजर स्वामी को हिरासत में लिया था। बाद में 25 हजार रुपये लेकर उसे छोड़ दिया। इस मामले में जांच के बाद 19 फरवरी को सिपाही सनी मलिक को निलंबित कर दिया था।

शंकराचार्य के पक्ष में उतरी कांग्रेस, प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में कांग्रेस पार्टी उतर आई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज मुकदमे में निष्पक्ष और किसी केन्द्रीय स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि बीते साल प्रयागराज में लगे महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों को जान गई थी। इस मामले में व्यवस्था की खामियां गिनाते हुए शंकराचार्य ने प्रदेश सरकार को घेरा था। इसी के कारण बीते दिनों माघ मेला में उन्हें स्नान भी नहीं करने दिया गया था और उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया था। इससे ऐसा लगता है कि राजनीतिक दबाव अथवा दुर्भावना से कार्रवाई की गई है। हालांकि शंकराचार्य के खिलाफ मुकदमा अदालत के आदेश से दर्ज किया गया है। फिर भी हम मांग करते हैं कि किसी स्वतंत्र या केंद्रीय एजेंसी से इसकी जांच कराई जाए, जिससे सत्य सामने आ सके।

सूची से सपा समर्थकों के नाम हटाने का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के विभिन्न जिलों में मतदाता सूची से नाम काटे जाने की शिकायतों को लेकर समाजवादी पार्टी ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाए हैं कि फॉर्म-7 जमा कर सपा समर्थक मतदाताओं, विशेषकर मुस्लिम एवं पीडीए वर्ग के नाम हटाने की कार्रवाई तेजी से हो रही है।

ज्ञापन में फरूखाबाद, गोरखपुर, गाजियाबाद, बहराइच, देवरिया, आजमगढ़, कन्नौज और भदोही जिलों में बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 जमा कर समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं, विशेषकर मुस्लिम एवं पीडीए वर्ग के नाम हटाने का आरोप लगाया गया है। फरूखाबाद सदर के कई बूथों पर दर्जनों फॉर्म-7 मिलने और कथित फर्जी हस्ताक्षरों की बात कही गई।

गोरखपुर ग्रामीण में बूथ संख्या-339 के 498 मतदाताओं को 10 किमी दूर स्थानांतरित किए जाने पर आपत्ति जताई गई है, जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अधिकतम दूरी दो किमी होनी चाहिए। बहराइच, देवरिया और आजमगढ़ में भी बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जमा कर दबाव बनाने का आरोप है।

अखिलेश राजनीतिक दिवालियापन के प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के उस बयान पर कड़ा जवाब दिया है, जिसमें उप मुख्यमंत्री को 100 विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनाने की बात कही गई थी। पंकज चौधरी ने इस बयान को उनकी हताशा, निराशा और राजनीतिक दिवालियापन का परिचायक बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं को दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपनी पार्टी की स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए। सपा का जनाधार लगातार सिमट रहा है और संगठन कमजोर होता जा रहा है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन, सशक्त संगठन और स्पष्ट नेतृत्व व्यवस्था है, जबकि समाजवादी पार्टी में केवल परिवारवाद और अंतर्कलह ही नजर आती है।

निजीकरण

राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने टेंडर किया जारी, 3 मार्च को होगी प्रीबिड मीटिंग

छह जल विद्युत परियोजनाएं लीज पर देने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की छह लघु जल विद्युत परियोजनाओं को 42 साल के लिए लीज पर प्राइवेट कंपनियों के हाथों सौंपने की तैयारी है। इसके लिए, विभाग ने टेंडर भी जारी कर दिए हैं। साथ ही तीन मार्च को प्रीबिड मीटिंग भी कराने की योजना है। उधर ऑल इंडिया पावर इंजीनियरिंग फेडरेशन (एआईपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे ने विद्युत परियोजनाओं को प्राइवेट कंपनियों को देने के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर टेंडर तत्काल

- ऑल इंडिया पावर इंजीनियरिंग फेडरेशन ने की मुख्यमंत्री से दखल देने की मांग

निरस्त कराने और परियोजनाओं का संचालन सरकारी स्तर पर ही कराने की मांग की है।

शैलेन्द्र दुबे के मुताबिक, राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा बीते 18 फरवरी को जारी टेंडर के माध्यम से विद्युत परियोजनाओं को देने का प्रस्ताव है। टेंडर की शर्तों के तहत निजी कंपनियों को मात्र 1.5 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट की अग्रिम प्रीमियम राशि देकर परियोजनाओं का संचालन और नियंत्रण मिल

जाएगा। इन परियोजनाओं में भोला (2.7 मेगावाट), सलावा (3 मेगावाट), निर्गजनी (5 मेगावाट), चितौड़ा (3 मेगावाट), पालड़ा (0.6 मेगावाट) और सुमेरा (1.5 मेगावाट) जल विद्युत गृह शामिल हैं। ये सभी परियोजनाएं अपर गंगा नहर पर स्थापित हैं, जोकि लगभग 90 से 97 वर्ष पुरानी बताई जा रही हैं।

एआईपीईएफ अध्यक्ष का कहना है कि अपर गंगा नहर में वर्ष भर जल उपलब्ध रहने से इन परियोजनाओं से लगातार बिजली उत्पादन संभव है। कम धन खर्च कर इन परियोजनाओं के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा सकता है। आरोप यह भी है कि परियोजनाओं उत्पादन क्षमता 15.5 मेगावाट है, जबकि उसके स्थान पर 6.3 मेगावाट बताई गई है। इस तरह कम मूल्यांकन कर परिसंपत्तियां निजी हाथों में सौंपी जा रही हैं।

जर्मनी की कंपनियां यूपी में करेंगी निवेश

केशव मौर्य ने फ्रैंकफर्ट में जर्मन कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में प्रदेश से गए प्रतिनिधिमंडल को जर्मनी दौरे के दौरान निवेश के मोर्चे पर सकारात्मक संकेत मिले हैं। सोमवार को फ्रैंकफर्ट में हुई बैठकों में जर्मनी की कई कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश और औद्योगिक सहयोग का भरोसा जताया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी के औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर प्रदेश में निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान ग्लोबल अफेयर्स एवं इकोनॉमिक्स, इंडो-पैसिफिक अफेयर्स की चाइना अफेयर्स की वरिष्ठ प्रतिनिधि सिल्के सिक्टर और ईए इलेक्ट्रो ऑटोमेटिक जीएमबीएच के सीईओ मार्कस शाइबॉल से विशेष रूप से निवेश पर बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया।

जर्मनी के हेसेन राज्य सरकार की प्रतिनिधिमंडल प्रमुख व राज्य सचिव कारिन मुलर से मुलाकात करते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य। अमृत विचार

उप मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को उत्तर प्रदेश की मजबूत होती अर्थव्यवस्था, बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेशक-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत-जर्मनी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

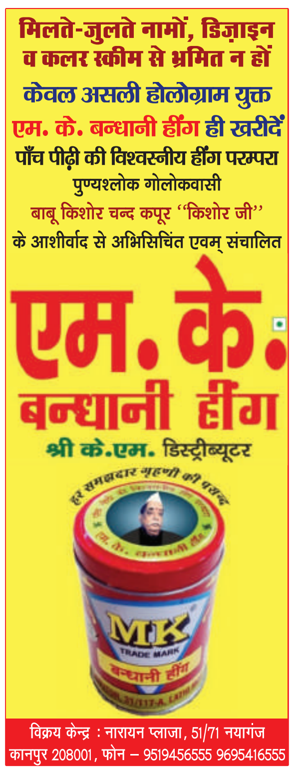

16 की जगह 43 स्लीपर बर्थ, इमरजेंसी विंडो कर दी पैक

परिवहन विभाग के अधिकारियों को 32 की जगह केवल 9 सीटें ही लगी मिलीं, स्ट्रक्चर में भी किया मनमाने तरीके से बदलाव

स्पीपर बस हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर गोसाईगंज क्षेत्र में हादसे का शिकार हुई स्लीपर बस में प्राथमिक जांच में कई कमियां मिली हैं। परिवहन विभाग के जोनल अधिकारी राधेश्याम, आरटीओ प्रभात पांडेय और एआरटीओ आलोक कुमार ने बस की जांच की। आरटीओ पांडेय के मुताबिक बस संख्या एचआरएएफ-1323 गुड़गांव में प्रदीप कुमार के नाम से पंजीकृत है। 16 स्लीपर बर्थ और 32 सीट स्वीकृत हैं, लेकिन बस में 43 स्लीपर और केवल नौ सीटें ही लगी मिलीं। बस के स्ट्रक्चर में भी मनमाने तरीके से बदलाव किया गया है। डीटीसी राधेश्याम ने बताया कि मंगलवार को टेक्निकल टीम आरआई विष्णु कुमार के नेतृत्व में जांच करेगी। तकनीकी रिपोर्ट सामने आने के बाद पूरी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी। उसके आधार पर बस आपरेटर पर विधिक कार्रवाई के लिए प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

- **आज आरआई के नेतृत्व में टेक्निकल टीम करेगी जांच**

आरटीओ पांडेय ने बताया कि एआईएस मानक के अनुसार आपातकालीन गेट पीछे होना चाहिए। गलियारा भी एकदम साफ होना चाहिए। जांच में आपातकालीन गेट के पास सीट लगी मिली। इससे हादसा होने के बाद यात्री आपातकालीन गेट से नहीं निकल सके।

एआरटीओ के मुताबिक हादसे में चालक की लापरवाही सामने आ रही है, क्योंकि स्लीपर बस के टायर नहीं फटे हैं। स्टेयरिंग भी फेल नहीं है। चालक या नींद में था या फिर नशे में। चालक और कंडक्टर दोनों मौके से भाग गए हैं। एमवी एक्ट के तहत हादसा होने की स्थिति में चालक की जिम्मेदारी है कि वह स्थानीय पुलिस को सूचना दे। इसके अलावा वह घायलों की मदद करे। चालक ऐसा नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। बस गुड़गांव में पंजीकृत है।

सिविल अस्पताल में भर्ती पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर गोसाईंगंज में हुए बस हादसे में घायल यात्री से जानकारी लेते पुलिस कर्मी और दूसरे घायल यात्री का इलाज करते चिकित्सक। अमृत विचार

ये यात्री हुए घायल

- रूपेश, प्रभात, रोहित रंजय कुमार, रमन कुमार, फरमान, रेनू देवी, सितारा देवी, गौरव कुमार, ओमकार सिंह, रवींद्र कुमार, रघुनंदन, राजू, सुलेखा, पूनम, काव्या, संजू, गुंजा, सिद्धार्थ, अभिलाषा, शिव कुमार, प्रमोद, जितेंद्र सिंह, रेणु देवी, राजेंद्र कुमार, राजकुमारी, परशुराम और राज कुमार को सिविल और अपेक्स ट्रामा-2 में भर्ती कराया गया है। वहीं, केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में मुमताज, निशा, विकास, छोटू, चांदनी, रीता, संजीत, रवींद कुमार, अरमान, प्रिंस, निभा, सोनू कुमार, बबलु कुमार, अजय, दिलीप और ऋषिदेव को भर्ती कराया गया है। इसमें 5 की स्थिति नाजुक है। लगातार चिकित्सकीय टीम निगरानी कर रही है।

आधे घंटे पहले ही चालक और परिचालक ने ढाबे पर पी थी शराब

- पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर डबल डेकर पलटने से आधे घंटे पहले एक ढाबे पर रुकी थी। यात्रियों के मुताबिक वहां चालक व परिचालक ने खाना खाया। इसके साथ शराब भी पी। साथ में शराब की बोतल भी लेकर आए। जो घटना के बाद मौके से पुलिस को मिली। यात्रियों ने शराब पीने की बात पर नाराजगी जाहिर की तो दोनों ने साफ मना कर दिया। यहां से निकलने के कुछ देर बाद ही बस लहराकर रेलिंग से टकरा गई। हादसा होते ही चालक व परिचालक फरार हो गये। सोमवार को डबल डेकर बस पंजाब के लुधियाना से दरभंगा बिहार जा रही थी। शाम करीब 4 :30 बजे लखनऊ के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पलट गई। हादसे से पहले बस लहराने लगी थी। सीएम योगी ने लखनऊ में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही सीएम ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने उचित मुआवजा प्रदान करने के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए हैं। देर शाम पुलिस ने बस चालक हरियाणा के पानीपत निवासी सोमपाल को गिरफ्तार कर लिया।

सिविल अस्पताल में भर्ती बस हादसे में घायल यात्री।

बस में बैठाए गए थे क्षमता से दो गुना यात्री

- हादसे में घायल यात्री ने बताया कि दो लोगों की सीट पर 4-4 लोगों को बैठा रखे थे। पीड़ित ने कहा कि ड्राइवर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। ड्राइवर को शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। वरना हमारे जैसे लोग घूमने आएंगे और मर कर घर वापस जाएंगे। घायल ने प्रदेश सरकार से मांग की कि हम लोगों को आर्थिक मदद मिलनी चाहिए। घायल आशीष कुमार ने बताया कि हम भीमपुर जा रहे थे। लखनऊ के आसपास ड्राइवर समेत हम लोगों ने खाना भी खाया था। आशीष ने बताया कि बस अचानक अनियंत्रित हो गई थी। गाड़ी के पलटी मारते ही हम अपनी जान बचाने के चक्कर में बस से फांद गए थे। उन्होंने बताया कि टिकट के तौर पर 1500 रुपये लिए थे, लेकिन टिकट नहीं दिया था। पीड़ित के मुताबिक, शराब के लिए पैसे लिए थे। उसने शराब भी पी रखी थी। ड्राइवर ने मनमानी किया था, एक सीट पर 7-8 लोगों को बैठा रखा था।

15 बस यात्री केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती, पांच की हालत नाजुक

- हादसे के बाद 108 एम्बुलेंस और चिकित्सकों की टीम को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही 108 और 102 की कई एम्बुलेंस घटना स्थल रवाना हो गईं। शासन के निर्देश पर लोकबंधु अस्पताल और स्थानीय सीएचसी के चिकित्सकों का दल भी घटना स्थल पर पहुंचा। रेस्क्यू कर 28 घायलों को एसजीपीजीआई के अपेक्स ट्रामा सेंटर भेजा गया है। इनमें इसमें 7 बच्चे, 12 पुरुष और 9 महिलाएं शामिल हैं। प्रवक्ता कुसुम यादव ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर बनी हुई है। उधर, स्थित गंभीर होने पर 15 घायलों को केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। इनमें से पांच की हालत नाजुक बनी हुई है। ट्रॉमा में एक के बाद एक एम्बुलेंस आती रही, इससे अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पहले से सतर्क टीम ने घायलों को इमरजेंसी में पहुंचाने में मदद की। चिकित्सकों ने इलाज शुरू करने के साथ ही आवश्यक जांचे कराई। ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही चिकित्सकों की टीम को अलर्ट कर दिया गया था। घायलों को तत्काल इलाज शुरू करा दिया गया। कुल 15 घायलों को देर रात तक यहां भर्ती कराया गया है। विशेषज्ञों की टीम लगातार घायलों के इलाज की निगरानी में लगी है। वहीं, सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ.डीसी पांडेय ने बताया कि इमरजेंसी में चार घायलों को भर्ती कर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। सभी की हालत स्थिर है।

घायल को अस्पताल ले जाते एंबुलेंसकर्मी।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह को मिला मातृ भाषा रत्न

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज के शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह को मातृ भाषा रत्न मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नेपाल की साहित्यिक संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन की ओर से भारत-नेपाल मैत्री, देवनागरी लिपि संरक्षण और हिंदी-नेपाली भाषाओं के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए दिया गया है। संस्था अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने हरिश्चंद्र को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। हरिश्चंद्र शिक्षा में नवाचार और रचनात्मक लेखन के लिए सक्रिय रहे हैं।

हरिश्चंद्र सिंह

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : रामपुर बेहड़ा गांव में सोमवार सुबह कन्हैया लाल (27) का शव अमरुद के पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर गांव में अफरा-तफरी में मच गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रामपुर बेहड़ा निवासी कन्हैयालाल रविवार रात को घर से बिना बताये निकल गया। इसके बाद वापस नहीं आया। परिजन उसकी तलाश में जुटे रहे। देर रात तक कोई खबर नहीं मिलती। सोमवार सुबह उनके चाचा दिनेश जब खेत पर पहुंचे तो उन्होंने कन्हैयालाल को पेड़ से गमछे के फंदे से लटका देखा। तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिवार में पत्नी पूनम, बेटी एंजल है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में आत्महत्या लग रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। अतिरिक्त निरीक्षक कैलाश चंद्र दुबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेरियागाड़ा के मजरा सिंघूपुर निवासी दीनदयाल 50 वर्ष सोमवार को गांव के मनोज पुत्र कल्लू और लालजी के साथ बाइक से बिल्हौर मार्ग स्थित ग्राम मदार नगर आया था। वह देरशाम बाइक से उतरकर पैदल सड़क के उस पार स्थित एक लकड़ी के टाल पर जा रहा था। तभी अचानक बांगरमऊ से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने अधेड़ को रौंद दिया और बिल्हौर की तरफ भाग निकला। हादसे में अधेड़ लहूलुहान हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और परिजनों सहित तमाम ग्रामीण अस्पताल आ पहुंचे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि घटनास्थल के निकट लगे सीसीटीवी खंगालकर वाहन को ट्रेस किया जाएगा और चालक पर कार्यवाही की जाएगी। पति की अचानक मौत की खबर मिलते ही पत्नी दुन्नी देवी अस्पताल पहुंची और पति का शव देख बिलखने लगी। पिता की मौत से मृतक के तीनों बेटे रो-रोकर बेहाल हैं।

सड़क हादसे में घायल वृद्ध ने तोड़ा दम

अमृत विचार, उन्नाव : औरास थानाक्षेत्र के मोसलावां गांव निवासी रामजीवन (80) 12 फरवरी की शाम अपने पौत्र के साथ हरदोई में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। तभी थानाक्षेत्र के पूराचांद गांव के पास कार की टक्कर से रामजीवन घायल हो गया था। परिजनों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया था। जहां से उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया था। लेकिन परिजन उसका एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। जहां देररात उसकी मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उनके सुपुर्द किया।

बेकाबू स्कूल वैन पलटी, तीन छात्र-छात्राएं घायल

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- **बीकेटी के चंद्रिका देवी मंदिर रोड पर सोमवार दोपहर हुआ हादसा**

अमृत विचार: बीकेटी के चंद्रिका देवी मंदिर रोड पर सोमवार दोपहर को बेकाबू स्कूली वैन सड़क किनारे बनी पानी टंकी से टकराकर पलट गई। हादसे में वैन में सवार आदर्श सरस्वती जूनियर हाईस्कूल के तीन छात्र घायल हो गए। वैन में 18 बच्चे सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अवकाश के बाद करीब ढाई बजे वैन बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। रफ्तार तेज होने से वैन अनियंत्रित होकर टंकी से टकरा कर पलट गई। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और उन्हें बाहर निकाला। सूचना पर पहुंचे अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक कैलाश दुबे ने पुलिस वाहन से घायल बच्चों को सौ शैया अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई। छात्र अक्षांश (10) कक्षा 4, विभा (6) एलकेजी और प्रज्ञान (6) एलकेजी को चोटें आईं थीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाबालिग चालक लापरवाही से वैन चला रहा था। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि वैन मानक के अनुसार नहीं थी। स्कूल के प्रधानाचार्य विष्णु नारायण द्विवेदी ने बताया कि वैन इंदौराबाग निवासी गुड्डू की है। जिससे बीकामऊ और किशुनपुर के बच्चों को स्कूल लाया जाता था। वाहन कौन चला रहा था, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फरार चालक की तलाश की जा रही है।

बीकेटी के चंद्रिका देवी मंदिर रोड पर स्कूल वैन पलटने से घायल बच्चे।

कलश यात्रा निकाल तालाब निर्माण को किया भूमि पूजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए जागरूक भी किया गया**

अमृत विचार, लखनऊ : भूमि संरक्षण विभाग ने सोमवार को सरोजनी नगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पड़ियाना के ग्राम भदोई में वाटरशेड महोत्सव मनाया। मुख्य अतिथि जेएम त्रिपाठी तकनीकी सहायक ने भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार के साथ डब्ल्यूडीसी योजना के तहत ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रभातफेरी निकाली और लोगों को संदेश दिया। विभाग के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सिर पर कलश यात्रा निकाली। इसके बाद गांव में वाटरशेड परियोजना के तहत तालाब निर्माण के लिए भूमि पूजन किया।

इससे पहले योजना के तहत जीर्णोद्धार किए गए तालाब का लोकार्पण किया। उन्नतशील किसानों को प्रमाण पत्र दिए। कार्यक्रम में परियोजना प्रभारी निखिल, दुर्गेश, दीपक, गायत्री, अमित, प्रवीण आदि ने सहयोग किया।

दो डॉक्टरों के भरोसे ओपीडी के 900 मरीज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **बलरामपुर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी**

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में चिकित्सकों के सेवानिवृत्त के बाद विशेषज्ञों की कमी हो गई है। मरीजों के बढ़ते दबाव के चलते अस्पताल प्रशासन ने चार डॉक्टरों की तैनाती के लिए एनएचएम को प्रस्ताव भेजा है। अधिकारियों ने भी माना कि चिकित्सकों की कमी से इलाज प्रभावित हो सकता है।

अस्पताल की मेडिसिन यूनिट में स्वीकृत चार पदों के सापेक्ष तीन डॉक्टर तैनात हैं। एक डॉक्टर की ड्यूटी वीआईपी कार्य में लगी रहती है, इससे वह नियमित सेवाएं नहीं दे पाते हैं। दो डॉक्टरों पर ही ओपीडी ओपीडी में आने वाले 800 से 900 मरीजों को देखने की जिम्मेदारी रहती है। ओपीडी के मरीजों को परामर्श देने के साथ यही दो डॉक्टर भर्ती मरीजों की देखरेख भी करते हैं। अस्पताल प्रशासन ने एनएचएम से चार डॉक्टरों की तैनाती की मांग की है। इसके अलावा पुनर्नियुक्ति पर तैनात एक फिजिशियन की सेवा अवधि दो माह बढ़ाने के लिए भी पत्र भेजा गया है। सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि एनएचएम को पत्र भेजकर जल्द से जल्द चिकित्सकों की तैनाती की मांग की गई है।

53 ग्राम पंचायतों को मिले 1.26 करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों को मिलेगी रफ्तार**
- **अधूरे पड़े कार्यों के साथ नये कार्य होंगे शुरू**

अमृत विचार : स्वच्छता की दिशा में काम कर रहीं 53 ग्राम पंचायतों में बजट का अभाव नहीं रहेगा। केंद्र ने पंचायतों की मांग पर 1.26 करोड़ रुपये खातों में भेजे हैं। इससे पुराने कार्य पूर्ण होंगे और नये प्रस्तावित कार्य शुरू किए जाएंगे।

फर्रुखाबाद, पश्चिम गांव, सिकंदरपुर खुर्द, निजामपुर, पलहारी, महमूदपुर, सैयदपुर मेहरी, थावर, दोना, रजौल, शिवरी, बेती, नारायनपुर, हरौनी, बीबीपुर, प्यारेपुर, कमलापुर, करोवा, करनपुर, नगराम, दयालपुर, मस्तीपुर, रसूलपुर, टिकैतगंज, गहदोन, भानपुर, मवईखुर्द समेत 53 ग्राम पंचायतें स्वच्छता संबंधित कार्यों से मॉडल बनाने के लिए चयनित की गईं थीं। इन पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनाए गए। जहां सूखा व गीला कूड़ा निस्तारित किया जाएगा।

इसके अलावा सभी में वर्मी कंपोस्ट बनाए गए। जहां कूड़ा से जैविक खाद बनाकर बिक्री से पंचायतों की आय बढ़ाई जाएगी। इससे कूड़ा निस्तारण भी होगा। गांवों में जलनिकासी के लिए सोख्ता गड्ढा, नाडेफ आदि भी बनाए हैं। इनमें कुछ निर्माण कार्य बजट के अभाव में पूर्ण नहीं हो पाए। इसकी वजह ग्राम पंचायतों के पास पर्याप्त बजट नहीं था।

जिला पंचायत अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पंचायतों की मांग पर 1.26 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे समस्या नहीं आएगी। कूड़ा उठान के लिए ई-रिक्शा खरीदेंगे। नये वित्तीय वर्ष में दो एफएसटीपी भी बनेंगे।

राजकीय आयुर्वेद कॉलेज | मरीजों को 40 प्रकार की दवाओं में केवल 15 से 20 दवाएं ही मिल पा रही थीं

17 लाख मिले, दूर होगा दवाओं का संकट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजकीय आयुर्वेद कॉलेज में कई महीनों से चल रहा दवाओं का संकट दूर होने की उम्मीद जगी है। शासन से दवाओं की खरीद के लिए 17 लाख रुपये का बजट मिलने पर कॉलेज प्रशासन ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है।

राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 600 से 700 मरीज पहुंचते हैं। मरीजों को डॉक्टरों द्वारा पर्चे पर लिखी गई सभी दवाएं नहीं मिल पा रही थीं। कॉलेज की आरसी सूची में दर्ज 40 प्रकार की दवाओं में 15 से 20 दवाएं ही मरीजों को मिल पा रही थीं। इस समस्या को अमृत विचार ने 10 फरवरी के अंक में प्रकाशित किया था।

टूड़ियागंज के आयुर्वेद कॉलेज में दवाओं का टोटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 70 प्रकार की दवाएं स्वीकृत, काउंटर पर पांच से छह तरह की ही मौजूद

अमृत विचार : टूड़ियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज व चिकित्सालय में मरीजों को पर्चे पर लिखी सभी दवाएं नहीं मिल ... दवा वितरण काउंटर पर लाइन में लगी। नंबर आने पर बताया गया कि पर्चे पर लिखी दवा मौजूद

अमृत विचार में 10 फरवरी को प्रकाशित खबर।

कॉलेज प्रशासन का कहना है कि आयुष मिशन से भी कुछ दवाएं प्राप्त हुई हैं, जिससे आंशिक राहत मिली है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार मौर्य ने बताया कि बजट मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मार्च के पहले सप्ताह तक सभी आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जाएगी, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जर्मनी से आया पुर्जा, होने लगी जांच

- **अमृत विचार, लखनऊ :** किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर की सीटी स्कैन मशीन सोमवार को दुरुस्त कर मरीजों की जांच शुरू कर दी गई। मशीन खराब होने से मरीजों की समस्या को अमृत विचार ने प्रमुखता से उठाया था। ट्रॉमा सेंटर में प्रतिदिन 150 से अधिक मरीजों का सीटी स्कैन किया जाता है। मशीन खराब होने के कारण मरीजों को रेडियोलॉजी विभाग और शताब्दी भवन जाना पड़ रहा था। इससे जांच के लिए इंतजार बढ़ गया था। ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि मशीन का एक अहम पुर्जा जर्मनी से मंगाया गया है। इंजीनियरों ने मशीन को ठीक कर दी है। उन्होंने कहा कि, भविष्य में ऐसी समस्या से निपटने के लिए वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य विभाग में जल्द ही नई सीटी स्कैन मशीन स्थापित की जाएगी। इससे बैकअप सुविधा उपलब्ध होगी और आपात स्थिति में मरीजों को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत मामले की जांच को बनी कमेटी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **सैरपुर क्षेत्र के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई थी रामपुर बेहड़ा की अनुष्का की मौत**

अमृत विचार : बीकेटी के सैरपुर क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है। कमेटी ने अस्पताल प्रबंधन से इलाज से जुड़े सभी दस्तावेज तलब किए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किए जाने की संस्तुति की जाएगी।

बीकेटी के रामपुर बेहड़ा गांव निवासी शोभित की 28 वर्षीय पत्नी अनुष्का का इलाज सीएचसी में चल रहा था। परिजनों का आरोप है कि क्षेत्र की आशा ने झांसा देकर सैरपुर स्थित सनराइज हॉस्पिटल में भर्ती कराया। प्रसव के बाद अनुष्का की हालत बिगड़ गई और रविवार रात मौत हो गई। लापरवाही का आरोप लगा परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया था। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर स्थिति को शांत कराया। बीकेटी सीएचसी प्रभारी डॉ. जेपी सिंह ने अस्पताल का निरीक्षण किया। पंजीकरण वैध पाया गया। सीएमओ ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है, जो सभी बिंदुओं पर गहन जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। यदि लापरवाही के आरोप सही पाए जाते हैं तो मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति की जाएगी।

परिजनों का आरोप है कि क्षेत्र की आशा पूर्व में भी एक प्रसूता को निजी अस्पताल ले गई थी। उसकी भी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। आरोप है कि उस मामले में भी अस्पताल में कई खामियां मिलने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई और न ही आशा बहु के खिलाफ कोई कदम उठाया गया।

न्यूज ब्रीफ

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में बनेगी नई ओपीडी

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के अस्पताल में ओपीडी और शिक्षकों के जर्जर आवासों का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने न केवल स्वीकृत दे दी है] बल्कि प्रावधानित 25 करोड़ के बजट में एक करोड़ रुपये की प्रथम किश्त जारी भी कर दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव चंद्र शेखर मिश्र ने महानिदेशक को स्वीकृति आदेश जारी कर दिया है। चिकित्सालय में मरीजों की भीड़ और वर्षों पुराने शिक्षक आवासों में आने वाली दिक्कतों को शासकीय अधिकारियों ने गंभीरता से लिया है। आधुनिक तरीके से सुविधाजनक ओपीडी भवन और आवासों का निर्माण किया जाएगा।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

अमृत विचार, अटौरा (रायबरेली) : गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र की अटौरा चौकी क्षेत्र के पूरे बढ़ईन मजरे बरऊवा गांव में शनिवार की रात एक अधेड़ महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार की रात किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पुलिस को फोन करके महिला की हत्या किये जाने की सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार सुनीता (55) पत्नी मुनीम की शनिवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के बेटे जो गैर प्रान्त में नौकरी करते है, उनके घर ना पहुंच पाने के कारण रविवार को मृतका का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या किए जाने की सूचना पुलिस को दी गई थी, जिसके चलते सोमवार की सुबह मौके पर पहुंचकर पुलिस ने छानबीन की तो महिला की मौत बीमारी के कारण स्वाभाविक पाई गई।

विद्यालय से लाखों का सामान चोरी

अमृत विचार, महराजगंज (रायबरेली : चोरों के बुलंद हौसले शिक्षा के मंदिर को भी नहीं छोड़ रहे हैं। घटना कोटवा मोहम्मदाबाद गांव की है। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय को अपना निशाना बनाते हुए कमरों का ताला तोड़कर एक लाख रुपये से अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने कक्षाओं में अंदर रखे स्मार्ट टीवी और यूपीएस, कंप्यूटर की-बोर्ड, रसोई का सामान, गैस सिलेंडर, भगौना, कुकर व मिड-डे मील का राशन समेत काफी सामान उठा ले गए। सोमवार सुबह शिक्षक विद्यालय पहुंचे और कमरों के ताले टूटे देखे। प्रधानाध्यापक विंदा प्रसाद श्रीवास्तव ने तुरंत इसकी सूचना ग्राम प्रधान और डायल 112 पुलिस को दी।

प्रदेश अध्यक्ष पर हमले से हिंदू संगठनों में उबाल

अमृत विचार, रायबरेली : अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री पर हुए हमले के विरोध में सोमवार को जनपद में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदेशव्यापी ज्ञापन कार्यक्रम के तहत संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। जिलाध्यक्ष विवेक मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए प्रदेश अध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान करने और हमलावरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताई और दोषियों की गिरफ्तारी पर जोर दिया। गौरतलब है कि बीती 19 फरवरी को लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री अपने परिवार के साथ एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने ईंट-पत्थरों से वाहन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे गाड़ी काफी क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया कि घटना के समय वाहन में कोई मौजूद नहीं था, जिससे संभावित जनहानि टल गई।

बांदा-बहराइच राजमार्ग पर पटरियों की भराई शुरू

अमृत विचार, शिवगढ़ (रायबरेली) : आखिरकार लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदारों की नींद टूट गई। अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने के बाद बदहाल बांदा-बहराइच राजमार्ग पर पटरियों की भराई शुरु करा दी गई है। पिछले कई सालों से हाइवे की दोनों पटरियां बदहाल एवं जगह -जगह गड्ढों में तब्दील थी। जिसके चलते एक साथ दो बड़े वाहनों के आ जाने पर साइकिल, मोटरसाइकिल सवार राहगीरों को बगल में खड़े होने के लिए जगह नहीं रहती थी। लिहाजा लोग अक्सर हादसे का शिकार हो जाते थे। जिसकी पिछले सप्ताह प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। वहीं कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव एडवोकेट गौरव मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन शिवगढ विकास अधिकारी कार्यालय में सौंप कर हाईवे के चौड़ीकरण, विद्युतीकरण आदि समस्याओं के समाधान की मांग की थी।

रजिस्ट्री में ओटीपी के विरोध में अधिवक्ताओं ने बंद किया काम

रजिस्ट्री कार्यालय परिसर में छाया रहा सन्नाटा, क्रेता-विक्रेताओं को रजिस्ट्री कराए बिना लौटना पड़ा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कैसरबाग स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय बंद होने पर दरवाजे पर चिपकी नोटिस पढ़ता आगंतुक। अमृत विचार

अमृत विचार : रजिस्ट्री में ओटीपी व्यवस्था लागू करने के विरोध में शुक्रवार को लखनऊ बार एसोसिएशन के आह्वान पर उप निबंधक सदर और सरोजनी नगर कार्यालय के अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। काम ठप होने से रजिस्ट्री कार्यालय परिसर में सन्नाटा छाया रहा। क्रेता-विक्रेता दीवार पर प्रस्ताव चस्पा देखकर बिना रजिस्ट्री के लौट गए। मंगलवार को भी अधिवक्ता कार्य से विरत रहेंगे।

कलेक्ट्रेट स्थित निबंधन कार्यालय पर अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी व महामंत्री ब्रजभान सिंह भानू की अध्यक्षता में कार्यकारिणी बैठक हुई। इसमें सदर और सरोजनी नगर के अधिवक्ता शामिल हुए। बताया कि रजिस्ट्री निष्पादन के कार्य काफी जटिल कर दिए हैं। बार-बार ओटीपी भेजने और आधार सत्यापन में काफी समय बर्बाद होता है। पूर्व में 10 मिनट लगता था और अब आधा से एक घंटा लगता है। ऑनलाइन सर्वर अपडेट नहीं कर रहे हैं। ऑनलाइन कोर्ट फीस को लेकर कई बार ओटीपी पक्षकारों के मोबाइल पर आती है। इससे पक्षकार साइबर क्राइम और बैंक खाता हैक होने के डर से ओटीपी नहीं देते हैं। दूर-दराज से रजिस्ट्री कराने आए लोगों को परेशानी होती है। बायोमैट्रिक करने में जल्द अंगूठा या अंगुली मैच नहीं होती है। सबसे ज्यादा बुजुर्गों को आने जाने में परेशानी होती है। मंगलवार को भी अधिवक्ता साथी कार्य नहीं करेंगे।

रविवार को कार्यालय खोलने का भी विरोध

अधिवक्ताओं ने मार्च 2026 से रविवार को उपनिबंधन कार्यालय खुलने का भी विरोध किया। बताया कि अवकाश के दिन अधिवक्ताओं को काम करना पड़ेगा। जबकि कर्मचारी रोस्टर के अनुसार काम करेंगे। इससे अधिवक्ताओं में रोष है। सुचारू रूप से शुरू न हुए तो 25 फरवरी को निर्णय लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल करेंगे। साथ ही उप महानिरीक्षक स्टांप कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

सरोजनी नगर में मात्र तीन कर्मचारी, पंजीयन प्रभावित

बैठक में यह भी समस्या रखी गई कि सरोजनी नगर में मात्र तीन कर्मचारी हैं। तीन कर्मचारी सरोजनी नगर प्रथम और द्वितीय उपनिबंधन कार्यालय का काम करते हैं। कर्मियों की कमी से 15 से 20 पंजीयन हो सके हैं। अन्य पंजीयन नहीं हो पाते हैं। इससे अधिवक्ताओं के साथ क्रेता-विक्रेता दोनों को परेशानी होती है। दूसरे शहर व राज्य से आए क्रेता-विक्रेता बिना रजिस्ट्री के लौट जाते हैं।

बाइक में मारी टक्कर, युवक को दबंगों ने पीटकर किया अगवा

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- इटौंजा ओवर ब्रिज पर कार सवार बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम
- रंजिश में हमले की बात आई सामने, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार : सीतापुर हाइवे स्थित इटौंजा ओवर ब्रिज पर सोमवार सुबह 11.30 बजे बाइक से जा रहे दो युवकों को पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। दोनों युवक हाइवे पर गिर गये। इसके बाद कार से निकलकर दबंगों ने बाइक सवार एक युवक की पिटाई करने लगे। आरोपियों ने युवक को पीटने के बाद अपनी कार में जबरदस्ती बैठा लिया। भिठौली के पास घायल हालत में फेंककर भाग निकले। जानकारी होने पर इटौंजा पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। परिजन का आरोप है कि पुरानी रंजिश में हमला किया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है।

सीतापुर के अटरिया स्थित बिरसापुर निवासी अरुण कुमार सिंह के मुताबिक उनका भाई आलोक सिंह गांव के हर्ष पांडेय के साथ बाइक से लखनऊ जा रहा था। इसी बीच इटौंजा ओवर ब्रिज के ऊपर कार सवार बदमाशों ने टक्कर मार दी। दोनों युवक काफी दूर तक हाइवे पर घिसटते चले गये। इसके बाद कार सवार नीचे उतरे। आलोक सिंह पर रॉड व डंडे से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे में बाइक चला रहा हर्ष भी घायल हो गया। कार सवार बदमाशों ने आलोक को अपनी कार से अगवा कर लिया। उसकी पिटाई करते हुए इटौंजा से 20 किमी दूर भिठौली तिराहे के पास अधमरा कर फेंक दिया। जानकारी होने पर परिवार के लोग पहुंचे। इटौंजा पुलिस को सूचना दी। पुलिस व परिजन भिठौली से आलोक को घायल हालत में अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर में रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

पहले भी हुआ था विवाद : थाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया युवक आलोक सिंह से पहले भी आरोपितों से विवाद हो चुका है सिधौली क्षेत्र में मारपीट हुई थी जिसकी रिपोर्ट भी दर्ज हुई थी शायद इसी मामले को लेकर सोमवार की हुई घटना को आरोपियों ने अंजाम दिया हो।

नाराज परिजन ने थाने पर किया हंगामा

घटना से आक्रोशित युवक के परिजन इटौंजा थाना पर काफी संख्या में पहुंचे। घटना में शामिल युवकों की गिरफ्तारी की मांग की। आलोक सिंह को सकुशल बरामद करने की पुलिस से मांग की इसके बाद पुलिस की कई टीम में जांच के लिए रवाना हुई भीठौली क्षेत्र में मौके पर भी पहुंची। पिटाई और अपहरण किये जाने से नाराज परिजन ने हंगामा किया। एसीपी बीकेटी ज्ञानेंद्र सिंह एवं एडीसीपी ऋषभ रुणवाल भी इटौंजा थाना पहुंचे। एसीपी बीकेटी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में अवैध दवाओं के खिलाफ छापेमारी, भारी मात्रा में सैंपल बरामद

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में चिकित्सकों को दिए गए सैंपल और अनाधिकृत दवाओं के क्रय-विक्रय, भंडारण व वितरण पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की मुख्यालय स्तरीय टीम ने बीती 22 फरवरी को आगरा में कई मेडिकल प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। यह जानकारी देते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि छापेमारी के दौरान फोराकोर्ट इनहेलर दवा के 8000 प्रिंटेड लेबल और स्पास्मोप्रो (ट्रामाडॉल) कैप्सूल और भारी मात्रा में चिकित्सकों को दिए जाने वाले सैंपल बरामद हुए। इनमें से पांच दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे गए, जबकि शेष स्टॉक अभिरक्षा में लिया गया।

कोरोवेंटिस तकनीक एंजाइना मरीजों के इलाज में नई उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रदेश में पहली बार केजीएमयू में कोरोवेंटिस तकनीक का हुआ सफल उपयोग

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के कार्डियोलॉजी विभाग ने उत्तर प्रदेश में पहली बार कोरोवेंटिस सिस्टम का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर हृदय रोग उपचार में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह अत्याधुनिक तकनीक उन मरीजों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जिन्हें सीने में दर्द (एंजाइना) होता है, लेकिन उनकी कोरोनरी धमनियों में गंभीर रुकावट नहीं पाई जाती।

कोरोवेंटिस सिस्टम से कोरोनरी फिजियोलॉजी का सटीक आकलन संभव है, जिससे केवल वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण अवरोधों की पहचान होती है। मरीजों को अनावश्यक स्टेंटिंग से बचाते हुए वैज्ञानिक और लक्षित उपचार दिया जा सकता है।

इस प्रक्रिया का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन चार मरीजों पर किया गया। मिलान (इटली) से आई विशेषज्ञ डॉ. लुडोविका माल्टीज ने मार्गदर्श किया। इन केसों का नेतृत्व डॉ. मोनिका भंडारी, डॉ. आयुष शुक्ला और डॉ. अभिषेक सिंह ने किया, जबकि डॉ. ऋषि सेठी, डॉ. शरद चंद्रा, डॉ. अक्षया प्रधान, डॉ. गौरव चौधरी और डॉ. अखिल शर्मा ने अकादमिक और तकनीकी सहयोग दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. ऋषि सेठी ने बताया कि यह तकनीक उन मरीजों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी जिनमें गंभीर रुकावट न होने के बावजूद लक्षण बने रहते हैं। अनावश्यक स्टेंटिंग से बचाव और सटीक उपचार के साथ यह प्रदेश में हृदय रोग उपचार की गुणवत्ता को नई दिशा देगा।

डॉ. लुडोविका माल्टीज ने कहा फिजियोलॉजी-गाइडेड कोरोनरी इंटरवेंशन आधुनिक कार्डियोलॉजी की दिशा है। केजीएमयू जैसे संस्थान इसका सफल उपयोग कर मरीजों को बेहतर और प्रमाण-आधारित उपचार प्रदान करेंगे।

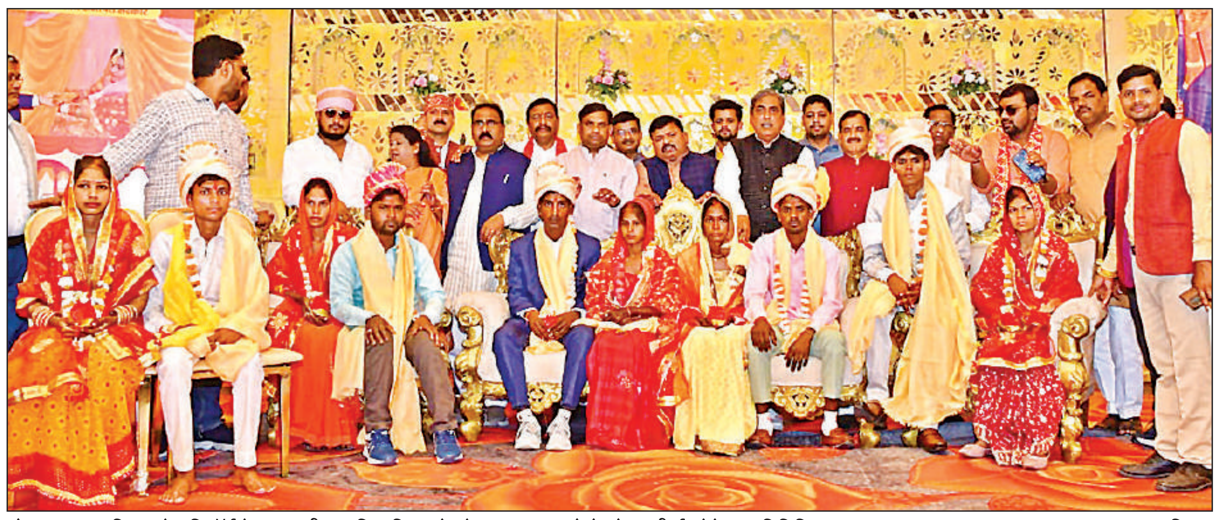
मोहनलालगंज स्थित गौरा रिजॉर्ट में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के दौरान वर-वधू जोड़ों को आशीर्वाद देते जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

95 जोड़ों का हुआ विवाह, जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मोहनलालगंज स्थित गौरा रिजॉर्ट में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत 95 जोड़ों का विवाह कराया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य और ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला कन्यादान करने के साथ उपहार देकर विदा किया।

मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयास से आज सभी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। समाज कल्याण विभाग कन्याओं का सामूहिक विवाह करा रहा है। योजना से लाभान्वित लड़की के खाते में रुपये 60 हजार डीबीटी के माध्यम से भेजे जाते हैं। 25 हजार की वैवाहिक उपहार सामग्री मिलती है। साथ ही कार्यक्रम में व्यवस्थाओं पर समाज कल्याण विभाग 15 हजार खर्च करता है। समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि वार्षिक तीन लाख आय वाले परिवारों की बेटियों का सामूहिक विवाह योजनांतर्गत कराया जाता है।

डाक टिकटों की प्रदर्शनी में जनगणना का अनोखा इतिहास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजधानी में प्रदर्शनी आज से, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और इतिहास प्रेमियों के लिए विशेष रूप से रहेगी उपयोगी

अमृत विचार : उप्र. राजकीय अभिलेखागार की ओर से कल मंगलवार से राजधानी में विशेष प्रदर्शनी 'गिनती में आओः भारत में जनगणना का डाक इतिहास' आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र, शोधार्थी और आम लोग इन ऐतिहासिक दस्तावेजों से जुड़ें और देश के इतिहास को बेहतर तरीके से समझें। प्रदर्शनी का उद्घाटन 24 फरवरी को जनगणना संचालन एवं नागरिक पंजीकरण निदेशक शीतल वर्मा करेंगी।

प्रदर्शनी में डाक टिकटों, पोस्टमार्क, पुराने पत्रों और अभिलेखों के माध्यम से भारत में जनगणना के ऐतिहासिक सफर को दर्शाया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि आजादी के बाद जनगणना से जुड़ी सूचनाएं लोगों तक पहुंचाने, प्रशिक्षण सामग्री भेजने और सरकारी संवाद स्थापित करने में डाक विभाग की क्या महत्वपूर्ण भूमिका रही। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश के विकास की बुनियाद है। डाक अभिलेखों के जरिए इसके इतिहास को समझना नई पीढ़ी के लिए प्रेरक होगा। प्रदर्शनी का संयोजन अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. डॉ. विकास कुमार ने किया है। यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधार्थियों और इतिहास प्रेमियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहेगा।

सिंगापुर में देखें पानी फटी टंकियों से निकलता है या फटे पाइप से

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जब 'माधुर्य-प्रवास' पर सिंगापुर जा रहे हैं तो वहां की जल व्यवस्थाएं देखकर आएं, क्योंकि उनके शासन में पानी की धारा सिर्फ फटी टंकियों और पाइपों से ही नजर आती है।

सपा प्रमुख ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है और विकास के दावों के बीच सड़कों की परतें उधड़ रही हैं। गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा अधूरा है, जबकि बजट खर्च हो गया। उन्होंने कहा कि पानी की टंकियां बनते ही गिर रही हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्रस्त हैं। नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही, परीक्षाओं के परिणाम लटक जाते हैं और शिक्षकों को सम्मान नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है, अस्पतालों में दवा और इलाज का अभाव है।

बिजली कर्मियों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 26 को लखनऊ में होने वाली संघर्ष समिति की प्रांतीय बैठक में बनेगी आंदोलन की रणनीति
- निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के सोमवार को 453 दिन पूरे

बिजली कर्मचारियों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करते प्रदर्शनकारी।

अमृत विचार: विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि पावर कारपोरेशन के अधिकारियों का उत्पीड़न लगातार बढ़ता जा रहा है। रियायती बिजली समाप्त करने और निजीकरण की तैयारी के तहत कर्मचारियों के घरों पर स्मार्ट मीटर जबरन लगाए जा रहे हैं। यह सब मुख्यमंत्री से हुए लिखित समझौते का उल्लंघन हैं। 26 फरवरी को समिति की प्रांतीय बैठक लखनऊ में होगी, जिसमें आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के सोमवार को 453 दिन पूरे हो गए। इस दौरान लखनऊ समेत प्रदेश भर के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन हुआ और मांग पत्र भी दिए गए। समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने बताया कि 25 जनवरी-2000 को तत्कालीन मुख्यमंत्री राम प्रकाश गुप्त के साथ एक लिखित समझौता किया गया था। इसके तहत बिजली कर्मियों को मिल रही रियायती बिजली की सुविधा जारी रखने का स्पष्ट प्रावधान हुआ था।

उन्होंने बताया कि समझौते के आधार पर बनी ट्रांसफर स्कीम में भी कर्मचारियों को पूर्ववत सुविधाएं जारी रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पावर सेक्टर रिफॉर्म एक्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि विद्युत परिषद के विघटन के बाद कर्मचारियों की सेवा शर्तें और सुविधाएं किसी भी स्थिति में पूर्व से कम नहीं की जाएंगी। इसके बाद भी निजी कंपनी को सुविधा देने के उद्देश्य से युद्ध स्तर पर कर्मचारियों के आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सा | सात जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत एफआरयू के डॉक्टरों-नर्सों को मिलेगा प्रशिक्षण

एफसीएम के एक डोज से दूर होगी एनीमिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रायबरेली से हुई प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

अमृत विचार : प्रदेश में मातृ एनीमिया प्रबंधन की दिशा में बड़ी पहल करते हुए सरकार ने 'फेरिक कार्बोक्सी माल्टोस' (एफसीएम) इंजेक्शन की शुरुआत की है। अब गर्भवती और स्तनपान कराने वाली एनीमिया ग्रसित महिलाओं को सिर्फ एक डोज देकर हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाया जाएगा। यह सुविधा सभी फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) पर उपलब्ध रहेगी।

परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. एच डी अग्रवाल के निर्देश पर उप्र. तकनीकी सहयोग इकाई (यूपीटीएसयू) द्वारा मैटरनल एनीमिया मैनेजमेंट इनिशिएटिव (स्क्रीन, रेफर, ट्रैक, ट्रीट) के तहत रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, फतेहपुर, जालौन, श्रावस्ती और बहराइच में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) और गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज (हैलेट) कानपुर, तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। पहले जिले के रूप में सोमवार को रायबरेली से प्रशिक्षण की शुरुआत हुई।

केजीएमयू की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल ने बताया कि अभी तक आयरन सुक्रोज की पांच खुराक देनी पड़ती थी, लेकिन एफसीएम की एक ही डोज एक सप्ताह में असर दिखाने लगती है। इससे बार-बार अस्पताल आने की जरूरत नहीं होगी और दुष्प्रभाव भी कम हैं।

यूपीटीएसयू की उपनिदेशक डॉ. सीमा टंडन ने बताया कि पांच बार अस्पताल बुलाना चुनौतीपूर्ण था। एक डोज से बेहतर परिणाम मिलेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सुधारने और मातृ मृत्यु दर घटाने में सहायक होगी।

भांजी की शादी से लौट रहे मामा को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

अमृत विचार, महराजगंज (रायबरेली) : भांजी की शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे मामा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में गंभीर हालत युवक को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों समेत गांव में मातम का माहौल है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना रविवार की देर रात की है। क्षेत्र के महाबलगंज मजरे सिकंदरपुर गांव निवासी पवन कुमार उर्फ पप्पू पुत्र ध्रुव प्रसाद रायबरेली में अपनी भांजी की शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से देर रात लौट रहे थे। पूरे अवसेरी मजरे मोन गांव स्थित पराग डेयरी के सामने तेज़ रफ्तार अज्ञात वाहन से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पवन कुमार को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से उन्हें ट्रामा सेंटर के लिए ले जाते समय मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रक में पीछे से घुसी कार, मामा-भांजे की मौत

कार में सवार अन्य पांच लोग गंभीर रूप से हुए घायल, जौनई के पास हाईवे पर हुआ हादसा

संवाददाता, जसंवतनगर, इटावा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर जौनई चौकी के पास एक पेट्रोल पंप के सामने सोमवार सुबह दिल्ली जा रही तेज रफ्तार अनियंत्रित अर्टिगा कार अपने आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार सात लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने घायलों को सीएचसी भिजवाया जहां से उन्हें पीजीआई भेजा गया है।

हमीरपुर जिले के थाना सरीला के इस्लामपुर गांव के चेतराम (62) पुत्र देशराज जो अब दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहते हैं। 21 फरवरी को दिल्ली में संपन्न हुई अपने छोटे बेटे राजेंद्र की शादी की पारिवारिक रस्म की अदायगी करने परिवार सहित अपने पैतृक गांव इस्लामपुर हमीरपुर गए हुए थे। रविवार को गांव के ही मंदिर में शादी की रस्म पूर्ण कर रविवार की रात अर्टिगा कार से चेतराम अपनी पत्नी गिरिजा देवी (60), पुत्र राजेश (29) व राजेंद (26), पुत्रवधू अंजलि (26) व नववधू रेशमा (22) पत्नी राजेंद्र और जालौन निवासी अपने भांजे सुखवासी समेत सात लोगों के साथ कार से दिल्ली जा रहे थे। सोमवार सुबह करीब 3:00 बजे जौनई चौकी के पास एक पेट्रोल पंप के सामने उनकी कार आगे चल रहे ट्रेलर ट्रक में जा घुसी। इसके चलते कार का आगे का हिस्सा ट्रक में फंस गया। आसपास के लोग और चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। कार के आगे हिस्से में फंसे चेतराम और सुखवासी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस घायलों गिरिजा देवी,राजेश, राजेंद्र ,रेशमा देवी, अंजलि को कार से निकाल कर एंबुलेंस द्वारा इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत गंभीर देखते हुए सैफई पीजीआई के लिए रेफर कर दिया। पुलिस और हाईवे इंसिडेंट मैनेजर सुनित चौहान ने दुर्घटनाग्रस्त कार व ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर कर बाधित हो रहे यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने ट्रक के चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है।

हादसे के बाद ट्रक में फंसी कार । अमृत विचार

ट्रक से टकरायी बाइक, सगे भाइयों की गयी जान

सुलतानपुर, अमृत विचार : जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र से होकर गुजरे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर रविवार देर रात सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के बहरामपुर गांव निवासी बुद्धू गौड़ परिवार सहित कानपुर के कल्याणपुरर में रहते हैं। रविवार शाम उनके बेटे सुमित गौड़ (25) और शुभम गौड़ (22) बाइक से आजमगढ़ के लिए निकले थे। रात करीब 11 बजे 134 माइल स्टोन के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पीली पट्टी में खड़े ट्रक से टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को बिरसिंहपुर सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सीओ जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। गौरतलब हो कि बुद्धू गौड़ की तीन संतान थी दो बेटे सुमित गौड़ व शुभम गौड़ तो एक 17 वर्षीया बेटी अंशु है। दोनों बेटों की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बेटो की मौत की सूचना मिलते ही मां किरन बेटी अंशु के साथ सुलतानपुर पहुंची। बुद्धू रविवार को ही बेटों से पहले ट्रेन से घर के लिए निकले थे। दोनों युवकों के मौत की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसरा हुआ है।

बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार : सफीपुर कोतवाली अंतर्गत मियागंज मार्ग पर गौरी गांव के सामने सोमवार शाम दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौके पर मौत हो गई और बच्चे सहित 4 लोग घायल हो गए। 3 को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां पहुंचने पर दूसरी बाइक चालक की भी मौत हो गई। औरास थानाक्षेत्र के लालता खेड़ा गांव निवासी छोटेलाल (27) पुत्र रामचंद्र अपनी बहन मालती (35) पत्नी पुरुषोत्तम निवासी अतरौली बिलग्राम हरदोई, भांजे कृष्णा (7) व भतीजी नैना (9) को लेकर फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के जमुनिहा कक्ष गांव निवासी छोटी बहन प्रीति के बेटे का जन्मदिन कार्यक्रम में जा रहे थे। सोमवार शाम 6 गौरी गांव के सामने एक बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। छोटेलाल, मालती, कृष्णा, नैना व दूसरी बाइक सवार बसंत (35) ल घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां ने छोटेलाल को मृत घोषित कर दिया। कृष्णा व बसंत को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने बसंत को भी मृत घोषित कर दिया।

साधु वेशधारी युवकों ने किया मुख्य आरक्षी पर हमला

अयोध्या, अमृत विचार। साधुवेशधारी युवकों ने मामली विवाद में पुलिस के मुख्य आरक्षी पर हमला कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस एक नामजद व अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही है।

अमरोहा के आमदा थाने में तैनात मुख्य आरक्षी तरुण कुमार वर्तमान में यलो जोन में ड्यूटी कर रहा है। पुलिस को दी तहरीर में उसने बताया कि 21 फरवरी को उसकी ड्यूटी बाबा ओमप्रकाश दास बैरियर पर थी। दोपहर करीब 12:45 बजे वह ड्यूटी रजिस्टर में रवानगी कर लगभग 100 मीटर दूरी पर चाय पीने के लिए रामपथ पर गया था। चाय बनवाने के दौरान एक साधु बनती हुई चाय के बर्तन के पास खड़े होकर जोर-जोर से बातें कर रहा था। जब उन्होंने साधु को बर्तन से दूर हटने के लिए कहा गया, इससे नाराज हो गया एवं फोन द्वारा अपने अन्य साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में बिना नंबर प्लेट की एक एसयूवी पर सवार होकर पांच-सात लोग आए व लाठी-डंडों व चाकू से उन पर हमला कर दिया।

राम मंदिर में अतिथियों के प्रवेश को बनेंगे अलग द्वार

अयोध्या कार्यालय।

- 19 मार्च को राष्ट्रपति करेंगी श्रीराम महायंत्र की स्थापना

अमृत विचार: राम मंदिर में 19 मार्च को नव संवत्सर पर होने वाले श्रीराम महायंत्र स्थापना समेत अन्य कार्यक्रम को सुरक्षा और सुविधा पूर्ण माहौल में संपन्न किया जाएगा। इस बार मंदिर परिसर में आने वाले अतिथि जगद्गुरु रामानंदाचार्य द्वार के स्थान पर अलग द्वार से आएंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस योजना को अंतिम स्वरूप देने की तैयारी कर रहा है।

राममंदिर में 22 जनवरी 2024 में भूतल के गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद, 5 जून 2025 को प्रथम तल पर श्री राम दरबार की प्रतिष्ठा और 25 नवंबर 2025 को मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज आरोहण का कार्यक्रम हुआ था। अब 19 मार्च को हिंदी नव वर्ष पर द्वितीय तल के गर्भगृह में श्रीराम महायंत्र की स्थापना होगी। इस बार इस कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू आ रही हैं।

वह राममंदिर के क्रॉसिंग 11- जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वार से परिसर में प्रवेश करेंगी। मंदिर में दर्शन-पूजन का कार्यक्रम संपन्न कर द्वितीय तल पर विधि विधान पूर्व चल रहे स्थापना कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस दौरान करीब पांच हजार आमंत्रित विशेष अतिथियों को क्रॉसिंग-दो रंग महल बैरियर से प्रवेश दिए जाने की तैयारी है। इसमें उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के 3000 अतिथि के साथ 300 निर्माण इकाइयों से जुड़े 2000 वर्कर शामिल होंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने सोमवार को बताया कि राममंदिर में होने वाला कार्यक्रम अपने आप में स्वतंत्र होता है। अयोध्या नगरी के मठ मंदिरों में कार्यक्रम होते रहते हैं लेकिन यह कार्यक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि श्रीराम महायंत्र की स्थापना होनी है। इसके लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है।

नेपाल में हुए हादसे में बहराइच के युवक की मौत

बहराइच, अमृत विचार : पड़ोसी देश नेपाल में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी एक बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी, तभी बेनिघाट क्षेत्र में अनियंत्रित होकर त्रिशूली नदी में गिर गई। हादसे में अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं इस हादसे में बस में सवार जनपद बहराइच के नानपारा इलाके के रहने वाले एक युवक की भी मौत हो गई है ।

नानपारा कोतवाली क्षेत्र में ग्राम हाड़ा बसहरी निवासी 33 वर्षीय मनीष शुक्ला पुत्र रामपाल शुक्ला पड़ोसी देश नेपाल घूमने गया था। वह देर रात बस से काठमांडू जा रहा था । इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर त्रिशूली नदी में गिर गई । जिसके चलते मनीष की मौत हो गई । सोमवार को इसकी सूचना परिजनों के मिलने के बाद कोहराम मच गया। परिवार के लोग शव को लेने के लिए नेपाल गए हैं। युवक की नानपारा कस्बे में कापी किताब की दुकान है । युवक तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

मालगाड़ी के आगे अधेड़ व किशोरी ने रख दिया सिर, मौत

शुक्लागंज, उन्नाव

- 33 मिनट तक खड़ी रही लखनऊ जा रही तेजस एक्सप्रेस

अमृत विचार : कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर सोमवार रात एक हृदयविदारक घटना ने सनसनी फैला दी। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी रेलवे क्रॉसिंग से करीब सौ मीटर पहले डाउन लाइन पर एक अज्ञात अधेड़ व किशोरी ने कथित तौर पर मालगाड़ी के आगे पटरी पर सिर रख दिया जिससे दोनों की मौत हो गई।

ट्रैक पर शव पड़े रहने से तेजस एक्सप्रेस 33 मिनट तक खड़ी रही। गोमती एक्सप्रेस को भी कुछ देर रुकना पड़ा। रात करीब पौने नौ बजे कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही मालगाड़ी जैसे ही सहजनी क्रॉसिंग के पास पहुंची, पहले से मौजूद 45 वर्षीय अधेड़ व 14 वर्षीय किशोरी उसकी चपेट में आ गए। किशोरी ने पटरी पर सिर रख दिया था। मालगाड़ी गुजरने के बाद उसका सिर धड़ से अलग हो गया और एक हाथ कट गया। वहीं करीब पांच मीटर की दूरी पर अधेड़ का शव भी क्षत-विक्षत पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गंगा घाट स्टेशन मास्टर ने आरपीएफ व जीआरपी को सूचना दी। आरपीएफ एसआई सुरजीत सिंह व जीआरपी के लोकेंद्र टीम संग मौके पर पहुंचे। मरहला चौकी इंचार्ज मूलचंद पाठक भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

आसपास मौजूद लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया गया लेकिन देर रात तक शिनाख्त नहीं हो सकी। इस बीच रात 8:52 बजे गंगाघाट स्टेशन पहुंची तेजस एक्सप्रेस को मेमो देकर आगे बढ़ाया गया लेकिन डाउन ट्रैक पर शव पड़े होने से रूट क्लीयर नहीं हो सका। परिणामस्वरूप ट्रेन घटनास्थल से कुछ दूरी पहले रोक दी गई। 8:54 बजे से 9:27 बजे तक करीब 33 मिनट तक तेजस खड़ी रही। शव हटाए जाने के बाद ही ट्रेन को रवाना किया जा सका।

अखिलेश दुबे को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत

कानपुर, अमृत विचार। अधिवक्ता अखिलेश दुबे को भाजपा नेता को दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विवेचना तक वह शहर नहीं आ सकेंगे। हालांकि इस मुकदमे में जमानत के बाद भी उन्हें अभी जेल में रहना होगा क्योंकि तीन मुकदमों में अभी उन्हें जमानत नहीं मिली है।

भाजपा नेता रवि सतीजा ने बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि अखिलेश दुबे व साथियों ने मिलकर उनके खिलाफ बर्रा थाने में पाक्सो एक्ट के तहत एक झूठा मुकदमा लिखवाया। जांच में घटना झूठी पाए जाने पर फाइनल रिपोर्ट लगी तो आरोपियों ने रवि को उसके सोना मेंशन बिल्डिंग की छत पर कब्जे और जान माल की धमकी दी। वादिनी मुकदमा के माध्यम से कोर्ट में कूटरचित शपथपत्र दिलवाया गया फिर रवि को अखिलेश ने मुकदमे से बचाने के लिए 50 लाख रुपये रंगदारी मांगी। अखिलेश को पुलिस ने छह अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया था।

पुलिस से मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता, हरदोई

- प्रशासनिक अधिकारी के घर हुई चोरी का खुलासा

अमृत विचार। पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारी के घर से हुई करीब 70 लाख की चोरी का खुलासा करने का दावा करते हुए मुठभेड़ में दो चोरों को दबोच लिया, दोनों चोरों के बाएं पैर में गोली लगी, दोनों के पास से चोरी हुए 5 लाख कैश में से सिर्फ दो हज़ार और दो किलो चांदी व 400 ग्राम सोने के ज़ेवर में से कुछ की बरामदगी होने की बात कही गई है।

बताते चलें कि 17 फरवरी की रात कोतवाली शहर के मोहल्ला आज़ाद नगर निवासी सिंचाई विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सुनील जौहरी के घर का ताला तोड़ कर वहां से करीब दो किलो चांदी और 400 ग्राम सोने के ज़ेवरों के अलावा बेटी की शादी के न्यौते में आया करीब 5 लाख रुपये चोरी हो गया था। पड़ोसी से इसका पता होने पर अगली सुबह अपने घर पहुंचे श्री जौहरी ने पुलिस को तहरीर देते हुए केस दर्ज कराया। पुलिस का दावा है कि रविवार की देर रात पता चला कि प्रशासनिक अधिकारी के घर हुई चोरी में शामिल बाइक सवार चोर बावन रोड बाईपास चौराहे की तरफ से आ रहे हैं।

पुलिस टीम ने बावन रोड पर घेराबंदी कर ली, उसी बीच बाइक पर सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस के रोकने का इशारा करने पर गोली चला दी, बचाव के लिए पुलिस की तरफ से चली गोली उन दोनों के बाएं पैर में लगी और वहीं गिर पड़े। पुलिस ने बाएं पैर में गोली लगने से हमीरपुर ज़िले के कुन्हेटा थाना विम्बर निवासी धीरेंद्र सिंह उर्फ धीरज व बिहार के सिसहासी बाज़ार थाना पकरी दयाल ज़िला मोतीहारी निवासी कमरुद्दीन उर्फ कमरुल को दबोच लिया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य / उ0रे0
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14210-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	09.03.2026 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.03.2026 at 10:30 hrs
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	19402-SLR-F1-LKO-SBIB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	09.03.2026 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.03.2026 at 10:40 hrs
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	09.03.2026 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.03.2026 at 10:50 hrs
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	14262-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	09.03.2026 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.03.2026 at 11:00 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

604/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बेटे से झड़प में घायल पिता की इलाज के दौरान मौत

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : थाना पचपेड़वा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसंतपुर में रविवार रात पारिवारिक विवाद ने भयावह रूप ले लिया। खाने-पीने को लेकर हुए विवाद में पिता की गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना रविवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है।

सत्तन उर्फ राजमन (40) का अपने पिता राम लखन (65) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसमें राम लखन गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचपेड़वा ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां से भी स्थिति नाजुक होने पर उन्हें बहराइच भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक ओपी चौहान ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज में 50 हजार न मिलने पर विवाहिता की हत्या

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : 11 लाख रुपये दहेज में देने के बावजूद पचास हजार की मांग की जा रही थी। पैसे न मिलने पर ससुरालीजनों ने विवाहिता की हत्या कर दी और फरार हो गए। बढ़ते हंगामे और बीच पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पिसावां थानाक्षेत्र के बाजनगर गांव में हुई घटना के बाद से आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

पिसावां थानाक्षेत्र के बाजनगर में तारा का शव संदिग्ध हालातों में घर में मिला। सूचना पाकर पिता कमलेश कुमार सहित अन्य लोग आ पहुंचे। पुलिस भी आ गई। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, तारा का विवाह पिछले वर्ष 3 फरवरी को हुआ। दावा है कि शादी में उन लोगों ने दहेज में 11 लाख रुपये दिए। बाद में फिर मांग की जाने लगी। इसी को लेकर कभी लाठी डण्डों तो कभी करण्ट लगाया जाने लगा। पीड़ित पक्ष की मानें तो एक सप्ताह पूर्व भी पैसे की मांग की गई तो किसी तरह समझौता हुआ। आरोप है कि घटना से पहले गर्भवती तारा को इतनी यातनाएं शरीर पर दी गईं, जिससे उसकी मौत हो गई। बढ़ते हंगामे और आरोपों के बीच आरोपित फरार हो गए। थानाध्यक्ष पिसावां वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय जिलाधिकारी, अमेठी।

संख्या: 809 जि0आ0अ0/आबकारी/अपील/चेता0/अमेठी दिनांक: 23 फरवरी 2026

अपील/चेतावनी

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि होली के अवसर पर अवैध अड्डों से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवैध अड्डों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाइल अल्कोहल भी हो सकता है, जो एक विष है तथा इसके अल्प मात्रा के सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ ही व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि किसी अवैध मदिरा की बिक्री की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल जनहित में जनपद के प्रशासनिक/पुलिस अधिकारियों को उनके दूरभाष नम्बर के साथ ही जिला आबकारी अधिकारी, अमेठी मोबाइल नम्बर– 9454465640, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–1, मो0 नं0–6393505530, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–2 मो0 नं0–9451900699, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–3 मो0 नं0–8840750342, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–4 मो0 नं0– 9454467092, आबकारी विभाग के टोल–फ्री नम्बर–14405 सूचना देने का कष्ट करें। सूचना व्हाटसएप द्वारा उपरोक्त मोबाइल नम्बर एवं कन्ट्रोल रूम व्हाटसएप नम्बर–9454466019 पर संदेश द्वारा भी दी जा सकती है। आप द्वारा दी गयी सूचना ऐसे अड्डों पर तुरन्त प्रशासनिक कार्यवाही में मददगार एवं सम्भावित जनहानि को रोकने में उपयोगी हो सकती है। मदिरा के उपभोक्ता शराब दुकान से क्यूआर कोड लगी एवं सीलबंद मदिरा निर्धारित एम.आर.पी/विक्रय मूल्य पर पी.ओ.एस. मशीन से स्कैन कराकर ही खरीद कर सेवन करें। दुकान के आस–पास या सार्वजनिक स्थान पर मदिरापान करना निषेध है। यदि किसी के द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सम्भव हैं किसी भी समारोह स्थल यथा होटल/बैंकटहाल आदि पर वैवाहिक/जन्मदिन/वर्षगांठ/पार्टी/संगोष्ठी आदि के अवसर पर बिना अकेजनल बार अनुज्ञापन (एफ.एल.–11 लाइसेंस) प्राप्त किये बिना मदिरा पान कराने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। किसी भी प्रकार की शिकायत उपरोक्त नम्बरों पर तत्काल करने का कष्ट करें। सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा।

(अखिलेश कुमार आर्य)
जिला आबकारी अधिकारी,
अमेठी।

(संजय चौहान)
जिलाधिकारी,
अमेठी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं गीता पत्नी शिवगोपाल नि. ग्राम दुर्गा नगर ऊंचाहार देहात थाना व तहसील ऊंचाहार, जिला रायबरेली की निवासी हूं। मैं अपने पति शिवगोपाल पुत्र जवाहर लाल के कृत्यों से आजिज आ चुकी हूं। मैं और मेरा पुत्र अनुभव गोपाल व बहू शालिनी गुप्ता व पुत्री अवंतिका गुप्ता, पोता अनन्त गोपाल साहू का मेरे पति शिवगोपाल से कोई वास्ता और सरोकार नहीं होगा। उनके द्वारा किए गए कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सूचना

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम मोहम्मद आकिब अंसारी अंकित है। मैंने अपने पुत्र मोहम्मद आकिब अंसारी का नाम बदलकर मोहम्मद गाज़ी अंसारी कर लिया है। अब से मेरे पुत्र को मोहम्मद गाज़ी अंसारी के नाम से जाना व पहचाना जायेगा। **मोहम्मद एकराम अंसारी पुत्र स्व मोहम्मद असलम अंसारी निवासी 158/33 अल–अंसार काम्पलेक्स जीपी रोड अमीनाबाद इन्टर कालेज के पास लखनऊ**

सूचना

मैं नंबर 15579156L Rank-L/HAV RANVIR SINGH यूनिट 111 इंजीनियर रेजिमेंट c/o 99 APO मेरे सर्विस रेकार्ड में मेरे पिता का नाम SIDDHARTH SINGH गलत दर्ज है जब कि पिता का सही नाम SIDDARTH KUMAR है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम Gunjan Kumar Tolani से Gunjan Tolani कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। Gunjan Tolani D-1041, D-Block Indira Nagar Lucknow

सूचना

सूचित हो कि दिनांक 16.12.2025 को मैं अपना विशिष्ट बी0टी0सी0 वर्ष 2010 अनुक्रमांक–3330053 का मूल प्रमाण पत्र फोटोकॉपी कराने के लिए नवीपुरवा धर्मशाला रोड, जिला हरदोई ले जा रहा था। वापस आते समय मेरा विशिष्ट बी0टी0सी0 का मूल प्रमाण रास्ते में कहीं खो गया है। **सुभाष चन्द्र यादव पुत्र श्री राम शिरोमणि यादव मूल निवासी– ग्राम साढ़ापुर, पो0– गोनौली, जनपद– जौनपुर वर्तमान निवासी– नवीपुरवा धर्मशाला रोड, जिला हरदोई।**

सूचना

सूचित किया जाता है की मेरे पिता श्री राम जी श्रीवास्तव निवासी 569 घ / 195, बल्दी खेड़ा, कानपुर रोड, लखनऊ का निधन दिनांक 02 मई 2021 को हो गया था। यह की प्लाट सं0–3, खसरा सं0 मिनजुमला 825 स्थित बल्दी खेड़ा, बरगवां, लखनऊ की संपत्ति पर पीरामल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जारी लोन खाता सं0 06000000791 का पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। माता व पिता दोनों के जीवित न रहने की स्थिति में संपत्ति के कागज मुझे दे दिए जाएँ। यह की पिता की मृत्यु के पश्चात अंशुमान खरे, अभिलाषा खरे, अनुराधा श्रीवास्तव तथा अंकिता खरे ही उनके उत्तराधिकारी हैं, अन्य कोई नहीं। **अंशुमान खरे, 569 घ/195, बल्दी खेड़ा, कानपुर रोड, लखनऊ, उ0 प्र0 –226012**

सूचना

मैं MOHAMMAD RUKSAR पुत्र श्री MOHAMMAD AZEEM निवासी ग्राम–अनारपट्टी, सराय टिकथा, पो0–बेलपुर, थाना–असन्दरा, बाराबंकी, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD RUKSAR कर लिया है, अतः आज से मुझे MOHD RUKSAR S/O MOHD AZEEM के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

पहले मेरे शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम SUSHEEL YADAV था अब मेरा नाम SUSHEEL KUMAR YADAV हो गया है अब भविष्य मे मुझे SUSHEEL KUMAR YADAV के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- RAM CHANDRA YADAV ADD-212B/4, JAYANTIPUR, SULEM SARAI, PO-DHOOMANGANJ DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211011(U.P.)

सूचना

मैंने अपना नाम PATESHER SONKAR से बदल कर PARESHAR SONKAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: GOBRE SONKAR R/O:BADHI GAON ODAHI CHAMARPURWA SHRAWASTI UTTAR PRADESH 271831

Public Notice

I, Chanchal Kaur Popli, Daughter of Joginder Singh Popli and Wife of Harsh Malik, residing at L2/199, Sector G, LDA Colony, Kanpur Road, Lucknow, have changed my name from Chanchal Kaur Popli to Chanchal Kaur after my marriage.Henceforth, I shall be known as Chanchal Kaur for all purposes and records.

सूचना

मैं **आयुष सिंह राठौर पुत्र धर्मेंद्र सिंह निवासी 554/464 बी कैलाशपुरी आलमबाग लखनऊ के रतन खंड शारदा नगर लखनऊ** के प्लाट संख्या बी1/601 का अलाटमेंट लेटर तथा विक्रय विलेख संख्या–I– 15540/ 09 दिनांक 11 दिसंबर 2009 वही संख्या–1 जिल्द संख्या–10799 पृष्ठ संख्या–189 से 208 क्रमांक संख्या–15440 उप निबंधक प्रथम लखनऊ दिनांक 10 जनवरी 2026 आलमबाग से कहीं खो गया है।

सूचना

मैं **आशीष अग्रवाल पुत्र स्व. अशोक अग्रवाल नि0– ई– 3/169, सेक्टर–एच बजरंग बली वार्ड, अलीगंज जनपद लखनऊ** का हूँ। आशीष अग्रवाल व आशीष गुप्ता दोनों नाम शपथी के हैं। इसके अतिरिक्त मेरे आधार कार्ड नं0–484299406362 के दस्तावेजों में पिता का नाम अशोक अग्रवाल व अशोक गुप्ता अंकित है। इन्हें इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **सी.आर .– 27/–L**

भाजपा के बूथ अध्यक्ष पर जानलेवा हमला

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : सोमवार सुबह बाइक से खेत जा रहे भाजपा नेता की आंख में मिर्च वाला स्प्रे डालने के बाद हमलावरों ने हत्या की नीयत से हमला कर दिया। गंभीर रूप से जख्मी नेता को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सरवा निवासी सतनाम वर्मा प्रतिदिन की भांति सोमवार की सुबह 7 बजे मोटरसाइकिल से खेत जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में अचानक गांव के दबंग लोगों ने उनकी आंख में मिर्ची वाला स्प्रे डाल दिया, जिससे वह सड़क पर गिर गए। इसके बाद दबंगों ने उनकी हत्या करने के इरादे से हथौड़ी व धारदार हथियार से सिर पर हमला कर दिया, सिर में गहरी चोटे आने से गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायल युवक को मरणासन्न अवस्था में छोड़कर दबंग भाग गये। पुत्र सतेंद्र वर्मा को जब इसकी जानकारी हुई तो तत्काल मौके पर पहुंचकर अपने घायल पिता को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

दबंगों ने किया हमला : जैदपुर थाना के ग्राम हरख में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने एक मजदूर के साथ मारपीट कर उसके दांत तोड़ दिए, फिर घर में घुसकर तोड़फोड़ भी की। पवन के अनुसार, 20 फरवरी की रात करीब 9 बजे आशुतोष व संतोष शराब के नशे में उसके दरवाजे पर आकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने एकराय होकर लाठी-डंडों व लोहे की फुकनी से हमला कर दिया।

राज्य, पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ

संख्या 3889 / लखनऊ दिनांक 23 फरवरी 26

आदेश – संस्था ओमेक्स रेजीडेन्सी –। रेजीडेन्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सरसवां, अर्जुनगंज, लखनऊ की प्रबन्धसमिति के निर्वाचन कराये जाने हेतु उपनिबन्धक, फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, लखनऊ मण्डल, लखनऊ ने अपने आदेश संख्या 8772 दिनांक 21.02.2026 के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को निर्वाचन अधिकारी नामित किया है।

उपरोक्त आदेश के अनुपालन में प्रश्नगत संस्था की प्रबंधसमिति के निर्वाचन का कार्यक्रम निम्नवत प्रकाशित किया जाता है:–

क्रम सं0	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक व समय
1.	नामांकन पत्र प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 08.03.2026 प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक
2.	नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि	दिनांक 09.03.2026 प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे
3.	नामांकन पत्रों की जाँच एवं वैध नामांकन पत्रों का प्रकाशन	दिनांक 09.03.2026 सायंकाल 06:00 बजे तक
4.	नामांकन पत्र वापसी की तिथि	दिनांक 10.03.2026 अपरान्ह 01:00 बजे तक
5.	वैध नामांकन पत्रों की पदवार सूची का प्रकाशन	दिनांक 10.03.2026 अपरान्ह 01:00 बजे तक
6.	मतदान	दिनांक 12.03.2026 प्रातः 09:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक
7.	निर्वाचन परिणाम की घोषणा	दिनांक 12.03.2026 मतगणना के उपरान्त

1. कमांक 1 से 7 तक निर्वाचन सम्बन्धी निर्धारित कार्यक्रमों का सम्पादन ओमेक्स रेजीडेन्सी –। रेजीडेन्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सरसवां, अर्जुनगंज, लखनऊ में उपरोक्त दिनांक व समयानुसार सम्पन्न होगा।
2. निर्वाचन केवल अध्यक्ष–1, उपाध्यक्ष–1, सचिव–1, स० सचिव–1, कोषाध्यक्ष–1 एवं 5 कार्यकारिणी सदस्य सहित कुल 10 पदाधिकारी / सदस्य का कराया जायेगा।
3. प्रत्येक नामांकन पत्र रू0 3000 /– जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। नामांकन पत्र उसी व्यक्ति द्वारा जमा किया जायेगा, जिसके द्वारा कार्यकारिणी के किसी पद / सदस्य हेतु प्रत्याशी के रूप में उक्त नामांकन पत्र भरा गया हो। नामांकन किये जाने के समय प्रत्याशी प्रस्तावक व समर्थक द्वारा कार्यालय में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर आपने पहचान पत्र की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. वह सदस्य ही मतदान में भाग ले सकता है, जिसके पास भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य पहचान पत्रों में से कोई एक पहचान पत्र हो। मान्य पहचान पत्र के अभाव में कोई सदस्य मतदान में प्रतिभाग करने हेतु अर्ह नहीं होगा।
5. डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के आदेश संख्या 8772 दिनांक 21.02. 2026 के साथ संलग्न अन्तिम सूची में अंकित व्यक्ति ही निर्वाचन में प्रतिभाग करने हेतु अर्ह होंगें।
6 यदि निर्धारित तिथि में कोई राजकीय अवकाश होता है तो अवकाश बाद अगला कार्यदिवस प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार माना जायेगा।

(अजय कुमार शाही) वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी / निर्वाचन अधिकारी

न्यूज ब्रीफ

अवैध अफीम के पौधों के साथ गिरफ्तार

संतकबीरनगर। दुधारा पुलिस ने सोमवार को अफीम की अवैध खेती का बड़ा खुलासा करते हुए करीब 29 किलोग्राम अफीम के हरे पौधों (फल व फूल सहित) के साथ एक आरोपी को पुरैना मंसूर गांव स्थित घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। वहीं, बरामद अफीम की कीमत 50 लाख बताई जा रही है। सीओ खलीलाबाद अमित कुमार ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक दुधारा अरविंद शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता पाई। आरोपी अबु उवैदा उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया कि उसने अपने चाचा रिजवान के साथ मिलकर अफीम की बुआई की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना दुधारा में मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट रवाना कर दिया है।

पुलिस ने नष्ट कराई अवैध कच्ची शराब

धनघटा (संतकबीरनगर), अमृत विचार। थाना धनघटा में अवैध शराब के निष्कर्षण, परिवहन व बिक्री से जुड़े विभिन्न मामलों में बरामद कुल 1016.800 लीटर अवैध कच्ची शराब नष्ट कराई गई। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक दिलीप सिंह के नेतृत्व में की गई। सीओ धनघटा अभय नाथ मिश्रा ने बताया कि मालखाना में लंबे समय से जमा अवैध शराब खराब हो चुकी थी, जिससे दुर्गंध और रिसाव होने लगा था। इससे क्षेत्र में संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई थी। पुलिस ने यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी धनघटा डॉ. सुनील कुमार के आदेश पर तहसीलदार धनघटा की मौजूदगी में प्रभारी निरीक्षक दीलिप सिंह, प्रधान लेखक, पुलिस कर्मियों व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में नियमानुसार गड्ढा खोदकर पूरी शराब को उसमें डालकर नष्ट किया गया।

मंदिर से घण्टा चोरी

संतकबीरनगर (बखिरा)। अमृत विचार। नगर पंचायत बखिरा के मोहल्ला मेड़रापार स्थित दुर्गा मंदिर से रविवार रात अज्ञात चोरों ने छोटे व बड़े घण्टों की चोरी कर ली। सोमवार सुबह मंदिर पहुंचे स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

विवाह के झूठे वादे से स्थापित शारीरिक संबंध दंडनीय

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झूठे विवाह प्रलोभन के आधार पर शारीरिक संबंध बनाने के मामले में राहत देने से किया इनकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झूठे विवाह प्रलोभन के आधार पर शारीरिक संबंध बनाने के गंभीर आरोपों से जुड़े मामले में कार्यवाही रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया उपलब्ध साक्ष्य मुकदमे की सुनवाई के लिए पर्याप्त हैं और इस स्तर पर हस्तक्षेप न्यायोचित नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकलपीठ ने विपिन कुमार और तीन अन्य की याचिका खारिज करते हुए पारित किया।

मामला सहारनपुर के देवबंद थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि मुख्य अभियुक्त ने फेसबुक के माध्यम से संपर्क स्थापित कर विवाह का झूठा आश्वासन दिया और 2018 से लगातार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता चार बार गर्भवती हुई और गर्भपात कराया गया। पांचवीं बार गर्भवती होने पर विवाह से इनकार करने तथा धमकी देने का आरोप लगाया गया। कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि अभियुक्त का वैवाहिक होना और उसके बावजूद विवाह का वादा करना प्रथम दृष्टया छल का संकेत है। सहमति का प्रश्न और तथ्यों की सत्यता परीक्षण का विषय है, जिसे ट्रायल में परखा जाएगा। कोर्ट ने एक अन्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत विवाह के झूठे वादे से स्थापित शारीरिक संबंध दंडनीय हैं, साथ ही बीएनएसएस की धारा 528 के तहत कार्यवाही रद्द करने की शक्ति सीमित और अपवादस्वरूप परिस्थितियों में ही प्रयोग की जानी चाहिए। इन तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने माना कि मामला सुनवाई योग्य है और इस चरण पर हस्तक्षेप का कोई औचित्य नहीं बनता।

अंतरधार्मिक लिव-इन संबंधों में हस्तक्षेप विविधता में एकता की अवधारणा के विपरीत

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरधार्मिक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को सुरक्षा देने के मामले में स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि वयस्कों को अपनी पसंद के साथी के साथ रहने का संवैधानिक अधिकार है। केवल अंतरधार्मिक लिव-इन संबंध के आधार पर उन्हें संरक्षण से वंचित नहीं किया जा सकता है। उनके चुनाव में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप विविधता में एकता की अवधारणा के विपरीत होगा। कोर्ट व्यक्तियों को "हिंदू या मुस्लिम" के रूप में नहीं, बल्कि दो बालिग नागरिकों के रूप में देखती है, जिन्हें गरिमा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अधिकार है। वयस्क व्यक्ति को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने और उसके साथ रहने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि वयस्कों की पसंद में परिवार या समाज का हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने पीलीभीत निवासी नूरी और 12 अन्य याचिकाओं के एक समूह पर एक साथ सुनवाई कर निस्तारित करते हुए की, जिनमें सात मुस्लिम महिलाएं हिंदू पुरुषों के साथ और पांच हिंदू महिलाएं मुस्लिम पुरुषों के साथ रह रही थीं।

बकाया वेतन भुगतान न करना विधिसम्मत नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीन प्रशिक्षकों की पुनर्बहाली के बावजूद बकाया वेतन भुगतान न होने के मामले में बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट किया कि जब कर्मचारी को नियोक्ता के अवैध आदेश के कारण सेवा से बाहर रखा गया हो, तो पुनर्बहाली के बाद उसे बकाया वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने ऐसे मामलों में 'नो वर्क-नो पे' सिद्धांत को लागू करने से इनकार किया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर की एकलपीठ ने अनुज कुमार व अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया और प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा 1 अक्टूबर 2024 को पारित आदेश को रद्द कर दिया।

उक्त आदेश में निदेशक ने यह कहते हुए वेतन भुगतान से इनकार कर दिया था कि संबंधित अवधि में याचियों ने कार्य नहीं किया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कर्मचारी को नियोक्ता के अवैध आदेश से सेवा से दूर रखा गया हो तो उसे वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि याचियों को कार्य से दूर रहने के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि वे विभागीय निर्णय के कारण ही सेवा से बाहर हुए थे, जिसे बाद में स्वयं विभाग ने स्वीकार करते हुए बहाली दी। कोर्ट ने निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, तथा संबंधित आईटीआई के प्राचार्यों को निर्देश दिया कि वे याचियों को निर्धारित अवधियों का समस्त बकाया वेतन दो माह के भीतर भुगतान सुनिश्चित करें।

क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण का लिया जायजा

क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते डीएम।

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के परिसर में 50 बेडेड क्रिटिकल केयर यूनिट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टीमेट देखा। कार्यदायी संस्था से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण पाया गया। कार्यदायी संस्था के अधिकारी ने बताया कि तृतीय किश्त की धनराशि अभी नहीं मिली है। जिलाधिकारी ने तृतीय किश्त की डिमांड करने एवं निर्माण कार्य में प्रगति लाने के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा के अंदर पूर्ण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया संबंधित कार्य संस्था के अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा जिलाधिकारी ने नगर पालिका सिद्धार्थनगर के अंतर्गत पकड़ी में निर्माणाधीन पार्क का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने पार्क में चल रहे निर्माण कार्य को देखा। अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया कि समय सीमा के अंदर निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए।

शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचा गांव, दी गई अंतिम विदाई

संवाददाता कुशीनगर

शहीद को कंधा देते प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे, डीएम महेंद्र सिंह तोमर, एसपी केशव कुमार, विधायक मोहन वर्मा व विनय कुमार गौड़।

- जम्मू कश्मीर के बारामूला में इलाज के दौरान हुई थी मौत

अमृत विचारः हाटा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 वीर अब्दुल हमीद नगर (पिपरा शीतल उर्फ बकराबाद) के निवासी व सेना में कैप्टन के पद पर तैनात 22 वर्षीय अमन कुमार सिंह की तैनाती श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के बारामुला में थी। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सोमवार की शाम सेना के वाहन द्वारा शहीद जवान का शव गांव पहुंचते ही क्षेत्र चित्कार उठा। शाहिद की अंतिम यात्रा में "कैप्टन अमन अमर रहे" नारों के साथ भारत माता की जय और देशभक्ति नारों से इलाका गूंज उठा। गोरखपुर एयरपोर्ट से जब सेवा का वाहन उनका पार्थिव शरीर लेकर गांव पहुंचा तो लोगों ने फूल वर्षा कर नाम आंखों से अंतिम विदाई दी। देर शाम सलामी के साथ शव का अंतिम संस्कार किया गया जहां भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कैप्टन अमन कुमार सिंह मां बाप के इकलौते बेटे थे। पिता यशवंत सिंह प्राइवेट सेक्टर में मेकैनिकल इंजीनियर हैं। कैप्टन अमन कुमार सिंह की इंटर मीडिएट पढ़ाई गोरखपुर हाल मार्क वर्ल्ड स्कूल से की। गाजियाबाद से बीटेक (सिविल इंजीनियर) में प्रवेश लिया। प्रथम सेमेस्टर के बाद ही उनका चयन भारतीय सेना में टीईएस के माध्यम से लेफ्टिनेंट पर हो गया। दो साल पहले ही सेना में जॉइनिंग हो गई। हाल में ही प्रमोशन पाकर कैप्टन बने थे। सोमवार की शाम सेना के वाहन द्वारा शहीद जवान का शव गांव पहुंचते ही क्षेत्र चीत्कारों से गूंज उठा। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तवर, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, सीओ कुंदन सिंह, एसडीएम योगेश्वर सिंह, तहसीलदार जया सिंह,कोतवाल संजय दुबे, सांसद विजय कुमार दुबे, जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, हाटा विधायक मोहन वर्मा, विधायक विनय गोड़, जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक पवन केडिया, डॉ रविश सिंह, नपाध्यक्ष हाटा रामानंद सिंह सहित भारी संख्या में पहुंचे जनप्रतिनिधि सामाजिक लोगों और युवाओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सैनिक सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

पढ़ाई में अव्वल, टीईएस से सेना में चयन कैप्टन अमन के पिता यशवंत सिंह प्राइवेट सेक्टर में मैकेनिकल इंजीनियर हैं। वह पत्नी विभा के साथ बनारस में रहते हैं। अमन की अभी शादी नहीं हुई थी। गांव में उनकी दादी, चाचा-चाची तथा चचेरे भाई-बहन रहते हैं। अमन ने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई गोरखपुर के हॉलमार्क वर्ल्ड स्कूल से की। गाजियाबाद से बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) में प्रवेश लिया। प्रथम सेमेस्टर के बाद ही उनका चयन भारतीय सेना में हो गया। पढ़ाई में अव्वल, टीईएस से सेना में चयन कैप्टन अमन के पिता यशवंत सिंह प्राइवेट सेक्टर में मैकेनिकल इंजीनियर हैं। वह पत्नी विभा के साथ बनारस में रहते हैं। अमन की अभी शादी नहीं हुई थी। गांव के लोग बताते हैं- अमन शुरू से ही पढ़ाई में होनहार थे वे देश की सेवा करना चाहता थें। लोग बताते हैं- अमन शुरू से ही पढ़ाई में होनहार थे वे देश की सेवा करना चाहता थे।

शहीद कैप्टन अमन कुमार सिंह की फाइल फोटो।

होली पर विशेष गाड़ियों का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 09183/09184 मुम्बई सेन्ट्रल-बनारस-मुम्बई सेन्ट्रल साप्ताहिक वातानुकूलित होली विशेष गाड़ी का संचलन मुम्बई सेन्ट्रल से 04, 11, 18 एवं 25 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को तथा बनारस से 06, 13, 20 एवं 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को 04 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, द्वितीय श्रेणी के 03, तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित 16 कोच लगाये जायेंगे।

वहीं 04731/04732 श्री गंगानगर जं.-समस्तीपुर-श्री गंगानगर जं. वाया गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन श्री गंगानगर जं. से 01 से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को तथा समस्तीपुर से 03 से 31 मार्च तक प्रत्येक मंगलवार को 05 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 11, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

इसके अलावा 08629/08630 रांची-गोरखपुर-रांची साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन रांची से 02 से 30 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को तथा गोरखपुर से 04 मार्च से 01 अप्रैल को प्रत्येक बुधवार को 05 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 07, द्वितीय श्रेणी के 02, प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

2 मिनट का अस्थाई ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा राजस्थान के जयपुर में लगने वाले दादू दयाल जी मेला के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के नरेना स्टेशन पर 15013/15014 जैसलमेर-काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया जायेगा।

अतिरिक्त कोच स्थाई रूप से लगाया जायेगा

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी में टनकपुर एवं अछनेरा से 26 फरवरी से वातानुकूलित कुर्सीयान का 01 अतिरिक्त कोच स्थाई रूप से लगाया जायेगा। फलस्वरूप संशोधित रेक संरचना के अनुसार इस गाड़ी में 26 फरवरी से साधारण द्वितीय श्रेणी के 13, वातानुकूलित कुर्सीयान के 02 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

होली पर रेलवे प्रशासन ने कड़े किए सुरक्षा के इंतजाम

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। रेलवे सुरक्षा, वाणिज्य कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों को मुस्तैद किया गया है। गाड़ियों एवं प्लेटफार्मों पर निगरानी बढ़ाया गया है तथा यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा टेनों एवं रेल परिसरों में असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाई करने के लिये टास्क टीम का गठन किया गया है। अवैध शराब, ज्वलनशील पदार्थ, जेब कतरों, यात्री सामानों की चोरी करने वालो, नशीली दवाओं के सेवन, असामाजिक तत्वों एवं टिकट दलालों के विरुद्ध कड़े अभियान चलाये जा रहे हैं। राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल तथा वाणिज्य कर्मियों द्वारा समन्वय बनाकर भीड़ नियंत्रण का कार्य किया जा रहा है। विशेष रूप से महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिये टेनों एवं स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल की महिला बल कर्मियों की तैनाती की गयी है।

यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन निन्दनीय : सनी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा हाल ही में किये गये विरोध प्रदर्शन की शैली अत्यन्त निन्दनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस प्रकार सार्वजनिक मंच पर अनुचित आचरण कर देश की छवि को विश्व पटल पर धूमिल करने का प्रयास किया गया, वह न केवल राजनीतिक मर्यादाओं के विरुद्ध है बल्कि भारतीय संस्त और लोकतांत्रिक मूल्यों के भी खिलाफ है। यह बातें भाजपा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी सनी श्रीवास्तव ने कही। ऐसी गतिविधियां कांग्रेस नेतृत्व एवं राहुल गांधी की कार्यशैली और मानसिकता को दर्शाती हैं, जो राष्ट्रहित से ऊपर राजनीति को रखने का प्रयास करती है।

गाड़ियों के संचालन में रहेगा परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु उत्तर रेलवे पर लखनऊ मण्डल के ब्लाक हट बी-व्यासनगर-काशी के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग का प्रावधान किये जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन किया जायेगा।

आरा से 26 फरवरी को चलने वाली 63229 आरा-बनारस मेमू गाड़ी दीनदयाल उपाध्याय जं0 स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी। 26 फरवरी को 63230 बनारस-आरा मेमू गाड़ी दीनदयाल उपाध्याय जं0 स्टेशन से चलाई जायेगी।

इसके अलावा 27 फरवरी को 18524 बनारस-विशाखापत्तनम द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग प्रयागराज जं0-चुनार-दीनदयाल जं0 के रास्ते चलाई जायेगी। फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव वाराणसी एवं काशी स्टेशनों पर नहीं रहेगा। 25 फरवरी को 19045 सूरत-थावे एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चुनार-प्रयागराज जं0-फाफामऊ- जंघई-जौनपुर के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी का ठहराव काशी एवं वाराणसी स्टेशनों पर नही रहेगा। 25 फरवरी को 15232 गोंडिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चुनार-प्रयागराज जं0-फाफामऊ- जंघई-जौनपुर के रास्ते चलाई जायेगी।

निर्माण कार्य के चलते गाड़ी रहेगी निरस्त

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मंडल के निगतपुर स्टेशन पर समपार संख्या-17 सी पर सीमित ऊँचाई के सब-वे निर्माण के परिप्रेक्ष्य में गर्डर लॉन्चिंग हेतु 65129/65130 बनारस-झूसी-बनारस सवारी गाड़ी 25, 26 फरवरी तथा 12 एवं 13 मार्च को निरस्त रहेगी। इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक कारणों से 82501/82502 लखनऊ जं0-नई दिल्ली-लखनऊ जं0 तेजस एक्सप्रेस का संचलन 4 मार्च को निरस्त रहेगी। यह गाड़ी 03 मार्च को निर्धारित समयानुसार चलाई जायेगी।

निखरेगी बुनियादी शिक्षा, डाइट में शिक्षकों को मिला डिजिटल प्रशिक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बुनियादी शिक्षा को तकनीक और स्मार्ट क्लास के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) बांसी में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में परिषदीय स्कूलों के 100 शिक्षकों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन का गहन प्रशिक्षण दिया गया। सरकार के लक्ष्य के अनुरूप प्रत्येक विद्यालय को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की मुहिम के तहत इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के नोडल प्रभारी सतीश कुमार धवन (प्रवक्ता, डाइट बांसी) ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आईसीटी लैब के प्रभावी उपयोग, स्मार्ट क्लास के माध्यम से रोचक शिक्षण और ई-कंटेंट निर्माण में पारम्परागत करना है। उन्होंने जोर दिया कि अब विद्यालयों में बच्चे आधुनिक और सहभागी वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों में मास्टर ट्रेनर बृज किशोर तिवारी, वैभव श्रीवास्तव एवं अविनाश मौर्य ने शिक्षकों को डिजिटल टूल्स के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी।

जिला प्रशासन को ज्ञापन देते सवर्ण स्वाभिमान बचाओ मंच के पदाधिकारी।

यूजीसी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर, अमृत विचार। यूजीसी के नए कानूनों को लेकर सवर्ण समाज लगातार आंदोलित है। इसी क्रम में सवर्ण स्वाभिमान बचाओ मंच ने सोमवार को सैकड़ों नागरिकों के साथ यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सिंह ने कहा कि यूजीसी कानून सवर्ण समाज को प्रताड़ित करने, सामाजिक समरसता को बिगाड़ने और समाज में विद्वेष फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने के लिए उद्देश्य से लाया गया है। इस कानून से किसी को कोई फायदा नहीं होने वाला है बल्कि सवर्ण समाज के बच्चों को पढ़ाई से दूर करने का कुत्सित प्रयास है। सवर्ण स्वाभिमान बचाओ मंच ने इस कानून को अनुचित और गैरजरूरी बताते हुए केंद्र सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। इस मौके पर अध्यक्ष गोपाल सिंह के अलावा दिनेश दूबे, ज्ञान पांडेय, अविनाश सिंह, बब्लू सिंह, भाष्कर दुबे, अनुराग यादव, आशुतोष मल्ल, रणविजय सिंह, अमित जयसवाल, पं. संदीप त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

विरोध

25 तक चलेगा क्रमिक आंदोलन, 26 को बीएसए कार्यालय पर धरने का आह्वान

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने बांधी काली पट्टी

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता के विरोध में सोमवार को काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। यह क्रमिक विरोध प्रदर्शन 23 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान शिक्षकों ने बोर्ड परीक्षा ड्यूटी करते समय भी काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। सोमवार को खलीलाबाद विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पटखौली में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। संघ के ट्विटर अभियान की सफलता के बाद यह आंदोलन शुरू किया गया है। इसी क्रम में जूनियर हाई स्कूल खलीलाबाद में संघ की जिलाध्यक्ष अंबिका देवी यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई, जिसमें आंदोलन की रणनीति और सफलता पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों से 23 से 25 फरवरी तक काली पट्टी बांधकर टीईटी अनिवार्यता के "काले कानून" का विरोध करने की अपील की। साथ ही 26 फरवरी को बीएसए कार्यालय पर आयोजित धरने में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

बैठक में संगठनात्मक बदलावों की भी घोषणा की गई। ओम प्रकाश यादव के निधन के बाद संघ के जिला मंत्री पद की जिम्मेदारी के.सी. सिंह को सौंपी गई। यह निर्णय जिला कार्यसमिति और ब्लॉक पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से लिया गया। वहीं बिपिन कुमार वर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराने वालों में संरक्षक गंगा प्रसाद यादव, विजय नाथ यादव, मो. आजम, जयभान चौधरी, अभिनव प्रताप सिंह, शिवचरन गुप्ता, राहुल यादव, , रामनाथ यादव, प्रेम प्रकाश दूबे, प्रमोद पाठक, इंद्रकांत चौधरी, बृजभूषण यादव, जूनियर शिक्षक संघ से अब्दुर्रहीम, जलालुद्दीन, शमीम अहमद और मुबारक हुसैन भी विरोध प्रदर्शन में मौजूद रहे।

जूनियर हाई स्कूल खलीलाबाद में काली पट्टी बांधकर टीईटी अनिवार्यता का विरोध प्रदर्शन करते प्राइमरी स्कूल के शिक्षकगण। अमृत विचार

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम सुनते भाजपा कार्यकर्ता।

भाजपाइयों ने सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 131वें संस्करण को विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु अंतर्गत मंडल नौगढ़ देहात के बूथ संख्या - 260 सोहास शुमाली पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सुना। मन की बात सुनने के उपरांत जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और राष्ट्र निर्माण पर प्रधानमंत्री के विचार प्रेरणादायी हैं। मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को इतने सहज और गहन रूप से प्रस्तुत करना, हर बार एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है। आज जिस प्रकार से प्रधानमंत्री ने परीक्षार्थी विद्यार्थियो का उत्साह वर्धन किया है वह अविस्मरणीय है। उक्त अवसर पर जिला मिडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय, भाजपा नेता संतोष शुक्ला, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा अनिल गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

राजनाथ सिंह से मिले मणिपुर के मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोमवार को नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और राज्य से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री एल. डिखो के साथ रक्षा मंत्री से उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में सुरक्षा परिदृश्य से संबंधित प्रमुख और महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारी रचनात्मक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य की सुरक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

शरद पवार की सेहत ठीक, बुधवार को छुट्टी

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार की सेहत में सुधार है और उनकी हालत अब स्थिर है तथा बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। पवार का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पवार साहब की हालत बिल्कुल ठीक है। अगले 48 घंटों में वह घर चले जायेंगे। कोई समस्या नहीं है। उनकी प्रगति बहुत अच्छी है। सभी रिपोर्ट पूरी तरह सही और सामान्य आई हैं। उन्होंने अच्छी तरह से आराम किया है और परसों घर लौटेंगे। मुंबई वापस जाने से पहले वह कुछ दिन पुणे में रहेंगे।

कंक्रीट का स्लैब गिरा तीन मजदूरों की मौत

कोझिकोड। केरल में कोझिकोड के वलियांगडी में सोमवार को नगर निगम के स्वामित्व वाली एक इमारत में 50 मीटर लंबा कंक्रीट का स्लैब गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों की पहचान जब्बार, अशरफ और बशीर के रूप में हुई है, जो वलियांगडी में कोझिकोड निगम के स्वामित्व वाली दो मंजिला इमारत में सामान लादने का काम करते थे। पुलिस ने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं।

फैक्टरी मालिक की हत्या, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में काम से संबंधित विवाद के बाद 28 वर्षीय फैक्टरी मालिक की कुछ लोगों ने कथित रूप से चाकू गोदकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना 20 फरवरी को रात करीब 8.30 बजे हुई, जब चौधरी एंटरप्राइजेज नामक इकाई के सह-मालिक रवि अपनी फैक्टरी से मोटरसाइकिल पर निकल रहे थे। पुलिस ने बताया कि हमलावरों के एक समूह ने रवि को घेर लिया और चाकू से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

जेएनयू में दो छात्र संगठनों के बीच टकराव के बाद हिंसा, कई घायल

वामपंथी रुझान वाले छात्र संघ और विद्यार्थी परिषद के बीच आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली, एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में रविवार देर रात एक विरोध मार्च के दौरान वामपंथी और दक्षिणपंथी रुझान वाले छात्र संगठनों के बीच हिंसक झड़प के बीच पथराव हुआ जिसमें कई छात्र घायल हो गए। दोनों समूहों ने हिंसा के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में किसी भी तरह के अराजक व्यवहार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

जेएनयू परिसर में सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। वामपंथी रुझान वाले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने कुलपति शांतिश्री धुलिपुडी पंडित के इस्तीफे और एक निष्कासन आदेश को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार रात को पूर्वी गेट की ओर समता जुलूस निकालने का आह्वान किया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मार्च में शामिल छात्रों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों के हमले की अनदेखी की। वाम समर्थित छात्र संगठनों की ओर से साझा किए गए वीडियो में नकाबपोश लोगों को परिसर में पथराव करते हुए देखा जा सकता है। वहीं, एबीवीपी की ओर से पोस्ट किए गए वीडियो में परिसर में हिंसा भड़कने से पहले कुछ नकाबपोश लोग लाठियों के साथ घूमते हुए नजर आ रहे हैं।

जेएनयू में विद्यार्थी परिषद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर छात्रसंघ पर आरोप लगाए।

विवादित टिप्पणी

कुलपति शांतिश्री धुलिपुडी पंडित ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि समुदाय लगातार पीड़ित बने रहकर या पीड़ित होने का नाटक करके प्रगति नहीं कर सकते। जेएनयूएसयू ने पंडित की इन टिप्पणियों को जातिवादी और हाशिये पर पड़े समुदायों के प्रति असंवेदनशील बताया है।

एबीवीपी ने किया पथराव : छात्रसंघ

जेएनयूएसयू ने एक बयान में कई एबीवीपी सदस्यों का नाम लेते हुए उन पर हिंसक भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप लगाया। दावा किया कि पंडित ने विरोध-प्रदर्शन की जानकारी होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया। एबीवीपी के सदस्यों ने प्रदर्शन स्थल पर पत्थर और ईंटें फेंकीं। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे परिसर में डर का माहौल बन गया। छात्र संगठन ने कुलपति के इस्तीफे की अपनी मांग भी दोहराई है। 26 फरवरी को शिक्षा मंत्रालय तक 'लॉन्ग मार्च' का आह्वान किया है।

हम पर किया गया हमला: एबीवीपी

एबीवीपी ने दावा किया कि वाम समर्थित समूहों के रीडिंग रूम में पढ़ रहे छात्रों पर हमले के बाद विरोध-प्रदर्शन हिंसक हुआ। लगभग 150-200 लोगों की भीड़ ने परिसर में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हमला किया। हमले के बाद कई कार्यकर्ताओं को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जेएनयूएसयू के पूर्व महासचिव वैभव मीणा ने दावा किया कि वामपंथी छात्रों ने देर रात विरोध-प्रदर्शन के दौरान वाचनालयों को बंद करने की मांग की थी और जब छात्रों ने इस पर सहमति नहीं जताई, तो वे हिंसा पर उतारू हो गए।

छात्रों को धमकाया गया, सख्त कार्रवाई करेंगे : विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि उसने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है और परिसर में किसी भी तरह के अराजक व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जेएनयू प्रशासन ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के एक समूह ने परिसर में कई शैक्षणिक भवनों को बंद कर दिया था। वे केंद्रीय पुस्तकालय में घुस गए और उन छात्रों को धमकाया और विरोध में शामिल होने के लिए मजबूर किया, जो इसका हिस्सा नहीं बनना चाहते थे। इसी वजह से 22 फरवरी की रात को परिसर में दो छात्र संगठनों के बीच झड़प हुई।

त्योहारों के बीच हवाई किराया बढ़ाना गंभीर चिंता का विषय : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि त्योहारों और छुट्टियों के बीच हवाई किराया बढ़ाना गंभीर चिंता का विषय है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर अपने निर्णय की प्रक्रिया को पूरी करने के लिए केंद्र को चार सप्ताह का समय दिया। केंद्र ने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय एयरलाइन कंपनियों की इस मनमानी पर लगाम लगाने के लिए विचार कर रहा है।

- केंद्र ने कहा- मनमानी रोकने के लिए कर रहे हैं विचार

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा, यह अत्यंत गंभीर मुद्दा है। अगर ऐसा नहीं होता तो हम अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं स्वीकार नहीं करते। केंद्र की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने कहा कि मंत्रालय को जवाब दाखिल करने को तीन सप्ताह की जरूरत है। पीठ ने दर्ज किया कि मंत्रालय ने मामले को संज्ञान में लिया है। अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। इससे पहले 19 जनवरी को शीर्ष अदालत ने त्योहारों और आपात स्थितियों के दौरान हवाई किरायों में बेतहाशा बढ़ोतरी को शोषण करार देते हुए केंद्र और डीजीसीए से जवाब मांगा था। कोर्ट ने 17 नवंबर को केंद्र, डीजीसीए और एईआरए को नोटिस जारी किए थे।

कोयला चालित उद्योगों को एनसीआर से बाहर भेजने के प्रस्ताव पर जवाब दे केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बेहतर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली-एनसीआर से सभी कोयला आधारित उद्योगों को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार के मंत्रालयों से जवाब मांगा। एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता की समस्या से निपटने के लिए सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सुझावों के आधार पर 12 मार्च को गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण के मुद्दे की जांच करेगी। शीर्ष कोर्ट ने निर्माण और तोड़फोड़ की वजह से होने वाली धूल से निपटने के लिए सीएक्यूएम के सुझाए गए तरीकों पर सभी हितधारकों से भी जवाब मांगा। अदालत ने सरकार से इस सुझाव पर जवाब मांगा कि दिल्ली के 300 किमी के दायरे में कोई नया कोयला आधारित तापीय ऊर्जा संयंत्र न लगाया जाए। अदालत ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को एनसीआर में कोयला-आधारित उद्योगों समेत हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगने के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

वांगचुक मामले में सुनवाई 26 तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रासुका के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती देने संबंधी उनकी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की अनुपलब्धता की वजह से 26 फरवरी तक के लिए सुनवाई टाल दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने इससे पहले केंद्र से सवाल किया था कि क्या वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति देखते हुए उनकी हिरासत पर पुनर्विचार की कोई संभावना है। केंद्र ने जवाब में कहा था कि वांगचुक को बेहतर चिकित्सा मुहैया कराई जा रही है।

मुस्लिम होने पर महिला को दिया कंबल लिया वापस

जयपुर। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया एक कार्यक्रम में मुस्लिम महिला का नाम पता चलने पर उसे दिया गया कंबल वापस लेने की कथित घटना से कांग्रेस के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस नेताओं के अनुसार जौनपुरिया के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि उनके द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना एवं अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक और घोर निंदनीय है। यह घटना रविवार को टोंक जिले की निवाई तहसील के करेड़ा बुजुर्ग गांव के मंदिर परिसर में कंबल वितरण के दौरान हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार शुरू में वहां मौजूद महिलाओं को कंबल दिए गए लेकिन बाद में मुस्लिम महिला से कंबल वापस ले लिया।

राजकोट : 1400 अवैध बस्तियों का ध्वस्तीकरण

राजकोट, एजेंसी

- दशकों से रह रहे लोगों में आक्रोश, कहा- पहले कोई सूचना तक नहीं दी

राजकोट नगर निगम ने सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शहर के 2.5 किमी क्षेत्र में फैली 1,400 से अधिक अवैध बस्तियों को ध्वस्त करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए अजी नदी के किनारे जंगलेश्वर क्षेत्र में ट्रैक्टर, डंपर और अन्य भारी मशीनरी के साथ 65 से अधिक मिट्टी खोदने वाली मशीनें तैनात की गई हैं। लोगों में इस कार्रवाई को लेकर भारी आक्रोश फैला हुआ है।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के आदेश के बाद राजकोट नगर निगम (आरएमसी) ने जंगलेश्वर क्षेत्र में ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। राजकोट जोन-1 की डीसीपी हेतल पटेल ने बताया कि चूंकि अवैध संपत्तियां 2.5 किमी क्षेत्र में फैली हुई हैं, इसलिए ध्वस्तीकरण अभियान तीन दिन तक चलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने पिछले दो दिनों में स्वेच्छा से अपनी संपत्तियां खाली करने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि लोगों को नोटिस जारी किए गए थे और ध्वस्तीकरण शुरू होने से पहले पानी तथा बिजली के कनेक्शन काट दिए गए थे। इस कदम से इलाके के उन लोगों में भारी आक्रोश है, जो दशकों से इस यहां रह रहे हैं। कुछ ने दावा किया कि उन्हें ध्वस्तीकरण अभियान के बारे में तीन दिन पहले ही सूचित किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उन्हें सड़कों पर रहना पड़ेगा।

एआई सम्मेलन के विरोध के मामले में तीन और गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह यहां आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं बिना कमीज के विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में ग्वालियर से तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद मामले में गिरफ्तारियों की संख्या सात हो गई है।

आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय अखंडता के लिए हानिकारक दावे करने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जितेंद्र यादव, राज गुर्जर और अजय कुमार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से पकड़ा गया है। चार लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

रांची, एजेंसी

- झारखंड के रांची से लोगों को लेकर जा रहा था दिल्ली
- उड़ान भरने के 20 मिनट बाद एटीसी से टूटा संपर्क

झारखंड के रांची से सात लोगों को दिल्ली ले जा रही एक एयर एंबुलेंस सोमवार को चतरा जिले के सिमरिया के पास एक वनक्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खोज और बचाव दल भेजे जा चुके हैं, हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रांची हवाई अड्डे से एयर एंबुलेंस के शाम करीब सात बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरने के बाद हुई।

हवाई अड्डे के निदेशक कुमार ने को बताया कि रांची से सात लोगों को लेकर जा रही एक एयर एंबुलेंस चतरा जिले के सिमरिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना राज्य प्रशासन से प्राप्त हुई है।

एंबुलेंस के उड़ान भरने के 20 मिनट बाद उसका हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया था।

कुमार ने कहा कि खराब मौसम दुर्घटना का एक कारण हो सकता है, लेकिन वास्तविक कारण की जानकारी जांच के बाद ही मिलेगी। इस बीच, डीजीसीए ने कहा कि तेईस फरवरी 2026 को रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का बीचक्राफ्ट सी90 विमान वीटी-एजेवी, रांची-दिल्ली मार्ग पर चिकित्सा निकासी (एयर एम्बुलेंस) उड़ान पर था, (लेकिन) यह झारखंड के चतरा जिले की कसरिया पंचायत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सात लोग सवार थे, जिनमें 41-वर्षीय एक मरीज और चालक दल के दो सदस्य शामिल हैं। कहा कि विमान ने भारतीय समयानुसार 19:11 बजे रांची से उड़ान भरी। कोलकाता से संपर्क स्थापित होने के बाद, भारतीय समयानुसार 19:34 बजे, विमान का वाराणसी से लगभग 100 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व स्थित कोलकाता से संचार और रडार संपर्क टूट गया। जिला प्रशासन की खोज एवं बचाव टीम घटनास्थल पर मौजूद है और वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की एक टीम को जांच के लिए भेजा जा रहा है।

लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन से क्यों डरते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता और भारत का पूरा डेटा सौंपा जाना शर्म का विषय है।

उन्होंने एक वीडियो जारी कर यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी अहिंसा और लोकतांत्रिक विरोध से क्यों डरते हैं? राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर कार्यकर्ता देश की रक्षा करते रहेंगे, एक इंच पीछे नहीं हटेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिटमें किए गए प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए रविवार को कहा था कि इस पार्टी ने एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया।

- राहुल गांधी का पलटवार, बोले- अमेरिका से ट्रेड डील शर्म की बात

आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम में मिलावटी दूध पीने से 4 की मौत

राजामहेंद्रवरम, एजेंसी

पूर्वी गोदावरी जिले में एक अनधिकृत विक्रेता की ओर से बेचे गए मिलावटी दूध के सेवन से पिछले 48 घंटों में चार लोगों की मौत हो गई। दूषित दूध पीने के बाद गुर्दे खराब हो जाना और मूत्र संबंधी अवरोध होना इन लोगों की मौत का कारण बना। कई अन्य लोग इस दूध के सेवन के बाद बीमार हुए हैं। इनमें करीब 12 लोगों को गंभीर हालत में अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जहां उनकी डायलिसिस की जा रही है।

पूर्वी गोदावरी जिले की जिलाधिकारी कीर्ति चेकुरी के मुताबिक विशेष टीमें घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को चिकित्सा सहायता दिला रहे हैं। दूध के स्थानीय विक्रेता को हिरासत में लिया गया है। कीर्ति ने मीडिया को बताया कि जिन 106 घरों में विक्रेता ने दूध बेचा वहां रक्त परीक्षण कराया जा रहा है। अब तक 73 परिवारों से नमूने एकत्र किए गए। इसी बीच, पशुपालन विभाग ने 46 मवेशियों का परीक्षण कर नमूनों को प्रयोगशालाओं में भेजा।

मौत का कारण बना दूध दिखाती महिला।

- तमाम लोग बीमार, 12 गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, डायलिसिस जारी

मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के पूरे को सरकार वहन करेगी। मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा भी देंगे। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए मिलावट के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

छाने लगी रंग पर्व की उमंग...

रंगों का पर्व होली करीब है। गली मुहल्लों होलिका सज चुकी है। तय तिथि पर होलिका का दहन किया जाएगा। बुधवार चार मार्च को देशभर में होली खेली जाएगी। इसके पूर्व होली की खुमारी छाने लगी है। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल के नादिया में एक नृत्य अकादमी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जिसमें युवतियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल से सराबोर कर दिया।

ममता के राज में बंगाल की हालत से हूं दुखी, राज्य में बदलाव अपरिहार्य

कोलकाता, एजेंसी

विधानसभा चुनाव की घोषणा से कुछ सप्ताह पहले पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से सार्वजनिक अपील करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह ममता बनर्जी के मौजूदा शासन में राज्य के विभिन्न वर्गों के नागरिकों की पीड़ा से व्यथित हैं।

प्रधानमंत्री ने विकसित पश्चिम बंगाल का निर्माण करके हालात को सुधारने का संकल्प जताया। बांग्ला में लिखे एक खुले पत्र में, मोदी ने कहा कि राजनीतिक परिवर्तन अपरिहार्य है, लेकिन मतदाताओं द्वारा एक सही निर्णय राज्य को देश के बाकी हिस्सों में देखे गए तेज़ विकास के साथ जोड़ सकता है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने विधानसभा चुनावों से पहले मोदी के पत्र को महज नाटकबाज़ी करार दिया और सवाल किया कि अगर प्रधानमंत्री राज्य की स्थिति को लेकर इतने चिंतित हैं, तो उन्होंने पश्चिम बंगाल के लिए धनराशि क्यों रोक दी। पत्र में मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति से लेकर फर्जी मतदाताओं, रोजगार की कमी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर निशाना बनाया। पत्र की शुरुआत उन्होंने जय मां काली के उद्घोष के साथ की। प्रधानमंत्री ने चुनाव पूर्व किए गए वादों के तहत संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के माध्यम से शरणार्थियों को नागरिकता देने का वादा किया और राज्य की सीमाओं के माध्यम से घुसपैठ रोकने का संकल्प जताया। मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के भारत में बंगाल वित्तीय एवं औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में देश का अग्रणी केंद्र हुआ करता था। इसे इस कदर कमजोर और बीमार देखकर मुझे बहुत दुख होता है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से की सार्वजनिक अपील

बहुस्तरीय रणनीति

खुफिया जानकारी के आधार पर होगी चरमपंथी हिंसा की रोकथाम

भारत ने जारी की पहली आतंकवाद रोधी नीति प्रहार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने सोमवार को देश की पहली आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' को जारी किया। इसमें कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर आधारित एक बहुस्तरीय रणनीति तय की गई है, जो खुफिया जानकारी के आधार पर चरमपंथी हिंसा की रोकथाम और उसे निष्क्रिय करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आतंकवादियों, उनके वित्तपोषकों और समर्थकों को धन, हथियार और सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच से वंचित करना है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई नीति भारत या विदेश से उत्पन्न होने वाले आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए सात प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। ये सात स्तंभ रोकथाम, प्रतिक्रिया, आंतरिक क्षमताओं का एकीकृत करना, मानवाधिकार और ''कानून के शासन'' पर आधारित प्रक्रियाएं, कट्टरता सहित आतंकवाद में सहायता करने वाली परिस्थितियों को दूर करना, आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को संरेखित और आकार देना और समग्र समाज दृष्टिकोण को अपनाना शामिल है। नीति दस्तावेज में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा गया, भारत के निकटवर्ती इलाकों में अस्थिरता का इतिहास रहा है, जिसके कारण अक्सर अराजक क्षेत्र उत्पन्न हुए हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र के कुछ देशों ने कभी-कभी आतंकवाद को राज्य नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया है।

- आतंकियों तक धन, हथियार पहुंचने से रोकना मकसद

खतरा रोकने को खुफिया सूचना जुटाने को दी गई है प्राथमिकता

नीति में खतरों को रोकने और उनका मुकाबला करने के लिए भारत के दृष्टिकोण को सक्रिय और खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि देश को वायु, भूमि और जल तीनों क्षेत्रों में जोखिमों का सामना करना पड़ता है। नीति में आतंकवादी घटनाओं को रोकने के लिए कार्यकारी एजेंसियों द्वारा खुफिया जानकारी जुटाने और प्रसारित करने को प्राथमिकता दी गई है। इसमें भारतीय कानूनों के तहत आतंकवाद-वित्तपोषण नेटवर्क को निष्क्रिय करने पर विशेष जोर दिया गया है। दस्तावेज़ में कहा गया है कि आईबी के बहु-एजेंसी केंद्र और संयुक्त कार्य बल के माध्यम से केंद्रीय एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के बीच मजबूत साझेदारी स्थापित की गई है।

समाज के विभिन्न वर्गों की एक टीम भी गठित की जाएगी

दस्तावेज़ में संचार, भर्ती, जेहाद के महिमामंडन और अन्य आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग को रेखांकित किया गया है, जिनका मुकाबला खुफिया और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों द्वारा ऐसी साइबर गतिविधियों, आतंकवादी समूहों के ऑनलाइन नेटवर्क और उनके प्रचार और भर्ती को सक्रिय रूप से बाधित करके किया जाता है। नीति में कहा गया है, सरकार प्रभावित समुदाय को जागरूक करने और उन्हें समाज के साथ फिर से जोड़ने के लिए चिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों, वकीलों और नागरिक समाज के अन्य सदस्यों, जिनमें गैर सरकारी संगठन, धार्मिक और सामुदायिक नेता शामिल हैं, की एक टीम बनाएगी।

जीवन में केवल एक ही अच्छी चीज है और वह है प्रेम।
–गाई दे मोपासां, फ्रांसीसी साहित्यकार

अवसर और अनिश्चितता

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तथाकथित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' को अवैध ठहराए जाने और उसके बाद के घटनाक्रम ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य में नया मोड़ ला दिया है। भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत के स्थगन के निर्णय से भारत पर मिश्रित प्रभाव पड़ सकता है। पहला सकारात्मक पहलू यह है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अवसर बढ़े, अनिश्चितता कम हुई है। एकतरफा, मनमाने और प्रतिशोधात्मक टैरिफ अवैध घोषित किए जाने से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर इस्पात, एल्युमिनियम, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल और आईटी सेवाओं को राहत मिलेगी।

पिछले वर्षों में अमेरिकी बाजार में अचानक शुल्क वृद्धि से भारतीय कंपनियों की लागत और प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई थी। अब व्यापार नियमों की पूर्वानुमेयता बढ़ने से निवेशकों और बाजारों में भरोसा लौट सकता है। दूसरी ओर, अंतरिम ट्रेड डील की वार्ता का टलना अल्पकालिक असमंजस पैदा करता है और व्यापार समझौते के तहत टैरिफ का स्पष्ट ढांचे के अभाव में निवेश निर्णय टल सकते हैं तथा शेयर बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार पहले ही 190 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है, ऐसे में किसी व्यापक समझौते की अनुपस्थिति अवसरों को सीमित कर सकती है। भारत के लिए यह समय रणनीतिक पुनर्संतुलन का है। अमेरिकी अदालत के फैसले ने यह संकेत दिया है कि संस्थागत नियंत्रण और संतुलन अभी भी प्रभावी हैं। इससे भारत को वार्ता की मेज पर अधिक आत्मविश्वास मिल सकता है। विशेषकर रूसी तेल आयात जैसे मुद्दों पर, जहां अमेरिका ने अप्रत्यक्ष दबाव डाला था, भारत अब ऊर्जा सुरक्षा के तर्क को अधिक मजबूती से रख सकता है, हालांकि कुछ जोखिम भी हैं, अमेरिकी राजनीति में संरक्षणवाद की प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। यदि भविष्य में फिर से उसके घरेलू दबावों के चलते शुल्क-नीति कठोर होती है, तो भारत की परेशानियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भरता दीर्घकालिक रणनीति नहीं हो सकती। भारत इसके प्रति सचेत है और वह यूरोपीय संघ, खाड़ी देशों और इंडो-पैसिफिक साझेदारों के साथ समानांतर व्यापार समझौते आगे बढ़ा रहा है। क्षेत्रीय प्रभावों की दृष्टि से, आईटी और डिजिटल सेवाएं अपेक्षाकृत सुरक्षित दिखती हैं, क्योंकि वे टैरिफ से कम प्रभावित होती हैं, परंतु वस्त्र, ऑटो पार्ट्स और कृषि निर्यात अधिक संवेदनशील हैं। यदि व्यापक समझौता होता है, तो बौद्धिक संपदा अधिकार, डेटा लोकलाइजेशन और कृषि सब्सिडी जैसे जटिल मुद्दे सामने आएंगे, जहां संतुलन साधना आसान नहीं होगा। वर्तमान परिस्थिति भारत के लिए अवसर भी है। यदि अमेरिका में शुल्क-नीति न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है, तो नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था को बल मिलेगा। भारत, जो बहुपक्षीय ढांचे और विश्व व्यापार संगठन की भूमिका पर जोर देता है, इस रुझान का लाभ उठा सकता है।

भविष्य की दिशा इस पर निर्भर करेगी कि दोनों देश अंतरिम समझौते को व्यापक आर्थिक साझेदारी में कैसे बदलते हैं। सरकार को चाहिए कि वह घरेलू विनिर्माण क्षमता, निर्यात विविधीकरण और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन बढ़ाने पर ध्यान दे।

प्रसंगवश

अवैध खननः सख्त कार्रवाई व कड़ी निगरानी की जरूरत

देश के कई हिस्सों में अवैध खनन केवल पर्यावरण की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह कानून व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। हाल ही में हरियाणा के पानीपत जिले के इसराना क्षेत्र में घटी घटना ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर कर दिया। एसआई सुरेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ खनन चेकिंग ड्यूटी पर थे, जब उन्हें सूचना मिली कि बिना ई-रवन्ना या अनुमति के मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। पुलिस टीम ने गाड़ी नंबर एसआर 6, 4384 को रोका, लेकिन चालक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद जो घटनाक्रम सामने आया, उसने न केवल प्रशासन बल्कि पूरे समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया।

जब पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए गाड़ी को आरटीए पार्किंग भेजने का निर्णय लिया, तो आरोपियों ने खुलेआम पुलिस की कार्रवाई में बाधा डाली। रास्ते में एक अन्य वाहन को आगे लगाकर पुलिस की गाड़ी रोकी गई, सिपाही को जबरन नीचे उतारा गया और जब्त की गई गाड़ी छीनकर फरार हो गए। इतना ही नहीं, जाते-जाते मिट्टी को सड़क पर खाली कर दिया गया और पुलिस को धमकी दी गई कि 'पंगा मत लेना।' यह केवल एक गाड़ी छीनने की घटना नहीं है, बल्कि यह राज्य की कानूनी व्यवस्था को खुली चुनौती है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

अवैध खनन लंबे समय से देश के विभिन्न राज्यों में फल-फूल रहा है। यह गतिविधि नदियों, खेतों और सार्वजनिक भूमि को नुकसान पहुंचाती है। इससे भू-क्षरण बढ़ता है, जलस्तर प्रभावित होता है और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता है, लेकिन जब अवैध खनन करने वाले तत्व पुलिस या प्रशासन पर ही हमला करने लगें, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत है। यह दर्शाता है कि कुछ लोगों में कानून का भय कम हो रहा है और वे संगठित तरीके से प्रशासन को चुनौती देने का साहस जुटा रहे हैं।

ऐसी घटनाओं के पीछे अक्सर आर्थिक लालच और संगठित गिरोहों की भूमिका होती है। अवैध खनन से त्वरित लाभ मिलता है, इसलिए इसमें शामिल लोग जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। कई बार स्थानीय स्तर पर दबाव, राजनीतिक संरक्षण या सामाजिक प्रभाव के कारण भी इन तत्वों के हौसले बुलंद रहते हैं। जब सख्त और त्वरित दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती, तो यह संदेश जाता है कि कानून से बच निकलना संभव है। यही कारण है कि बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

भारतीय कानून में सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने, पुलिस पर हमला करने और अवैध खनन जैसे अपराधों के लिए प्रावधान मौजूद हैं। भारतीय दंड संहिता के तहत सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा डालना दंडनीय अपराध है। अवैध खनन के लिए खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत भी सख्त प्रावधान हैं। इसके बावजूद यदि जमीनी स्तर पर इन कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होता, तो उनका अस्तित्व मात्र कागजी बनकर रह जाता है। कानून का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं, बल्कि अपराध को रोकना भी होता है। जब दंड का भय समाप्त हो जाता है, तो अपराधी तत्व निर्भीक हो जाते हैं। इस प्रकार की घटनाएं पुलिस बल के मनोबल पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। जो कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर ड्यूटी निभाते हैं, यदि उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाए या उनके साथ धक्का-मुक्की कर सरकारी वाहन छीना जाए, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपमान है, बल्कि पूरे तंत्र की प्रतिष्ठा पर आघात है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

'मैडमैन सिद्धांत' को ब्रह्मास्त्र बनाते ट्रंप

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

आज समूची दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। कई देशों में वातावरण पूर्णतया अशांत तो कुछ में युद्ध के बादल मंडराने की आशंका बलवती है। ऐसे माहौल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया जाना कहीं से गलत नहीं दिखता। दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप का रवैया 'मैडमैन सिद्धांत' को फलीभूत करते दिख रहा है। अर्थात ट्रंप उक्त थ्योरी को अपना ब्रह्मास्त्र बनाते दिख रहे हैं। ट्रंप भले ही 'मैडमैन' कुटनीति न करने की बात कहें, किंतु 'अमेरिका प्रथम' नीति उन्हें ऐसे नेता के रूप में पेश कर रही है, जो सैन्य शक्ति व आर्थिक प्रतिबंधों के दम पर अन्य देशों पर दबाव बना रहा है। वे ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने को आतुर तो हैं ही, ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर भी काफी अकुलाए हुए हैं। वेनेजुएला पर अमेरिका का कब्जा भी संदर्भित सिद्धांत का ही एक उदाहरण है।

अजीब तरह का व्यवहार करना, तर्कहीन बातें करना, विरोधी देशों में अकारण डर पैदा करते रहना व उलूल-जुलूल बातों से विश्व को भ्रमित करते रहना 'मैडमैन' कुटनीति की श्रेणी में आता है। इसे भू-राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा सकता है। वास्तव में, किसी देश को उल्टी-सीधी बात से डराकर अपना उल्लू सीधा कर लेना ही 'मैडमैन' कुटनीति है। सनकी होने व तर्कहीन उद्गार व्यक्त करने का नाटक करने वाले डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की ही राह पर चल निकले हैं।

जान लें, 'मैडमैन' कुटनीति वर्ष 1973 में निक्सन ने उत्तरी-दक्षिणी वियतनाम युद्ध के समय चली थी। निक्सन ने अपने सहयोगियों से कहा था कि उसे अनाप-शनाप बात करने वाला 'पागल आदमी' के रूप में प्रचारित करो। माहौल बना दो कि परमाणु बटन दबाकर राष्ट्रपति निक्सन उत्तरी वियतनाम को नेस्तनाबूद कर देगा। मजे की बात यह कि वियतनाम उसकी चाल में नहीं फंसा और उक्त युद्ध में मुंह की खाने के बाद अमेरिका को वहां से दुम दबाकर भागना पड़ा था।

दूसरे कार्यकाल में ट्रंप का रवैया 'मैडमैन सिद्धांत' को फलीभूत करते दिख रहा है। 'अमेरिका प्रथम' नीति उन्हें ऐसे नेता के रूप में पेश कर रही जो सैन्य शक्ति व आर्थिक प्रतिबंधों के दम पर अन्य देशों पर दबाव बना रहा है।

अपने यहां एक मुहावरा है- 'सठिया जाना' यानी 60 बरस के बाद किसी व्यक्ति की मानसिक स्थिति का प्रभावित हो जाना। 79 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप की हरकतें भी कुछ ऐसे ही हालात बयां कर रही हैं। स्वयं को वेनेजुएला का राष्ट्रपति मान बैठना, ईरान पर हमले को रोजाना बयान देना, रूस और चीन के अलावा उत्तर कोरिया के खिलाफ विषवमन करते रहना, भारत-पाकिस्तान युद्ध को रुकवा देने की क्रेडिट के लिए लगातार गाल बजाते रहना, पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी का अमेरिका बुलाकर अपने साथ भोजन कराना, यूरोप के देशों से संबंध तोड़ लेने की धमकी देना, ग्रीनलैंड को खरीद लेने या उस पर कब्जा कर लेने का दंभ भरते रहना और अपने अधीनस्थ कार्मिक महिला को अपनी पत्नी सरीखी सुंदरी बताने की बयानबाजी ट्रंप के 'मैडमैन' कुटनीति की ही बानगी है।

बीते शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप टैरिफ को अवैधानिक घोषित करने का निर्णय देना और शनिवार को ट्रंप द्वारा उसको मानने से इनकार करते हुए 10 प्रतिशत की जगह 15 प्रतिशत कर देना भी 'मैडमैन' डिप्लोमेसी का ही उदाहरण है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उक्त निर्णय को ट्रंप द्वारा हास्यास्पद, खराब और देश के लिए अहितकर बताना भी ट्रंप की मानसिकता का परिचायक है। 'मैडमैन' सिद्धांत के संदर्भ में निकोलो मैकियावेली ने कहा था कि कभी-कभी 'पागल' होने का नाटक करना भी बुद्धिमानी होता है। अपने को ऐसा दर्शाते रहना अस्थायी जीत भी दिला सकती है।

मैकियावेली की बात डोनाल्ड ट्रंप पर लागू होते दिख रही है। कहा जाता है कि 'जो गरजते हैं वे बरसते नहीं।' व्हाइट हाउस की नित बयानबाजी भी गरजते रहने की श्रेणी में ही है। अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास अब अविश्वसनीय बयानबाजी का केंद्र बन गया है। वहां से जो बयान 'आज' जारी हो रहा है वह 'कल' पूरी तरह बदल जा रहा है। पूंजीवाद के समर्थक अमेरिका तथा साम्यवाद को मानने वाले रूस के बीच दशकों तक वैचारिक, राजनीतिक व आर्थिक संघर्ष चला था। वर्ष 1947 से 1991 के मध्य दोनों देशों में चले 'शीत युद्ध' से पूरा विश्व ही प्रभावित रहता था।

वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका अपनी 'चौधराहट' बढ़ाने पर अमादा हो चला है, लेकिन रूस और चीन उसकी राह में सबसे बड़ी बाधा अभी भी बने हुए हैं। तत्कालीन शीत युद्ध के रणनीतिकार एल्सबर्ग व थामस शेलिंग भी 'मैडमैन' कुटनीति के पहरुए माने जाते रहे। दोनों का मानना था कि अपने को विश्व का चौधरी मान बैठने वाला नेता यदि विश्व को यह दिखाए कि वह किसी भी देश के खिलाफ कभी भी कठोरतम कदम उठा सकता है, तो सामने वाले देश का भयभीत हो जाना लाजिमी है।

कह सकते हैं, 'मैडमैन' सिद्धांत पूरी तरह डर का ही खेल है। ट्रंप विरोधी देशों के साथ इसी प्रकार की चाल चल रहे हैं। वर्ष 2002 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने ईरान, ईराक और उत्तर कोरिया को 'बुराई की धूरी' वाला देश कहा था। बाद में सीरिया, लीबिया व क्यूबा को भी जोड़ा गया था। संदर्भित देश अमेरिका की आंख की किरकिरी आज भी बने हुए हैं। रूस और चीन आए दिन अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती देते रहते हैं। लाख टके का सवाल यह कि 'मैडमैन' कुटनीति का प्रणेता बने अमेरिका को क्या 'बुराई की धूरी वाला देश' नहीं कहा जाना चाहिए? अपने देश को छोड़कर विश्व के अनेकानेक देशों को प्रत्येक रूप में विचलित करने वाले अमेरिका को क्या कठघरे में नहीं खड़ा किया जाना चाहिए? ट्रंप का कार्यकाल जनवरी 2029 में समाप्त होगा। 'मैडमैन' कुटनीति को वे और धार देंगे या विरोधी देश उसे कुंद कर देंगे, यह आने वाला समय ही बताएगा।

आमने सामने

इस देश में रहना है तो वंदे मातरम् कहना पड़ेगा, वरना गांधी को साथ लेकर पाकिस्तान चले जाओ। हमारे लिए आंबेडकर काफी हैं। गांधी भारत के राष्ट्रपिता नहीं हैं। वह पाकिस्तान के राष्ट्रपिता हैं। हम उन्हें अपना राष्ट्रपिता नहीं मानते।
–बसनगौड़ा पाटिल यतनल
बीजेपी विधायक, कर्नाटक

यह बयान गांधी जी के योगदान का अपमान है। गांधी जी ने पूरे देश को आजादी दिलाई। पाकिस्तान का विभाजन ब्रिटिश नीतियों का नतीजा था। बीजेपी ऐसे विधायकों पर कार्रवाई क्यों नहीं करती?
–प्रियांक खरगे
काबीना मंत्री
कर्नाटक सरकार

अंक आधारित शिक्षा संस्कृति बदलने की जरूरत

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

फरवरी–मार्च का महीना आते ही देश के लाखों घरों में एक अलग सी गंभीरता उतर आती है। पढ़ाई की मेज़ पर किताबों का ढेर बढ़ जाता है, दीवारों पर चिपके परीक्षा कार्यक्रम घर की दिनचर्या तय करने लगते हैं और बातचीत का केंद्र एक ही विषय रह जाता है- बोर्ड परीक्षा। दसवीं और बारहवीं की ये परीक्षाएं हर साल आती हैं, लेकिन इनके साथ जुड़ा तनाव और सामाजिक दबाव भी लगभग उतनी ही नियमितता से लौटता है, दरअसल यह सिर्फ छात्रों की परीक्षा नहीं होती; यह परिवारों, विद्यालयों और पूरे सामाजिक परिवेश की मानसिकता की भी परीक्षा होती है।

हमारी शिक्षा संस्कृति में बोर्ड परीक्षाओं को एक निर्णायक मोड़ की तरह देखने की परंपरा रही है। परिणाम आते ही प्रतिशत के आधार पर बच्चों की पहचान तय कर दी जाती है। कुछ अंक ऊपर-नीचे होते ही किसी को मेधावी, किसी को औसत और किसी को कमजोर मान लिया जाता है। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे बच्चों के मन में यह धारणा बना देती है कि उनका पूरा भविष्य कुछ अंकों पर टिका हुआ है। यहीं से परीक्षा, सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया न रहकर सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाती है।

हमारी शिक्षा संस्कृति में बोर्ड परीक्षाओं को निर्णायक मोड़ की तरह देखा जाता है। कुछ अंक ऊपर–नीचे होते ही किसी को मेधावी और किसी को कमजोर मान लिया जाता है।

किशोरावस्था का समय अपने आप में संवेदनशील होता है। यही वह दौर है, जब बच्चे अपनी क्षमताओं को पहचान रहे होते हैं और आत्मविश्वास विकसित कर रहे होते हैं। ऐसे समय में बोर्ड परीक्षा उनके सामने पहली बड़ी सार्वजनिक चुनौती बनकर आती है। परिणाम केवल परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रिश्तेदारों, पड़ोसियों और समाज की चर्चा का विषय बन जाता है। स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में बच्चों के मन में चिंता और दबाव बढ़ता है और कई बार यह दबाव पढ़ाई से अधिक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है।

यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है, क्या कुछ घंटों की परीक्षा में मिले अंक किसी छात्र की पूरी योग्यता तय कर सकते हैं? शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक जुटाना नहीं, बल्कि समझ, कौशल और व्यक्तित्व का विकास करना है, लेकिन जब पूरी चर्चा अंकों तक सिमट जाती है, तो सीखने की प्रक्रिया पीछे छूट जाती है और प्रतिस्पर्धा आगे आ जाती है।

नई शिक्षा नीति बहुआयामी मूल्यांकन, कौशल आधारित शिक्षा और सतत आकलन की बात करती है, लेकिन सामाजिक व्यवहार अब भी अंकों को ही अंतिम सत्य मानने का आदी है। यह विरोधाभास ही परीक्षा के आसपास अनावश्यक दबाव पैदा करता है। परीक्षा के समय बच्चों पर इस दबाव का असर साफ दिखाई देता है। उनकी नींद कम हो जाती है, दिनचर्या असंतुलित हो जाती है और आत्मविश्वास की जगह चिंता ले लेती है। कई बार मेहनती छात्र भी परीक्षा कक्ष में अपने ही डर से हार जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि समस्या पढ़ाई की कमी नहीं, बल्कि दबाव की अधिकता है।

जब मन आशंकाओं से भरा होता है, तो याद की हुई बातें भी स्पष्ट नहीं रह पातीं, इसीलिए तैयारी का अर्थ केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखना भी है। ऐसे समय में बच्चों के लिए संतुलित तैयारी सबसे जरूरी होती है। नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, हल्की शारीरिक गतिविधि और समझ के साथ की गई पढ़ाई, ये सभी बातें उनकी क्षमता को बेहतर बनाती हैं। बिना रुके घंटों पढ़ना हमेशा बेहतर परिणाम नहीं देता; बल्कि संतुलित और समझ पर आधारित तैयारी ही आत्मविश्वास पैदा करती है। परीक्षा के दिनों में यह समझना जरूरी है कि शरीर और मन दोनों को साथ लेकर चलना ही असली तैयारी है।

इस दौर में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अधिकांश माता-पिता बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं, लेकिन कई बार यही चिंता दबाव में बदल जाती है। तुलना, अपेक्षाओं की लगातार चर्चा या परिणाम को लेकर डराने वाली बातें, बच्चों के मन में असुरक्षा पैदा करती हैं। इसके विपरीत, घर का शांत वातावरण, भरोसे से भरी बातचीत और नियमित दिनचर्या बच्चों को मानसिक स्थिरता देती है। जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनका मूल्य केवल अंकों से नहीं तय होगा, तो वे अधिक सहज होकर अपनी तैयारी पर ध्यान दे पाते हैं।

शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। स्कूलों की रैंकिंग, टॉपर सूचियां और प्रतिशत आधारित प्रतिष्ठा की होड़ कई बार बच्चों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा में धकेल देती है। शिक्षा का उद्देश्य जहां समझ विकसित करना होना चाहिए, वहां परिणाम संस्थानों की साख का पैमाना बन जाता है। यदि स्कूल परीक्षा को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानकर चलें और काउंसलिंग, संवाद तथा समय प्रबंधन पर ध्यान दें, तो दबाव काफी हद तक कम किया जा सकता है।

शिक्षकों की भूमिका इस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वे केवल विषय पढ़ाने वाले व्यक्ति नहीं रहते, बल्कि छात्रों के मार्गदर्शक बन जाते हैं। एक शिक्षक का संतुलित व्यवहार, परीक्षा से पहले दिए गए व्यावहारिक सुझाव या एक भरोसा दिलाने वाला वाक्य, ये सब बच्चों के मनोबल को मजबूत करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

राजा की ऊंची दीवार

किसी ने किसी दिन राजा को बताया कि किसी देश में विश्व की सबसे लंबी दीवार स्थित है। बस फिर क्या था! राजा का मन मचल गया। उसने मन ही मन कुछ ठान लिया, जिसका परिणाम यह हुआ कि राजा ने फौरन आदेश दिया कि विश्व की सबसे ऊंची दीवार का निर्माण उसके राज्य में किया जाए।

अनूप मणि त्रिपाठी
लेखक

'महाराज! उसकी हर ईंट पर आपका नाम भी लिखा हो, तो क्या कहने!' एक दरबारी ने सुझाव दिया।

राजा को यह सुझाव पसंद आया।

'नाम ईंट के दोनों ओर होना चाहिए!' दूसरे दरबारी ने भी सुझाव दिया, जोकि राजा को बहुत भाया।

'आपने एक महत्वपूर्ण पहलू की ओर ध्यान दिलाया!' राजा ने उसकी प्रशंसा की और स्वयं पर लहालोट भी हुआ कि उसने एक से बढ़ कर एक नगीने जमा कर रखे हैं अपने दरबार में!

फिर क्या था, दीवार उठनी शुरू हो गई। चूंकि इसमें राजा का पर्सनल इंटरेस्ट था, तो निर्माण कार्य में दिन-दुगुनी रात चौगुनी प्रगति हो रही थी। प्रति दिन राजा दीवार के निरीक्षण के लिए जाता। सब ठीक-ठाक चल रहा था। कुछ ही दिनों में दीवार आकाश को चूमने लगी। वह ऊंची से ऊंची और ऊंची होती चली गई।

आज राजा दीवार देखने के लिए पुनः पहुंचा है। राजा जिसे देखकर मुग्ध हो रहा है। इतनी ऊंची दीवार को अगर कोई उसके पास आकर उसे देखे तो गर्दन अकड़ के रह जाएगी!

'महाराज एक बात का डर है!' मंत्री बोला।

'किस बात का!' राजा ने दीवार को निहारते हुए पूछा।

'महाराज आप यहां दीवार उठा रहे हैं और वहां खलबली मची हुई है!' मंत्री बोला।

'कहां!' राजा चौंका।

'स्वर्ग लोक में!'

'मैं समझा नहीं!'

'देवताओं को डर है, कहीं यह दीवार स्वर्गलोक तक न पहुंच जाए!'

मंत्री की बात सुनकर राजा हंसा।

बातों-बातों में राजा दीवार पर बहुत प्यार से हाथ फेरने लगा। वह हाथ फेर ही रहा था कि दीवार हिली और देखते ही देखते राजा के ऊपर ढह पड़ी, जिसके नीचे राजा दब गया। लोगों ने देखा, राजा का नाम लिखी ईंटें उसी के ऊपर लदी हुई हैं। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

पनपते विवाद और जनाधार का गणित

यूजीसी, शंकराचार्य विवाद और बटुक अपमान जैसे तमाम मामलों ने बटने-कटने की साजिश रच दी है! ऐसी चिंगारियां दिखने लगी हैं जो समाज को बांटने की आग लगाना चाहती हैं। लगातार एक के बाद एक जातियों के बटवारे के मुद्दे पैदा हो रहे हैं। यदि ये सब नहीं संभाला गया तो इसका सीधे असर राजनीतिक नफा-नुकसान की तस्वीर पेश करेगा। खासकर यूपी के 2027 विधानसभा चुनाव में पीडीए की राजनीति चमकेगी और भाजपा द्वारा जातियों को जोड़कर हिंदुत्व एकता की सफलता का राजनीतिक लाभ विफलता की ओर फिसल सकता है।

इतिहास गवाह है कि हिंदू समाज कि एकजुटता से भाजपा मजबूत हुई है और मंडल कमंडल की राजनीति में मंडल भारी पड़ा है। तीन-चार दशक पहले राम मंदिर आंदोलन से लेकर मोदी-योगी युग में पिछड़ों-दलितों का विश्वास जीत कर ही भाजपा ने सत्ता हासिल की है, लेकिन भाजपा के साथ सवर्ण हर दौर में रहा है। खासकर भाजपा के दुर्दिन में साथ देने वाला एकमात्र सवर्ण ही था। जाति जनगणना से लेकर यूजीसी तक अगड़ों के चेहरे पर शिकन साफ नजर आने लगी है।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, वैश्य समाज ने एकजुट होकर भाजपा को जिताने के लिए जब-जब अपना जोश दिखाया तब-तब दलित और पिछड़ा वर्ग भी हिंदुत्व व राष्ट्रवाद की गाड़ी को रफ्तार देने के पहिए बन गए। इंजन की शक्ति के बिना पहिए गाड़ी को रफ्तार नहीं दे सकते हैं। सवर्ण वर्ग की संख्या भले ही कम हो, लेकिन ये दांत की तरह हैं। बत्तीस दांतों में एक-दो दांत भी टूटें तो सब दांत कमजोर पड़ जाएंगे। सवर्ण भाजपा को लेकर ढीला पड़ा तो पार्टी का संपूर्ण जनाधार ढीला पड़ जाएगा।

आम नागरिक इन बातों को समझते हैं, तो पार्टी के चाणक्य ये बात नहीं समझ पा रहे हों ऐसा संभव नहीं है। तो फिर यूजीसी से लेकर शंकराचार्य, बटुकों के साथ दुर्व्यवहार जैसे मुद्दे क्यों गर्म होने दिए जा रहे हैं? उत्तर प्रदेश जहां से भाजपा ने हिंदुत्व की ताकत को जन्म दिया, बरसों से अपने पैर जमाए जातियों की राजनीति को हाशिए पर डाला, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नारा- 'बटोगे तो कटोगे' ने न सिर्फ यूपी में बल्कि देश के तमाम राज्यों में चुनावी सफलता दिलवाई। उस योगी के यूपी में कभी ब्राह्मण-क्षत्रिय तो कभी अगड़ा-पिछड़ा की राजनीतिक साजिशों की आहट कैसे सुनाई पड़ रही है? केंद्र सरकार ने यूजीसी का विवाद पैदा होने से पहले अपनी जड़ों के बारे में क्यों नहीं सोचा?

माना सियासत में जीत के लिए जनाधार का पूरा गिलास भरना जरूरी होता है, लेकिन भाजपा के गिलास का आधार (अपर कास्ट) ही कमजोर हो जाए तो गिलास भरा नहीं जा सकता। क्या दलितों के बिना ब्राह्मण और मुस्लिम समाज के जनाधार से बसपा चुनावी सफलता हासिल कर सकती है! मुस्लिम समाज के समर्थन के बगैर सपा की जीत की कल्पना भी करना मुश्किल है। भाजपा को ये समझना होगा कि वो भले ही दलितों-पिछड़ों का दिल जीतने में जान लगा दे, पर सवर्ण समाज के बिना भाजपा अस्तित्वहीन हो जाएगी!

बिना आधार के कुछ संभव नहीं। नींव के बिना इमारत नहीं खड़ी की जा सकती। बिना पेंदे के कोई बर्तन उपयोग में नहीं लाया जा सकता, जड़ के बिना पेड़ नहीं और बिना सवर्ण के भाजपा चुनावी वैतरणी नहीं पार सकती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

होलाष्टक : अशुभ काल या आध्यात्मिक साधना का अवसर

डॉ. विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

होली का त्योहार हिंदू धर्म में न केवल रंगों के उल्लास, बल्कि गहरी आध्यात्मिक मान्यताओं का भी प्रतीक है। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को होलिका दहन किया जाता है। पूर्णिमा से आठ दिन पूर्व यानी फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तक होलाष्टक कहलाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान ग्रहों का नकारात्मक प्रभाव बढ़ जाता है और वातावरण में उग्रता रहती है, जिसके कारण समस्त मांगलिक व शुभ कार्यों पर पूर्णतः विराम लग जाता है। होलाष्टक की यह अवधि हमें संयम और भक्ति का संदेश देती है, जो अंततः होलिका दहन की अग्नि के साथ समाप्त होती है।

वर्जित कार्य

- किसी भी उद्देश्य के लिए भवन का निर्माण करना
- गृह प्रवेश करना
- सगाई अथवा विवाह करना
- वाहन क्रय करना
- कुआं, जलाशय आदि खुदवाना
- मुंडन संस्कार करना
- किसी भी व्रत का आरंभ और उद्यापन करना
- नवविवाहिता वधु का प्रवेश
- देव प्रतिमा की स्थापना करना
- यज्ञोपवीत संस्कार
- मंत्र दीक्षा लेना
- कर्ण वेध

नैमित्तिक कर्म

जो कार्य पहले शुरू किए जा चुके हैं। उन कार्यों को जारी रखा जा सकता है। नित्य एवं नैमित्तिक कर्म किए जा सकते हैं। इनके अतिरिक्त सूतिका स्नान आदि कार्य जिनकी अवधि निश्चित होती है, वे कार्य किए जा सकते हैं। इसके साथ ही नित्य की पूजा-पाठ किए जा सकते हैं।

होलाष्टक और ग्रहों का संबंध

होलाष्टक के आठ दिनों में सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहु का प्रभाव विशेष रूप से तीव्र होता है। यह समय अधिकतर शुभ कार्यों के लिए निषेध माना गया है, लेकिन ग्रह शांति और आत्मिक उन्नति के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

होली से पहले किए जाने वाले उपाय

- हनुमान जी की विशेष पूजा करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी को चमेली के तेल का दीपक जलाएं और 'ॐ हनुमते नमः' का 108 बार जाप करें। इससे मंगल और शनि के अशुभ प्रभाव कम होंगे।
- आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए पीपल के वृक्ष पर आठ दिन तक जल चढ़ाएं और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें। घर के मुख्य द्वार पर गंगाजल और गौमूत्र का छिड़काव करें, इससे नकारात्मक शक्तियां दूर रहेंगी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।
- शत्रु बाधा और बुरी नजर से बचने के लिए होलिका दहन से पहले 7 लाल मिर्च और 7 लौंग अपने ऊपर से उताराकर के जलती हुई होलिका में डालें। अपने घर के मुख्य द्वार पर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और 'ॐ दुं दुर्गायै नमः' मंत्र का 21 बार जाप करें।
- ग्रह कलेश और कुंडली दोष निवारण के लिए होलाष्टक में प्रतिदिन सूर्य को जल अर्पित करें और

'ॐ सूर्याय नमः' का 11 बार जाप करें। कुंडली में राहु-शनि की दशा हो, तो शिवलिंग पर जल, कच्चा दूध और काले तिल अर्पित करें।

- परिवार में सुख-शांति के लिए घर में सात्विक भोजन बनाएं और ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को भोजन कराएं। 'ॐ नमः शिवाय' का 108 बार जाप करें, जिससे घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होगी। घर में समृद्धि के साथ सात्विक वातावरण बनेगा।

क्यों माना जाता है अशुभ

होलिका दहन से पहले प्रहलाद पर अनेक अत्याचार किए गए थे, जिनकी पीड़ा के कारण इन आठ दिनों को नकारात्मक ऊर्जा से भरा माना जाता है। इस दौरान किए गए अशुभ कार्यों का प्रभाव लंबे समय तक रहता है।

कुंडली उदाहरण : यदि किसी जातक की कुंडली में शनि नीच का हो और राहु लग्न में हो, तो होलाष्टक के दौरान शनि, राहु और केतु से संबंधित उपाय करने चाहिए, जैसे- सरसों के तेल का दीपक जलाना और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना।

सिर्फ अशुभ न मानें

सामान्यत : इस अवधि को अशुभ मानकर मांगलिक कार्यों के लिए वर्जित रखा जाता है, परंतु इसे केवल 'अशुभ' कहना उचित नहीं होगा। वास्तव में, होलाष्टक आध्यात्मिक उन्नति और आत्मशुद्धि का एक विशिष्ट अवसर है। पौराणिक और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस समय ग्रहों का स्वभाव उग्र होता है, जिससे बचने के लिए भौतिक कार्यों को रोककर ध्यान, मंत्र जाप और तप पर बल दिया जाता है। यह समय ध्यान, मंत्र जाप और ग्रहों की शांति के लिए उत्तम है। जो भी इन उपायों को करेगा, उसके जीवन में सुख-समृद्धि का वास होगा और नकारात्मक ग्रह दोष समाप्त होंगे।

कुंडली में मंगल दोष को ऐसे करें दूर

अनिल सुधांशु
आध्यात्मिक लेखक

हमारी कुंडली में मंगल अनुकूल न हो, तो हमें मंगल के कारण कष्ट हो सकते हैं। मंगल शनि, राहु, केतु या हर्षल की दृष्टि में हो, वक्री हो या कुंडली में दूसरे, चौथे, छठे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में हो, तो मंगल अच्छे फल देने में असमर्थ होता है और वैवाहिक जीवन में असंतोष, सुख की कमी, अच्छी आय न होना, जीवन में सफलता न मिलना जैसे बुरे परिणाम देखने को मिलते हैं। इसलिए, इन कष्टों से मुक्ति पाने के लिए मार्कण्डेय पुराण में वर्णित मंगल कवचम् का प्रतिदिन तीन बार पाठ करना चाहिए।

मंगल अशुभ होने के लक्षण: ज्योतिष के अनुसार, मंगल ग्रह के खराब होने के लक्षणों में अत्यधिक गुस्सा, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी, शारीरिक कमजोरी, बार-बार चोट लगना, रक्त संबंधी समस्याएं (जैसे बीपी), वैवाहिक जीवन में कलह, कानूनी विवाद और करियर में संघर्ष शामिल हैं, संतान न होना, होकर मर जाना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, जिससे व्यक्ति आलस्य महसूस कर सकता है और महत्वपूर्ण निर्णय लेने में हिचकिचाता है। यह लक्षण व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

धार्मिक और ज्योतिषीय उपाय : मंगलवार को हनुमान जी को सिंदूर, चमेली का तेल, गुड़-चना चढ़ाएं और 'ॐ हं हनुमते नमः' या 'ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः' मंत्र का जाप करें। 21 मंगलवार का व्रत रखें और नमक का सेवन न करें। साथ ही लाल मसूर दाल, गुड़, भुने चने, तांबा और लाल अनाज ज़रूरतमंदों को दान करें।

मंगल मंत्र पूजा: मंगल देव के कई मंत्र हैं, जिनमें मुख्य हैं बीज मंत्र 'ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः', जो मंगल दोष निवारण और शक्ति के लिए है।

मुख्य मंगल देव मंत्र: ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः , यह मंत्र साहस, शक्ति और ऊर्जा प्रदान करता है और मंगल दोष को शांत करने के लिए बहुत प्रभावशाली माना जाता है।

जाप करने का तरीका: मंगलवार के दिन, स्नान के बाद लाल वस्त्र पहनकर इन मंत्रों का जाप करें, लाल मूंगा या लाल सूत की माला का प्रयोग कर सकते हैं, बीज मंत्र का जाप 108 बार करने से विशेष लाभ होता है।

पौराणिक कथा

स्वयं मुक्त, वही मुक्तकर्ता

प्राचीन समय की बात है, एक शक्तिशाली राजा के मन में मोक्ष की तीव्र अभिलाषा जागी। उसने अपने राजपंडित को दरबार में बुलाया और एक कठिन चुनौती रखी। राजा ने कहा, "मैंने सुना है कि शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को मात्र सात दिनों में श्रीमद्भागवत सुनाकर जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त कर दिया था। मैं आपको एक माह का समय देता हूं, आप मुझे मोक्ष का मार्ग दिखाएं। यदि आप सफल हुए तो पुरस्कृत होंगे, अन्यथा आपकी संपत्ति जब्त कर आपको मृत्युदंड दिया जाएगा।"

राजपंडित शास्त्रों के ज्ञाता तो थे, परंतु उनके पास वह आत्मिक अनुभव नहीं था, जो किसी को संसार के मोह-पाश से मुक्त कर सके। राजा की आज्ञा ने उनकी रातों की नींद और दिन का चैन छीन लिया। मृत्यु का भय और असफलता की चिंता, उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। उनकी इस दशा को उनके युवा पुत्र ने भांप लिया। जब पुत्र को कारण ज्ञात हुआ, तो वह बिल्कुल विचलित नहीं हुआ। उसने शांत स्वर में कहा, "पिताजी, आप चिंता छोड़ दें। राजा से कहें कि वे मुझे अपना गुरु स्वीकार करें और मेरे निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का वचन दें।" राजपंडित को पुत्र की बातों में एक आशा की किरण दिखी।

अगले दिन दरबार में भारी भीड़ उमड़ी। राजपंडित का पुत्र शांत मुद्रा में राजा के सम्मुख खड़ा था। उसने राजा को वचन की याद दिलाई और एक मजबूत रस्सी मंगवाई। दरबार में सन्नाटा छा गया, जब बालक ने आदेश दिया, "राजा को इस खंभे से कसकर बांध दिया जाए।" राजा अपने वचन से बंधा था, इसलिए उसने विरोध नहीं किया। इसके तुरंत बाद, बालक ने अपने पिता को भी दूसरे खंभे से बंधवा दिया। पंडित जी अपने बेटे की इस 'मूर्खता' पर क्रोधित थे, पर तभी पुत्र ने कहा, 'पिताजी, अब आप राजा के बंधन खोल दीजिए।' राजपंडित झुंझलाकर चिल्लाए, "अरे मूर्ख! क्या तू देख नहीं सकता कि मैं स्वयं बंधा हुआ हूं? जो स्वयं बंधा हो, वह दूसरे के बंधन कैसे खोल सकता है?" यही वह क्षण था, जिसका बालक को इंतजार था। राजा की आंखों में चमक आ गई। वह समझ गया कि जो राजपंडित स्वयं पद, धन और मृत्यु के भय की रस्सी से बंधा है, वह उसे संसार की माया से कैसे मुक्त कर सकता है? राजा ने विनम्रता से कहा, "गुरुदेव, मैं समझ गया। केवल वही महापुरुष हमें संसार से मुक्त कर सकता है, जो स्वयं वासनाओं और मोह से ऊपर उठ चुका हो।" राजा ने राजपंडित को उनके दंड और भय से मुक्त कर दिया और उस बालक के चरणों में नतमस्तक हो गया।

बोधकथा

संस्कारों का प्रभाव

चौथी कक्षा में पढ़ने वाला नन्हा सुबोध केवल किताबों का ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन का भी विद्यार्थी था। रात्रि की धार्मिक पाठशाला ने उसके भीतर वे बीज बो दिए थे, जो बड़ों-बड़ों के पास नहीं होते। एक शाम नियति उसे घर से दूर ले गई और वह डाकुओं के चंगुल में फंस गया। दस लाख की फिरौती मांगी गई, घर में कोहराम मच गया, लेकिन उस अपहृत बालक के मन में एक अद्भुत शांति थी। कैद की उन अंधेरी दीवारों के पीछे भी सुबोध की दिनचर्या नहीं बदली। वह भोर में उठकर मधुर स्वर में 'ओंकार मंत्र' और 'मेरी भावना' का पाठ करता। जब डर उसे घेरने की कोशिश करता, तो वह 'बारह भावना' का चिंतन करता। वह खुद को समझाता कि यह उसके पिछले कर्मों का उदय है, इसमें किसी का दोष नहीं। उसकी यह समता और भक्ति देखकर वहां का वातावरण बदलने लगा।

शुद्ध आचरण का प्रभाव इतना गहरा था कि डाकू की वृद्ध मां का हृदय पसीज गया। सुबोध ने दो दिन तक वहां का अभक्ष्य भोजन नहीं छुआ। उसकी निष्ठा देख उस वृद्धा ने स्वयं बर्तन मांजे, पानी छाना और पूरी शुद्धता के साथ उसके लिए भोजन बनाया। सुबोध के मुख से पुण्य-पाप और धर्म की चर्चा सुन वह चकित रह जाती थी। अपने डाकू बेटे के घर आने पर उसने, उसको सब बातें बताई और लड़के को छोड़ने के लिए कहा। एक दिन डाकू ने सुबोध की परीक्षा लेनी चाही। उसने गरजते हुए बंदूक तानी और कहा, "तेरे बाप ने पैसे नहीं भेजे, अब तू मरने के लिए तैयार हो जा।" सुबोध ने शांति के साथ निर्भीकता से अपनी कमीज हटाई और सीना तानकर कहा- "मार दो!

तुम केवल इस नश्वर शरीर को मिटा सकते हो, मेरी आत्मा तो अजर-अमर है।"

यह सुनकर वह दंग रह गया कि जिस मौत के डर से दुनिया कांपती है, उसे यह बालक खिलौना समझ रहा है। उसी क्षण डाकू का हृदय परिवर्तन हो गया। उसने सुबोध के पैर छुए और जुआ, मांस, मदिरा जैसे दुर्व्यसनों का सदा के लिए त्याग कर दिया। अंततः सुबोध अपने घर लौटा, लेकिन वह अपने पीछे एक बदला हुआ इंसान छोड़ आया था। वह डाकू बाद में इतना वैरागी हुआ कि उसने स्वयं को शिक्षा और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। इस कथा से सीख मिलती है कि संस्कार केवल शब्दों में नहीं, आचरण में होने चाहिए। यदि हमारे भीतर 'भेद-विज्ञान' (आत्मा और शरीर का अंतर) की स्पष्ट समझ हो, तो हम बड़ी से बड़ी विपत्ति में भी अडिग रह सकते हैं।

महत्वपूर्ण व्रत

आमलकी एवं रंगभरी एकादशी

दिनांक- 27 फरवरी

एकादशी व्रत का महत्व

आमलकी एकादशी का व्रत मुख्य रूप से भगवान विष्णु को समर्पित होता है, लेकिन इसका एक विशेष नाम इसलिए पड़ा कि इसी दिन आमल (आंवला) वृक्ष की पूजा भी होती है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इस वृक्ष को भगवान विष्णु का 'आध्यात्मिक आवरण' माना गया है, इसलिए इस दिन इसका पूजन अत्यंत फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा इसको रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। रंगभरी एकादशी के दिन भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी के साथ ही भोलेनाथ और माता गौरी की भी पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव माता पार्वती को पहली बार काशी लेकर आए थे। रंगभरी एकादशी के दिन व्रत करने के साथ ही विधि-विधान के साथ पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही घर में सुख-समृद्धि और संपन्नता आती है।

रंगभरी एकादशी पूजन विधि : इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ, विशेष रूप से पीले रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद एक साफ चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। पूजा के दौरान चंदन, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित करें। भगवान को मिठाई का भोग लगाएं और माता पार्वती को श्रृंगार सामग्री अर्पित करें। शिव-पार्वती को गुलाबी गुलाल अर्पित कर सुहाग और सौभाग्य की कामना करें। भगवान विष्णु की भी विधिपूर्वक पूजा करें और आंवले का फल अर्पित करें। आंवले के पेड़ की पूजा कर घी का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। भगवान शिव को खीर का भोग और ठंडाई अर्पित करें। अंत में एकादशी व्रत कथा का पाठ करें। शिव चालीसा का पाठ करें और आरती के साथ पूजा संपन्न करें।

मनुष्य की मानसिक परिस्थितियों पर निर्भर है हार-जीत

सुनील कुमार महला
लेखक

भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत गूढ़ और सार्थक पंक्ति कही गई है- 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।' इसका आशय यह है कि जीवन में हार व जीत का वास्तविक निर्धारक बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि मन की स्थिति होती है। परिस्थितियां तो केवल माध्यम हैं, असली निर्णायक की भूमिका तो मनुष्य मन निभाता है। यदि मन डर, शंका और निराशा से घिरकर पहले ही हार मान ले, तो साधन, संसाधन और अवसर होते हुए भी पराजय निश्चित हो जाती है। इसके विपरीत, यदि मन दृढ़, साहसी, सकारात्मक और विश्वास से भरा हो, तो विपरीत परिस्थितियों में भी जीत संभव हो जाती है।

वास्तव में, जीवन की हर हार और जीत पहले मन में घटती है, उसके बाद वास्तविक जीवन में दिखाई देती है। जो व्यक्ति मन से हार जाता है, वह कभी जीत नहीं सकता, लेकिन जिसने मन में यह ठान लिया कि वह जीतेगा और हर हाल में जीतेगा, वह अंततः विजयी होता ही है। हमारी पराजय या विजय शारीरिक शक्ति पर नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता पर निर्भर करती है। जब हम मन से यह स्वीकार कर लेते हैं कि हम नहीं जीत सकते, उसी क्षण हमारी आधी शक्ति समाप्त हो जाती है। वहीं अटूट विश्वास हमें कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता दिखा देता है।

भय मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। भय से ही चिंताओं का जन्म होता है और ये चिंताएं अक्सर अनावश्यक कल्पनाओं से उपजती हैं। जब व्यक्ति उन बातों की कल्पना करने लगता है, जो अभी घटित ही नहीं हुई हैं, तो उसके भीतर भय पैदा होता है। यही भय उसे सकारात्मक सोचने, आगे बढ़ने और पूर्ण रूप से जीने से रोक देता है। मनुष्य विशेष रूप से उन चीजों से अधिक डरता है, जिन्हें वह देख नहीं सकता। जो संकट अभी आया ही नहीं है अर्थात भविष्य की चिंता-वह मन में एक 'भूत' की तरह होता है। उसका कोई निश्चित आकार नहीं होता, इसलिए वह और अधिक डरावना प्रतीत होता है। यह अनदेखा डर व्यक्ति को भीतर ही भीतर भयभीत करता रहता है और अंततः वह बिना लड़े ही हार मान लेता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति इन आशंकाओं से ऊपर उठकर संकल्प करता है, मेहनत करता है और संघर्ष करता है, वह बड़ी से बड़ी

कठिनाइयों को भी पार कर लेता है। इतिहास इसके अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है। उदाहरण के तौर पर अरुणिमा सिन्हा ने एक दुर्घटना में अपना पैर खो देने के बावजूद मन से हार नहीं मानी और विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह किया। अब्राहम लिंकन जीवन में कई चुनाव हारने के बाद भी विचलित नहीं हुए और अंततः अमेरिका के राष्ट्रपति बने।

ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि परिस्थितियां नहीं, मनुष्य का मन ही उसकी नियति तय करता है। वास्तव में मनुष्य मन जानता है कि संकटों से कैसे निपटना है, लेकिन मन चंचल भी होता है। नकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को जल्दी आकर्षित करती है और वह उन बातों को लेकर चिंतित हो जाता है, जिनका कोई वास्तविक आधार नहीं होता। वह भविष्य की चिंता और अतीत की स्मृतियों में उलझकर अपना वर्तमान खो देता है, जबकि सच्चाई यह है कि मनुष्य के नियंत्रण में केवल वर्तमान ही होता है। कहा गया है कि साम्राज्य तलवारों से नहीं, शंकाओं से टूटे हैं। जब मन में शंका प्रवेश कर जाती है, तो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति भी कमजोर पड़ जाता है। किसी भी बाहरी युद्ध को जीतने से पहले उसे मन में जीतना आवश्यक होता है। इसलिए मन में संदेह, भय और नकारात्मकता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। मनुष्य को यह समझना चाहिए कि भविष्य में क्या होगा या क्या नहीं होगा, इसकी चिंता करना व्यर्थ है।

इंसान वास्तविक समस्याओं से तो समझौता कर लेता है, लेकिन आने वाली संभावित परेशानियों की चिंता उसे भीतर से तोड़ देती है। डर सबसे पहले मन को हराता है और जब मन हार जाता है, तो बाहरी जीत भी असंभव हो जाती है। इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े पतन बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि अंदर के भय से हुए हैं। महान वही होता है, जो डर के बावजूद आगे बढ़े, जो व्यक्ति केवल सामने की वास्तविकता पर ध्यान देता है और अपने कर्म करता है, वही अपने भविष्य को सही दिशा दे पाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अनदेखी आशंकाओं से डरने के बजाय, उन्हें समझें और विवेक से उनका सामना करें। जब इंसान अपने मन के भय से मुक्त हो जाता है, तभी वह वास्तव में स्वतंत्र होता है और यही सच्ची जीत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,294.66	25,713
बढ़त	479.9	141.75
प्रतिशत में	0.58	0.55

सोना 1,62,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,72,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, मंगलवार, 24 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भारत ने मेडागास्कर को 7,000 टन फोर्टिफाइड चावल का निर्यात किया

नई दिल्ली। भारत ने पूर्वी अफ्रीकी देश मेडागास्कर को 7,000 टन फोर्टिफाइड चावल का निर्यात किया है। भारतीय चावल निर्यातक संघ ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में इसे वैश्विक पोषण और मूल्य वर्द्धित कृषि उत्पादों में नेतृत्व के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया है। उसने बताया कि संघ के सदस्य वीआई एक्सपोर्ट्स इंडिया को यह ऑर्डर प्राप्त हुआ था। चावल की इस खेप को कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने 19 फरवरी को कांडला बंदरगाह से रवाना किया। कहा गया है कि अफ्रीकी महाद्वीप अब भी कुपोषण की समस्या से जूझ रहा है।

ओडिशा का दुर्लभ खनिज क्षेत्र 2032 तक 20 अरब डॉलर का होगा

नई दिल्ली। ओडिशा का दुर्लभ खनिज क्षेत्र वर्ष 2032 तक आठ अरब डॉलर से बढ़कर 18-20 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा, जबकि प्रसंस्करण और विनिर्माण का हिस्सा चार गुना हो जाएगा। एक उद्योग निकाय के अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है। हाल ही में संपन्न 'ग्लोबल क्लीनटेक एक्सपो-ओडिशा 2026' में 'नेट ज़ीरो एनर्जी ट्रांज़िशन एसोसिएशन' (एनईटीआरए) के नए अनुमानों के मुताबिक, राज्य दुर्लभ खनिज क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम उठाने के लिए तैयार है। अध्ययन से पता चलता है कि ओडिशा खनिज उत्पादन मूल्य वर्ष 2025 के आठ अरब डॉलर से बढ़कर 2032 तक 18-20 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

सीबीएम, खोजे गए छोटे क्षेत्रों के लिए बोली लगाने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने विशेष कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) और खोजे गए छोटे क्षेत्रों (डीएसएफ) के लिए बोली लगाने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। सरकार के इस फैसले से निवेशकों को तेल और गैस नियमों में हाल के बदलावों पर विचार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के अनुसार, विशेष सीबीएम बोली दौर में कोयले की परत के नीचे से निकलने वाली संभावित गैस के लिए प्रस्तावित 13 ब्लॉक या क्षेत्रों की बोलियां अब तीन मार्च को बंद होगीं।

गैरकानूनी ढंग से बीमा उत्पाद बेचने के बजाय अपने कारोबार पर ध्यान दें बैंक

वित्त मंत्री ने दी चेतावनी, कहा- बीमा उत्पादों की गलत बिक्री कानून के तहत अपराध

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत सीतारमण ने कहा, बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जताई है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और इरेडा के बीच फंसा रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था। इसमें कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे।

सीतारमण ने कहा, मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध है। बैंकों को गैर-बैंकिंग उत्पाद बेचने के बजाय कम लागत वाली जमा या कासा (चालू खाता बचत खाता) आधार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक में मौजूद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

पहले से होता है बीमा कवर, फिर भी पॉलिसी लेने को करते हैं बाध्य

सीतारमण ने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है। आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरेडा) का मानना था कि बैंक उसके प्रत्यक्ष नियमन में नहीं आते। इस नियामकीय अंतर के कारण ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रखकर गृह ऋण लेता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा लेने को क्यों कहा जाता है जबकि जोखिम पहले से कवर होता है। सीतारमण ने दोहराया कि बैंकों को अपने ग्राहकों की जरूरतों, उनकी वित्तीय स्थिति एवं कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान देना चाहिए। बैंकों का मुख्य कार्य जमा जुटाना एवं ऋण देना है।

एयरटेल एनबीएफसी विस्तार को 20,000 करोड़ रुपये डालेगी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) 'एयरटेल मनी लिमिटेड' के लिए बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अगले कुछ वर्षों में इसमें 20,000 करोड़ रुपये की पूंजी डाली जाएगी।

कंपनी ने कहा कि इस पूंजी में 70% योगदान एयरटेल और शेष 30% हिस्सा प्रवर्तक समूह भारती एंटरप्राइजेज की तरफ से आएगा। एयरटेल मनी को 13 फरवरी, 2026 को आरबीआई से एनबीएफसी के रूप में काम करने का लाइसेंस मिला है। एनबीएफसी एयरटेल मनी लिमिटेड के लिए बड़ी योजनाओं की घोषणा भारत में 'ऋण अंतर' कम करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शेयर बाजार में आई तेजी 480 अंक चढ़ा सेंसेक्स

- अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर फैसले से लौटा हौसला

मुंबई। अमेरिका में व्यापक टैरिफ आदेश रद्द होने से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वाहन और वित्तीय शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 480 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में 142 अंक की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 479.95 अंक यानी 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक चढ़कर 83,486.15 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 141.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,713 अंक पर बंद हुआ। दिन में एक समय यह 200.2 अंक चढ़कर 25,771.45 अंक तक चला गया था।

स्वदेशी गौवंश आनुवंशिकी एवं जीनोमिक्स के इंटीग्रेटेड सेंटर की शुरुआत

- बरेली में हुई बड़ी शुरुआत, वन मंत्री डॉ. अरुण ने उद्घाटन किया

बरेली, अमृत विचार। प्रदेश के पशुधन एवं डेयरी क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में सोमवार को बीएल कामधेनु परिसर में वनमंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने स्वदेशी गौवंश आनुवंशिकी एवं जीनोमिक्स के लिए इंटीग्रेटेड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया।

करीब 25 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह एकीकृत परिसर स्वदेशी नस्लों के संरक्षण, संवर्धन और वैज्ञानिक उन्नयन के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। केंद्र में उन्नत इन विट्रो फर्टिलाइजेशन-एम्ब्रियो ट्रांसफर (आईवीएफ-ईटी) प्रयोगशाला, आधुनिक पैथोलॉजी परीक्षण प्रयोगशाला तथा जीनोमिक विश्लेषण सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। पैथोलॉजी प्रयोगशाला के माध्यम से पशुओं में रोगों की शीघ्र और सटीक पहचान सुनिश्चित की जाएगी, जिससे जैव-सुरक्षा मजबूत होगी और पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि होगी। जीनोमिक प्रयोगशाला नस्ल सुधार, श्रेष्ठ पशुओं की पहचान तथा वैज्ञानिक, डेटा-आधारित प्रजनन प्रणाली को बढ़ावा देगी। वहीं आईवीएफ-ईटी तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्लों के नियंत्रित एवं तीव्र संवर्धन को गति मिलेगी। वन मंत्री डॉ. अरुण ने इस मौके पर कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री के 360 डिग्री समग्र विकास दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा डेयरी उत्पादक राज्य है और वैज्ञानिक प्रजनन पद्धतियों तथा उन्नत जीनोमिक अनुसंधान के माध्यम से राज्य उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, विशेषकर मीथेन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में भी योगदान दे सकता है। बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज़ के अध्यक्ष घनश्याम खंडेलवाल ने कहा, आज का दिन भारतीय पशुपालन क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत और ब्राज़ील के बीच गहरे और सुदृढ़ संबंधों की आधारशिला पर निर्मित हुआ है।

वनमंत्री डॉ. अरुण ने इंटीग्रेटेड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया।

मेरठ में इंडिया सोलर एंड ई-व्हीकल एक्सपो 2026 का भव्य समापन

मेरठ, अमृत विचार। आईए भवन में आयोजित इंडिया सोलर एंड ई व्हीकल एक्सपो 2026 का सोमवार को तीसरे व अंतिम दिन भव्य समापन हुआ। कार्यदिवस होने के बावजूद अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी। उद्योग, व्यापार के साथ आम लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

एक्सपो के साथ आईआईए की केंद्रीय कार्यकारिणी बैठक भी आईए भवन में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने की। बैठक में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट आलोक अग्रवाल और जनरल सेक्रेटरी दीपक बजाज सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक विषयों एवं औद्योगिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। शाम 5 बजे आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीडीओ मेरठ नूपुर गोयल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योग विभाग के अतिरिक्त निदेशक उमेश सिंह उपस्थित रहे।

अंतिम दिन भी उमड़ी भारी भीड़

एक्सपो में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करते मुख्य अतिथि।

माइक्रोटेक को सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार

समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार माइक्रोटेक को प्रदान किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः ल्युमिनस, लुनो और लूम को प्रदान किए गए। विजेताओं को सम्मानित कर उनके नवाचार और प्रस्तुति की सराहना की गई। तीन दिवसीय इस एक्सपो ने उद्योग, नवाचार और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए। आयोजन ने न केवल सौर ऊर्जा एवं ई-वाहनों के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि उद्योग जगत, प्रशासन एवं आमजन के बीच सार्थक संवाद का भी सशक्त मंच प्रदान किया। इससे पहले मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आयोजकों के प्रयासों की सराहना की और सौर ऊर्जा एवं ई-वाहनों को भविष्य की आवश्यकता बताया।

अनिल अंबानी के बैंक खातों को धोखाधड़ी वाला करार देने की कार्यवाही जारी रहेगी

- बंबई हाईकोर्ट ने एकल पीठ के आदेश को अवैध और विकृत करार देते हुए रद्द किया

मुंबई, एजेंसी

बंबई उच्च न्यायालय ने उद्योगपति अनिल अंबानी को झटका देते हुए एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें उनके एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंक और लेखा परामर्श कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी की, दिसंबर 2025 में पारित एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए इसे अवैध एवं विकृत करार दिया। अंबानी के वकीलों ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि आदेश पर रोक लगाई जाए ताकि वे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकें, लेकिन अदालत ने यह मांग ठुकरा दी। अंबानी एवं उनकी कंपनी को अंतरिम राहत देने वाले दिसंबर 2025 के आदेश को तीनों बैंक ने पिछले महीने चुनौती दी थी।

उस आदेश में अनिवार्य रिजर्व बैंक नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा गया था कि बैंक वर्षों बाद गहरी नींद से जागे हैं। एकल पीठ ने इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा की गई वर्तमान और भावी कार्रवाई पर रोक लगाते हुए कहा था कि यह कार्रवाई कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण फोरेंसिक ऑडिट पर आधारित है और भारतीय रिजर्व बैंक के अनिवार्य निर्देशों का उल्लंघन करती है।

बीमा लेने में बरतें सावधानी

नियम-शर्तों पर गौर करना बेहद जरूरी

बीमा जीवन और स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों के लिए बेहद आवश्यक है। इसी कारण हाल ही में बीमा क्षेत्र में कई बदलाव किए गए हैं। नए नियमों के तहत बीमा क्षेत्र में अब 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है जो पहले 74 प्रतिशत थी। इससे क्षेत्र में नई पूंजी और तकनीक आने की उम्मीद है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को हटा दिया है। फिर भी बीमा लेते वक्त बेहद जरूरी है कि पॉलिसी के सभी नियम-शर्तों को जान लिया जाए।

देश का बीमा क्षेत्र

- देश में बीमा क्षेत्र मिश्रित अर्थव्यवस्था का हिस्सा है जहां सार्वजनिक यानी सरकारी और निजी दोनों प्रकार की कंपनियां काम करती हैं।
- केंद्र ने सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक 2025 पारित किया है, ताकि 2047 तक हर किसी बीमा सुरक्षा मिले।

जीवन और स्वास्थ्य बीमा

- जीवन बीमा व्यक्ति की मृत्यु या एक निश्चित आयु के बाद उसे वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य बीमा बीमारी या दुर्घटना होने की स्थिति में अस्पताल के खर्चों को कवर करता है।

ये सावधानी रखना जरूरी

- हमेशा उस कंपनी को चुनें जिसने कुल प्राप्त दावों में से अधिकतम का भुगतान किया हो।
- अपनी पुरानी बीमारियों को न छुपाएं। गलत जानकारी देने पर क्लेम खारिज हो सकता है।
- स्वास्थ्य बीमा में कुछ बीमारियों के लिए 2-4 साल का वेटिंग पीरियड होता है, चेक कर लें।
- पॉलिसी के बाद शर्तों से संतुष्ट न होने पर 15 से 30 दिन में पॉलिसी वापस कर सकते हैं।
- स्वास्थ्य बीमा लेते वक्त देखें आपके क्षेत्र के प्रमुख अस्पताल नेटवर्क में शामिल हैं या नहीं।

अगर चूकवश गलत पॉलिसी ले ली है तो...

- हर नई पॉलिसी के साथ 15 से 30 दिनों का 'फ्री-लुक पीरियड' मिलता है। इस अवधि के भीतर पॉलिसी रद्द करा सकते हैं।
- स्वास्थ्य और वाहन बीमा के मामले में यदि समस्या पुरानी पॉलिसी की सेवाओं या शर्तों से है तो आप पॉलिसी को उसे दूसरी कंपनी में पोर्ट कर सकते हैं।
- स्वास्थ्य बीमा के मामले में वर्तमान पॉलिसी के वेटिंग पीरियड का लाभ गंवाए बिना रिन्यूअल के समय दूसरी कंपनी में जा सकते हैं।

व्हाट्सएप ने एनसीएलएटी के निर्देश मानने की भरी हामी

- विज्ञापन से जुड़े डेटा पर भी गोपनीयता संबंधी मानक लागू करने का दिया गया था निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा और उसके त्वरित संदेश मंच व्हाट्सएप ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वे अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के उस निर्देश का पालन करेंगे, जिसमें प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा तय गोपनीयता एवं सहमति संबंधी मानकों को विज्ञापन से जुड़े डेटा पर भी लागू करने को कहा गया है।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ दिसंबर 2025 में आए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की उस अपील पर भी विचार कर रही है जिसमें एनसीएलएटी द्वारा व्हाट्सएप और मेटा को विज्ञापन उद्देश्यों के लिए उपयोगकर्ताओं का डेटा साझा करने की अनुमति दिए जाने को चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि स्थगन की मांग वाली याचिकाएं एनसीएलएटी के 15 दिसंबर, 2025 के आदेश के उस हिस्से पर रोक चाहती हैं, जिसमें सीसीआई के निर्देशों का पालन करने को कहा गया था।

व्हाट्सएप का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अपीलकर्ता कंपनियों ने 16 मार्च तक न्यायाधिकरण के निर्देशों को लागू करने का फैसला किया है। इस पर पीठ ने स्थगन याचिकाएं खारिज करने के साथ यह स्पष्ट किया कि मुख्य अपील में उठाए गए मुद्दों पर इससे कोई असर नहीं होगा। अदालत ने कंपनियों से अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी। शीर्ष अदालत इन कंपनियों की उस अपील पर सुनवाई कर रही है, जिसमें प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा व्हाट्सएप की गोपनीयता नीति के मामले में 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने तीन फरवरी को मामले में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि नागरिकों के निजता के अधिकार से डेटा साझा करने के नाम पर खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है।

परिधान निर्यात अप्रैल से जनवरी में 1.6% बढ़ा

नई दिल्ली। एईपीसी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर दिक्कतों और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद भारत के परिधान निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी की अवधि के दौरान 1.6 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने कहा कि इटली में सर्वाधिक 16% निर्यात हुआ।

लक्जरी घरों की बिक्री में गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ा

- गुरुग्राम में 24,120 करोड़ के घर बिके, मुंबई में 21,902 करोड़ के

नई दिल्ली, एजेंसी

गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री 2025 में मूल्य के हिसाब से 80 प्रतिशत बढ़कर 24,120 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ दिया है।

रियल एस्टेट सलाहकार 'इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी' (आईएसआईआर) और डेटा विश्लेषक कंपनी सीआरई मैट्रिक्स द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) स्थित गुरुग्राम ने 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले मकानों की बिक्री के कुल मूल्य के मामले में मुंबई को पीछे छोड़ दिया। इस श्रेणी में गुरुग्राम में 24,120 करोड़ रुपये जबकि मुंबई में 21,902 करोड़ रुपये के घरों की बिक्री हुई। आंकड़ों के मुताबिक गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री पिछले कैलेंडर वर्ष में लगभग तीन गुना होकर 1,494 इकाई पर पहुंच गई, जो 2024 में 519 इकाई रही थी। मूल्य के आधार पर बिक्री 2024 के 13,384 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 24,120 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट कहती है, मुंबई पारंपरिक रूप से देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट बाजार रहा है, लेकिन 2025 के दौरान 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की कुल बिक्री के मूल्य के मामले में गुरुग्राम उससे आगे निकल गया।

इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी की निदेशक (एरिया) टीना तलवार ने कहा, खास बात यह है कि यह वृद्धि अब केवल पुराने प्रतिष्ठित इलाकों तक सीमित नहीं है। द्वारका एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड जैसे उभरते बाजार सामूहिक रूप से संरचनात्मक विस्तार को गति दे रहे हैं जिसे बुनियादी ढांचे में सुधार, बेहतर परियोजनाओं की पेशकश और बेहतर संपर्क का समर्थन मिल रहा है।

भारतीय कंपनियों में औसतन 9.1% वेतन वृद्धि की संभावना

मुंबई। भारतीय कंपनियां 2026 में औसतन 9.1 प्रतिशत की वेतन वृद्धि कर सकती हैं। सोमवार को जारी ईवाई की 'फ्यूचर ऑफ पे' रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां अब अपने वेतन ढांचे में बदलाव कर रही हैं और कौशल और प्रदर्शन के आधार पर वेतन देने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, क्योंकि उनके व्यापारिक उद्देश्य और प्राथमिकताएं बदल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक क्षमता केंद्रों में सबसे अधिक वेतन वृद्धि (10.4 प्रतिशत) होने का अनुमान है। इसके बाद वित्तीय सेवाओं में लगभग 10 प्रतिशत, ई-कॉमर्स में 9.9 प्रतिशत और जीवन विज्ञान व औषधि क्षेत्र में 9.7 प्रतिशत वेतन वृद्धि होने की संभावना है। रिपोर्ट में भारत के 16 क्षेत्रों और 178 कंपनियों के आंकड़े शामिल किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर 2025 में घटकर 16.4% रह गई, जो 2024 में 17.5% थी। रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश कर्मचारी, यानी 80 प्रतिशत से अधिक, स्वेच्छा से नौकरी बदल रहे हैं, न कि कंपनियों के दबाव में। ईवाई इंडिया के विशेषज्ञ अभिषेक सेन ने कहा कि अब कंपनियां अपने कर्मचारियों में निवेश करने के तरीके में बदलाव कर रही हैं।

अस्पष्ट स्थिति

ट्रंप की 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद अब तक जारी नहीं हुई अधिसूचना

अमेरिकी टैरिफ को लेकर भारतीय निर्यातक असमंजस में

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नए वैश्विक शुल्क लगाने की घोषणा के बाद भारतीय निर्यातकों के बीच 24 फरवरी से प्रभावी शुल्क की दर को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। पिछले सप्ताह अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भारत समेत करीब 60 देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाने वाले ट्रंप के आदेश को अवैध ठहरा दिया था। उसके तत्काल बाद ट्रंप प्रशासन ने भारत सहित सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का आदेश जारी कर दिया।

आदेश जारी होने के कुछ घंटों के भीतर ट्रंप ने इस शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक करने की घोषणा कर दी लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। इससे निर्यातक समुदाय में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, वर्तमान आदेश के अनुरूप 24 फरवरी से भारतीय वस्तुओं पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा। लेकिन 15 प्रतिशत शुल्क को लेकर कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है, इसलिए अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि 150 दिन के बाद की शुल्क व्यवस्था को लेकर भी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। मुंबई स्थित टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज इंडिया के संस्थापक चेयरमैन शरद कुमार सराफ ने कहा, भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका प्रमुख बाजार है और आयात शुल्क को लेकर अस्थिरता होने से कारोबारी धारणा पर असर पड़ता है। शुल्क से जुड़े इस नाटक पर अब पर्दा गिर जाना चाहिए। वर्ष 2021-25 के दौरान अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा वस्तु व्यापार साझेदार रहा और भारत के कुल निर्यात का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को गया।

अमेरिकी टैरिफ पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अमेरिकी टैरिफ में किए गए बदलावों के प्रभाव पर बात करना अभी जल्दबाजी होगी। वाणिज्य मंत्रालय अबी इस स्थिति की समीक्षा कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था से परे विशेष रूप से व्यापार के मुद्दे पर वाणिज्य मंत्रालय स्थिति की समीक्षा कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल को यह तय करना होगा कि आगे की वार्ताओं के लिए वे कब जाएंगे। इसलिए मेरे लिए अभी टिप्पणी करना थोड़ी जल्दबाजी होगी। सूत्रों के अनुसार, भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार से वॉशिंगटन में होने वाली मुख्य वार्ताकारों की प्रस्तावित बैठक को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

सैन्य अभियान में ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत के बाद मेक्सिको में फैली हिंसा

- मेक्सिकन सुरक्षा बलों के साथ अमेरिकी एजेंटों ने मार गिराया

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

पश्चिमी मेक्सिको में देश के सर्वाधिक वांछित ड्रग माफिया नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंटेस उर्फ 'एल मेंचो' को अमेरिकी खुफिया विभाग और स्थानीय सुरक्षा बलों के एक अभियान के दौरान मार दिए जाने के बाद सोमवार को हिंसा फैल गई। ओसेगुएरा ताकतवर जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का सरगना था।

मेक्सिकन सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में वह घायल हो गया था। इलाज के लिए विमान से ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इस अभियान के दौरान कम से कम छह अन्य लोग मारे गए और सुरक्षा बल के कई सदस्य घायल हुए। यह झड़प रविवार को जलिस्को राज्य के एक शहर तपाल्पा में हुई।

मेक्सिको के रक्षा विभाग के मुताबिक, इस टकराव के दौरान सीजेएनजी के चार सदस्य मारे गए और सेना के तीन जवान घायल हो गए। कई राज्यों में सोमवार को स्कूल बंद कर दिए गए। मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में देश के सुरक्षा बलों की तारीफ की और शांति बनाए रखने की अपील की।

भारतीय दूतावास ने जारी किया परामर्श

मेक्सिको में भड़की हिंसा के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने देश में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी किया जिसमें उनसे सावधानी बरतने और घरों के अंदर रहने का आग्रह किया गया है। मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा कि मेक्सिको में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को सूचित किया जाता है कि सुरक्षा अभियान जारी हैं और इससे जुड़े सड़क अवरोध एवं आपराधिक गतिविधियां हो रही हैं।

पर्यावरण के लिए खतरनाक संकेत

उच्च पराबैंगनी विकिरण

केरल में हाल के दिनों में पराबैंगनी विकिरण के स्तर में असामान्य बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने राज्य के कई हिस्सों में यूवी इंडेक्स 12 तक पहुंचने की सूचना दी है, जो अत्यधिक (एक्सट्रीम) श्रेणी में आता है। यह स्थिति केवल गर्मी बढ़ने का संकेत नहीं है, बल्कि यह सीधे हमारे स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती है। पराबैंगनी विकिरण सूर्य से आने वाली ऊर्जा का वह हिस्सा है जिसे हम अपनी आंखों से देख नहीं सकते, लेकिन इसका प्रभाव हमारी त्वचा और शरीर पर गहराई से पड़ता है। आमतौर पर, पृथ्वी की ओजोन परत इन किरणों के सबसे हानिकारक हिस्से को सोख लेती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन और ओजोन परत के पतले होने के कारण ये किरणें अधिक तीव्रता के साथ धरातल तक पहुंच रही हैं। केरल में यूवी की स्थिति पर्यावरण के लिए एक खतरनाक संकेत है।

इन स्थितियों में बढ़ता है यूवी स्तर

- सूर्य की स्थिति : जब सूरज सीधे सिर के ऊपर होता है (दोपहर 10 से 3 बजे के बीच), तब पराबैंगनी किरणों के विकिरण का स्तर सबसे अधिक होता है।
- अक्षांश : भूमध्य रेखा (ईक्वेटर) के आसपास के क्षेत्रों में पराबैंगनी विकिरण (अल्ट्रावायलट रेज) का स्तर हमेशा अधिक रहता है।
- ऊंचाई : ऊंचाई बढ़ने के साथ हवा पतली होती जाती है, जिससे UV किरणें कम छन पाती हैं। मुन्नार जैसे पहाड़ी इलाकों में उच्च यूवी का यही कारण है।
- ओजोन परत : ओजोन परत में कमी आने पर अधिक हानिकारक किरणें जमीन तक पहुंचने लगती हैं जो पर्यावरण को क्षति पहुंचाती हैं।

उच्च पराबैंगनी (यूवी) किरणें क्या हैं

- पराबैंगनी किरणें विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम का हिस्सा हैं जिनकी तरंग दैर्ध्य (वेवलेंथ) दृश्य प्रकाश से कम होती है। इन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है।
- यूवीए : इसकी तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है। ओजोन परत इसे अवशोषित नहीं कर पाती है। यह त्वचा के गहराई तक जाती है और समय से पहले बुढ़ापे के लिए जिम्मेदार है।
- यूवीबी : इसकी तरंगदैर्ध्य मध्यम होती है। यह त्वचा की ऊपरी परत को जलाती है और सनबर्न के साथ-साथ अधिकांश त्वचा कैंसर का कारण बनती है।
- यूवीसी : इसकी तरंगदैर्ध्य सबसे छोटी होती है। यह सबसे खतरनाक होती है, लेकिन शुक्र है कि ओजोन परत इसे पूरी तरह सोख लेती है और यह धरती तक नहीं पहुंच पाती है।

समस्याएं : विकिरण बढ़ने पर सनबर्न, त्वचा रोग, झुर्रियां, त्वचा पर काले धब्बे, त्वचा कैंसर की समस्या हो सकती है।

यूवी इंडेक्स को समझें

- 0-2 (निम्न श्रेणी) : इस इंडेक्स स्तर में जोखिम काफी कम रहता है, लेकिन ऐसी स्थिति में आंखों को किसी नुकसान से बचाने के लिए धूप का चश्मा पहनें।
- 3-5 (मध्यम श्रेणी) : इस स्थिति में छाया में रहें और सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।
- 6-7 (उच्च श्रेणी) : सनस्क्रीन और टोपी का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए।
- 8-10 (बहुत उच्च श्रेणी) : इस इंडेक्स स्तर पर धूप में कम से कम निकलें।
- 11+ (अत्यधिक) : केरल के कुछ हिस्सों में दर्ज किया गया है। बाहर निकलने से बचें।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप को टैरिफ पर संसद से मंजूरी लेनी चाहिए

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिका के पूर्व कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल नील कात्याल ने कहा कि यदि ट्रंप के टैरिफ (शुल्क) वास्तव में इतने अच्छे विचार हैं, तो उन्हें इन्हें लागू कराने के लिए अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को मनाने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। कात्याल ने कहा कि अमेरिकी संविधान के अनुसार इतने व्यापक शुल्क उपायों को लागू करने के लिए राष्ट्रपति को विधायी स्वीकृति (कांग्रेस की मंजूरी) अवश्य लेनी चाहिए।

नासा की चंद्र रॉकेट उड़ान अप्रैल तक टली

केप कैनवेरल। नासा अपने विशाल चंद्र रॉकेट को अंतरिक्ष यात्रियों के सवार होने से पहले और मरम्मत के लिए इस सप्ताह फिर से हैंगर में वापस लाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, कम से कम अप्रैल तक उड़ान स्थगित रहेगी। मौसम अनुकूल रहने पर मंगलवार को केनेडी स्पेस सेंटर परिसर में रॉकेट को वापस ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

अलास्का तट के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप

अलास्का। अमेरिका के अलास्का तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने दी। भूकंप जीएमटी 05:11 पर आया। इसका केंद्र निकोल्स्कोये से लगभग 86 किलोमीटर (53 मील) दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और इसकी गहराई 25.4 किमी मापी गई। जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है।

26 को भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 26 फरवरी को भारत का दौरा करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करना तथा रक्षा, ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित करना है। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कार्नी पहले मुंबई और फिर नई दिल्ली जाएंगे, जहां वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन की पुलिस ने जेफरी एप्स्टीन के साथ संबंधों से जुड़े कदाचार मामले की जांच के तहत ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि अधिकारियों ने सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में उत्तरी लंदन से 72-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध की पहचान पहले ही मैंडेलसन के रूप में की गई है।

अमेरिका के साथ मतभेदों को वार्ता के जरिए सुलझाने को ईरान तैयार

टकराव के जोखिम के बीच गुरुवार को तीसरी बार बातचीत के लिए साथ बैठेंगे दोनों देश

- ईरानी विदेशमंत्री ने कहा, अभी भी कूटनीतिक समाधान संभव

काहिरा, एजेंसी

अमेरिका और ईरान ने परमाणु समझौते को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण के बावजूद बातचीत जारी रखने का फैसला किया है मगर अमेरिका की ओर से सैन्य तैनाती में उल्लेखनीय वृद्धि ने इस प्रक्रिया की नाजुकता और टकराव के जोखिम को उजागर किया है। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने एक बार फिर कहा कि ईरान अमेरिका के साथ मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने को तैयार है। कहा कि वह गुरुवार को जिनेवा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात कर सकते हैं और यह अब भी संभव है कि ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान निकाला जाए।

ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी ने रविवार को कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जिनेवा में होगा। उन्होंने एक्स पर कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता इस गुरुवार को जिनेवा में तय हुई है और समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार रविवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रोसी के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें रचनात्मक सहभागिता और संवाद के रास्ते को अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया, ताकि एक टिकाऊ परमाणु समझौता हासिल किया जा सके। यह बातचीत अराघची के उस बयान के बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान दो से तीन दिनों में संभावित परमाणु समझौते का मसौदा तैयार कर लेगा।

समझौते को विभिन्न पहलुओं पर हो रहा काम

ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने कहा कि दोनों पक्ष संभावित समझौते के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे हैं और गुरुवार को प्रारंभिक मसौदे पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समझौते में ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को मान्यता मिलनी चाहिए और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध हटाए जाने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय परमाणु कार्यक्रम के तहत यूरेनियम संवर्धन के अधिकार पर ईरान के अडिग रुख को दोहराया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान और अमेरिका 2015 में हुए समझौते से बेहतर परमाणु समझौता कर सकते हैं। उनके अनुसार, इस बार अत्यधिक बारीकियों में जाने की जरूरत नहीं है।

अस्थायी समझौते को तैयार नहीं ईरान

तेहरान। ईरान ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिकी अधिकारियों के साथ अपनी बातचीत में किसी अंतरिम समझौते के विचार का समर्थन नहीं करता है। उसने इसके बजाय प्रतिबंधों को हटाने और परमाणु-संबंधी मुद्दों को सुलझाने पर केंद्रित एक त्वरित और परिणाम आधारित समझौते की शर्त रखी है।

अमेरिका ने लेबनान से बुलाए राजनयिक

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव और सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच लेबनान में तैनात अपने गैर जरूरी राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों को वापस आने का आदेश दिया है।

नीदरलैंड में नई गठबंधन सरकार ने ली शपथ

द हेग। नीदरलैंड के राजा विलेम एलेक्जेंडर ने रॉब जेटेन के नेतृत्व वाली नई अल्पमत गठबंधन सरकार को सोमवार को शपथ दिलाई। जेटेन (38) नीदरलैंड के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अल्पमत की वजह से उन्हें चार साल का कार्यकाल पूरा करने और विभिन्न विधेयकों को पारित कराने के लिए कई मोर्चों पर समझौता करना पड़ सकता है। जेटेन तीन दलों के गठबंधन का नेतृत्व करते हैं। इसमें उनकी मध्यमार्गी डी66 पार्टी, मध्य-दक्षिणपंथी क्रिश्चियन डेमोक्रेट पार्टी और पीपुल्स पार्टी फॉर फ्रीडम एंड डेमोक्रेसी शामिल हैं।

नीदरलैंड की संसद के 150 सदस्यीय निचले सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन के महज 66 सदस्य हैं। ऐसे में जेटेन को अपनी सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले प्रत्येक कानून के लिए समर्थन जुटाने के वास्ते विपक्षी सांसदों को भरोसे में लेना होगा। राजा विलेम एलेक्जेंडर ने आम चुनाव के 117 दिन बाद जेटेन और उनकी सरकार के मंत्रियों को द हेग स्थित शाही महल के ऑरेंज हॉल में शपथ दिलाई। राजा ने नई सरकार को अनिश्चितता के दौर में सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

एआई समिट में दुनिया ने देश की क्षमता को सराहा

- पीएम मोदी बोले-मानवता के काम आएगी हमारे युवाओं की सोच

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हाल में हुए एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में भारत के सामर्थ्य की पूरी दुनिया ने जमकर सराहना की, जिससे यह साबित होता है कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की युवा प्रतिभाओं की सोच मानवता के लिए बहुत लाभदायक होगी। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन का समापन एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने के साथ हुआ, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर वैश्विक सहयोग में मील का पत्थर है।

मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि दिल्ली में हुए ऐतिहासिक एआई शिखर सम्मेलन में पूरी दुनिया ने भारत के सामर्थ्य की जमकर सराहना की है। इससे पता चलता है कि प्रौद्योगिकी को लेकर हमारे युवा साथियों की सोच पूरी मानवता के बहुत काम आने वाली है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के घोषणापत्र पर 89 देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं जो आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई का लाभ उठाने पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाता है। इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उपस्थित थे।

समिट में समावेशी विकास की कल्पना

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की विषय वस्तु पर आधारित इस शिखर सम्मेलन को भारत को एआई के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में एक ऐसे भविष्य की कल्पना की गई जिसमें एआई मानवता को आगे बढ़ाए, समावेशी विकास को बढ़ावा दे और पृथ्वी के हितों की रक्षा करने में मदद करे। कार्यक्रम में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेई प्लेनकोविक, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्लै, एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस और फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो भी शामिल हुए।

यूनुस ने मुझे पद से हटाने के लिए रची थी साजिश

- बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने लगाया आरोप

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कहा है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मो. यूनुस ने संवैधानिक प्रावधानों का पालन नहीं किया और युनूस ने उन्हें पद से हटाने के लिए साजिश भी रची । उन्होंने आरोप लगाया कि न तो उन्हें विदेश दौरों की जानकारी दी गई और न ही राज्य के मामलों पर कोई जानकारी उपलब्ध करवाई गई थी।

कालेर कंठ पेपर ने शहाबुद्दीन के हवाले से कहा कि मुख्य सलाहकार कई बार विदेश गए, लेकिन लौटने के बाद कभी राष्ट्रपति से मुलाकात नहीं की और न ही किसी तरह की लिखित रिपोर्ट सौंपी, जबकि यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राष्ट्रपति ने कहा, मुख्य सलाहकार ने संविधान के किसी भी प्रावधान का पालन नहीं किया। जब भी वह विदेश जाते थे, उन्हें लौटकर राष्ट्रपति से मिलना और परिणामों की जानकारी लिखित रूप में देना चाहिए था। वह 14 से 15 बार विदेश गए, लेकिन एक बार भी मुझे सूचना नहीं दी। वह कभी मुझसे मिलने नहीं आए। शहाबुद्दीन ने कहा कि उस अवधि में उन्हें पूरी तरह अंधेरे में रखा गया और कोसोवो तथा कतर की उनकी दो विदेश यात्राएं भी रोक दी गयीं। तत्कालीन राजनीतिक तनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे यूनुस का एक भी फोन कॉल भी नहीं आया।

विदेश मंत्रालय से बंधक मामले में मांगी सलाह

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने थाईलैंड में एक नियोक्ता द्वारा बंदी बनाए गए ओडिशा के छह श्रमिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय की राय पूछी है। सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। आयोग ने एक खबर पर स्वतः संज्ञान लिया कि केंद्रपाड़ा और भद्रक जिलों के छह लोगों को पिछले छह महीने से थाईलैंड में बैंकॉक के पास एक इलाके में नियोक्ता द्वारा प्रताड़ित किया गया। यह घटना 17 फरवरी को तब सामने आई जब पीड़ितों ने अपनी दुर्दशा का वर्णन करते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया। आरोप के अनुसार, उन्हें एक कारखाने के अंदर कैद कर दिया गया और उनके नियोक्ता द्वारा शारीरिक, साथ ही, मानसिक यातना दी गई।

दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय ड्रग की तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

- पांच तस्कर गिरफ्तार, नौ करोड़ की नशीली गोलियां बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने ब्रिटेन से कथित तौर पर जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और नौ करोड़ रुपये मूल्य की 18 लाख से अधिक मनःप्रभावी गोलियां जब्त की हैं। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच में एक संगठित दवा तस्करी गिरोह का पता चला जो लॉजिस्टिक कंपनियों, कूरियर सेवाओं और निर्यात के सामान के जरिए प्रतिबंधित दवाइयों को विदेश भेजता था।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि यह मामला पिछले साल सात अक्टूबर का है, जब अपराध शाखा की एक टीम ने विशेष सूचना के आधार पर सरिता विहार में जाल बिछाया था और मोहम्मद आबिद (50) को गिरफ्तार किया और उसके पास से 14.472 किलोग्राम वजन की ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की 54,000 गोलियां बरामद कीं। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई तो पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में पता चला। आबिद ने बताया कि वह ये गोलियां रिश्तेदार के दामाद जावेद खान से लेता था। अधिकारी ने बताया कि खान को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में समाल्का स्थित प्रहलाद लॉजिस्टिक्स के मालिक सुनील का नाम लिया।

नेपाल में त्रिशूली नदी में गिरी बस, 19 यात्रियों की गई जान

- मृतकों में एक ब्रिटिश और एक चीनी नागरिक भी शामिल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के धादिंग में रविवार देर रात एक बस के त्रिशूली नदी में गिर जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 25 घायल हो गए। मृतकों में दो विदेशी भी शामिल हैं। विदेशियों में एक ब्रिटिश व एक चीनी नागरिक भी शामिल है।

धादिंग के बेनीघाट रोरंग ग्रामीण नगर पालिका के चरौंडी में हुए बस हादसे में घायल यात्रियों को इलाज के लिए काठमांडू भेजा गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पोखरा से काठमांडू जा रही बस देर रात 1:15 बजे त्रिशूली नदी में गिर गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हैं। इनमें से 24 को इलाज के लिए काठमांडू भेजा गया है। बस में 45 लोग सवार थे। मरने वालों में नौ नेपाली नागरिकों की पहचान हो चुकी हैं। मृतक ब्रिटिश नागरिक की पहचान स्टुअर्ट डॉमिनिक ईथन के रूप में हुई है। मरने वालों में एक चीनी नागरिक है, इसकी पुष्टि नेपाल स्थित चीनी दूतावास ने की है। हालांकि नाम का खुलासा नहीं किया है। घायल यात्रियों में एक न्यूजीलैंड और एक चीन का नागरिक है। शवों को पोस्ट-मॉर्टम के लिए गजुरी सामुदायिक अस्पताल भेज दिया गया है। बस रविवार शाम सात बजे पोखरा के टूरिस्ट बस पार्क से रवाना हुई थी। बस पृथ्वी राजमार्ग बस संचालक कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की थी।

भारत की बढ़ी प्रतिष्ठा | फरहान अख्तर निर्मित फिल्म को बाल एवं पारिवारिक श्रेणी में मिला सम्मान

मणिपुरी फिल्म बूंग ने जीता बाफ्टा पुरस्कार

- मणिपुरी पृष्ठभूमि पर निर्मित है हास्य-ड्रामा पर आधारित फिल्म

लंदन, एजेंसी

फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक अलग अंदाज वाली मणिपुरी पृष्ठभूमि की हास्य-ड्रामा फिल्म 'बूंग' ने रविवार को लंदन में सर्वश्रेष्ठ बाल और पारिवारिक फिल्म की श्रेणी में प्रतिष्ठित बाफ्टा पुरस्कार जीता। इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में पहली बार हाथ आजमा रही लक्ष्मीप्रिया देवी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए मणिपुर में शांति के लिए भावुक अपील की।

उन्हें यह पुरस्कार पैडिंगटन द म्यूजिकल के मुख्य किरदार पैडिंगटन बियर से मिला। उनके साथ निर्माता फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी और सहायक निर्देशक राहुल शारदा मौजूद थे। देवी ने कहा, यहां तक पहुंचना उस पहाड़ की चोटी पर पहुंचने जैसा लगा, जिसे चढ़ने के बारे में हमें पहले पता ही नहीं था। उन्होंने कामना की कि मणिपुर में शांति लौटे और विस्थापित बच्चों, जिनमें फिल्म के बाल कलाकार भी शामिल हैं, को फिर से उनकी खुशी मिलें। गुगुन किपगेन और बाला हिजाम अभिनीत इस फिल्म ने लिलो एंड स्टिच, आर्को और जूट्रोपोलिस 2 जैसी फिल्मों को पीछे छोड़कर यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया। बाफ्टा पुरस्कार के 2026 संस्करण का आयोजन थेम्स नदी के किनारे रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया गया।

फिल्म बूंग के लिए पुरस्कार प्राप्त करते एलन मैकएलेक्स, फरहान अख्तर, पैडिंगटन बेयर, लक्ष्मीप्रिया और रितेश सिधवानी।

मोदी ने कलाकारों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) के ईई बाफ्टा फिल्म पुरस्कारों की बाल और पारिवारिक श्रेणी में मणिपुरी फिल्म 'बूंग' को पुरस्कार मिलने पर इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज परिवार में सदस्यों के बीच प्रेम भाव बढ़ेगा। आर्थिक तंगी दूर होगी। नियमों की अनदेखी से आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है।

वृष – आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी। किसी बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। आपके संतुलित विचारों की लोग प्रशंसा करेंगे।

मिथुन – आज आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। विवादित मामलों को अधिक न बढ़ने दें। आपकी कार्यकुशलता में लोग सवाल उठाएंगे।

कर्क – आज व्यावसायिक यात्रा से आपको लाभ प्राप्त होगा। आत्मविश्वास के साथ आप आगे बढ़ें। प्रेम-प्रसंग को आप अत्यधिक महत्व देंगे।

सिंह – आज उच्च अधिकारियों से आपको दिशानिर्देश मिलेंगे। आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। आपकी आलोचना हो सकती है।

कन्या – आज आपकी दिन की शुरुआत अच्छी होगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। नया रोजगार आप शुरू कर सकते हैं।

तुला – आज मन में अज्ञात भय सताएगा। महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में धीमापन रहेगा। अच्छे मित्रों के साथ संबंध खराब न होने दें।

वृश्चिक – आज आपकी पुराने दोस्तों के साथ मुलाकात होगी। आय में वृद्धि होने के प्रबल योग हैं। नई संपत्ति खरीद सकते हैं।

धनु – आज घरेलू कार्य आपको स्थगित करने पड़ सकते हैं। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। समस्याओं का मुकाबला साहसपूर्वक करेंगे।

मकर – आज भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रुका हुआ काम होने से मन प्रसन्न होगा।

कुंभ – आज वैवाहिक प्रस्तावों को लेकर जल्दबाजी न करें। स्वच्छता का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में राजनीति का शिकार हो सकते हैं।

मीन – आज कमीशन संबंधी व्यवसाय से लाभ प्राप्त होगा। बच्चे पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 24 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 07.01 तक तत्पश्चात अष्टमी 25 फरवरी 04.51 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 15.07 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू -71

		1		7	6			8
		9	5				1	
	2			1		6		
2		7		8				
		5				1		9
				9		2		7
		3		2			4	
	7				3	5		
6	1		9	5		8		

सुडोकू - 70 का हल

5	2	8	4	9	7	3	1	6
3	4	9	1	6	2	8	5	7
6	7	1	3	5	8	4	2	9
9	1	6	5	7	3	2	8	4
4	8	2	6	1	9	7	3	5
7	3	5	2	8	4	6	9	1
8	9	4	7	3	1	5	6	2
1	5	7	8	2	6	9	4	3
2	6	3	9	4	5	1	7	8

> स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को बेअसर साबित करने के लिए बस शांत दिमाग, सीमित मूवमेंट और मजबूत इरादे की जरूरत थी। अगर वह खराब गेंद डालता है तो हम उसे दूर खेल सकें। गेंद ज्यादा स्पिन भी नहीं हो रही थी तो यह सही रणनीति थी।
>
> –डेविड मिलर

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 24 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
इंग्लैंड-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे श्रीकांत-तन्वी

मुल्हेम आन डेर रुर (जर्मनी)। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा मंगलवार से यहां शुरू हो रहे जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पिछले सत्र में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 में उप विजेता रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रहे। महिला एकल विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज 16 साल की तन्वी पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी।

केन्या ओपन में 48वें पर रहे शुभंकर

नैरोबी। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने अंतिम दौर में तीन अंडर 67 का शानदार स्कोर बनाकर यहां मैजिकल कीनिया ओपन में संयुक्त 48वां स्थान हासिल किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी वीर अहलावत (69) संयुक्त 53वें स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू कट में जगह बनाने से चूक गए थे। दक्षिण अफ्रीका के केसी जार्विस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीता। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी डेविस ब्रायंट को पीछे छोड़ा। शर्मा ने 10वें होल से शुरुआत करते हुए अपने पहले नौ होल में एक बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाईं।

पीएचएफ के अध्यक्ष ने नई समिति नियुक्त की

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अंतरिम अध्यक्ष ने राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ को बर्खास्त करके एक नई समिति गठित की है। एफआईएच प्रो लीग के लिए पुरुषों की टीम के हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे से जुड़े विवाद ने पीएचएफ के कुप्रबंधन को उजागर किया था। पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम को कैनबरा पहुंचने पर होटल में प्रवेश करने से रोक दिया गया क्योंकि बकाया बिलों का भुगतान नहीं होने के कारण बुकिंग रद्द कर दी गई थी। खिलाड़ियों को सामान के साथ घंटों तक सड़कों पर भटकना पड़ा था।

शिमरॉन हेटमायर।

वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रनों से रौंदा

सुपर-8 मुकाबला

- हेटमायर का तूफानी अर्द्धशतक गुडाकेश मोती ने किए 4 शिकार

मुंबई, एजेंसी

शिमरॉन हेटमायर और रोवमैन पावेल के अर्धशतक के बाद गुडाकेश मोती और अकील हुसैन के फिरकी के जादू से वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में सोमवार को यहां जिम्बाब्वे को 107 रनों से रौंद दिया।

वेस्टइंडीज के 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम बाएं हाथ के स्पिनर मोती (28 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17.4 ओवर में 147 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ के स्पिनर हुसैन ने 28 रन देकर तीन जबकि मैथ्यू फोर्ड ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 21 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों से सर्वाधिक 43 रन बनाए। उनके अलावा डियोन मायर्स (28) और कप्तान सिकंदर रजा (27) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

हेटमायर ने इससे पहले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 34 गेंद में सात छक्कों और इतने ही चौकों से 85 रन की पारी खेलने के अलावा रोवमैन पावेल (59 रन, 35 गेंद, चार चौके, चार छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 122 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 254 रन तक पहुंचाया जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 13 गेंद में दो छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी ने क्रमशः 47 और 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रजा ने तीन ओवर में 52 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और टीम ने 20 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवाए। ताडिवनाशे मरुमानी (14) ने मैथ्यू फोर्ड की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर हेटमायर को कैच थमाया जबकि अगले ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन ने सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (05) को बोल्ड करने के बाद रेयान बर्ल को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में दो अर्धशतक जड़ने वाले बेनेट प्रतियोगिता में पहली बार आउट हुए। डियोन मायर्स (28) ने फोर्ड और हुसैन पर छक्के जड़े। उन्होंने गुडाकेश मोती पर चौके के साथ सातवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। टोनी मुनयोंगा और रजा ने इसके बाद पारी को संभाला। मुनयोंग ने मोती जबकि रजा ने शमार जोसेफ पर छक्का जड़ा और 10 ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 87 रन तक पहुंचाया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे एक बल्लेबाज को बाहर कर सकती है भारतीय टीम

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद चिंता बढ़ी, अगले दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय टीम प्रबंधन खराब फॉर्म में चल रहे तीन में से कम से कम एक बल्लेबाज को बाहर कर सकता है, जबकि शीर्षक्रम में कई खब्बू बल्लेबाजों को उतारने की अपनी रणनीति की भी समीक्षा करेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी रियान टेन डोइशे और सितांशु कोटक ने यह संकेत दिए।

दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में भारत को 76 रन से हराया। अब भारत को अगले दोनों मैच जीतने होंगे लिहाजा टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा (चार मैचों में 15 रन) और तिलक वर्मा (पांच मैचों में 107 रन) के प्रदर्शन पर विचार करना होगा। रिंकू सिंह भी फिनिशर की भूमिका नहीं निभा सके हैं और 29 गेंदों में 82. 75 की स्ट्राइक रेट से 24 रन बनाये हैं।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन।

बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ अलग करना होगा तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। उन्होंने कहा अब हम ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं, कि हमें यह सोचना होगा कि कुछ अलग करना है या उसी संयोजन से काम करना है। वहीं टेन डोइशे ने स्वीकार किया कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों का अभाव चिंता का विषय है। उन्होंने कहा या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ़ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और शीर्षक्रम में दाहिने हाथ का बल्लेबाज होने से भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में अगले कुछ दिन में बात की जाएगी। अभिषेक और तिलक का फॉर्म टीम के लिये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा मैं अभि या तिलक के लिये बहाना नहीं बनाऊंगा। उन्हें बहानों की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि पेट के संक्रमण से अभिषेक की तैयारियों पर काफी असर पड़ा है और वह वैसे नहीं खेल पा रहा, जैसे खेलना चाहिये था। यह पूछने पर कि उसे क्या सलाह देंगे, कोटक ने कहा बल्लेबाजी कोच होने के नाते मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की बजाय उसके दिमाग को व्यवस्थित रहने दें। दो दिन में आप कुछ बदल नहीं सकते बल्कि जरूरत से ज्यादा सलाह देने से उसका आत्मविश्वास हिल सकता है। उसे अभी गेंद को देखकर अपनी पारी को बेहतर बनाना होगा।

अक्षर पटेल को बाहर रखने के फैसले को टेन डोइशे ने रणनीतिक बताया

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर रखने के फैसले की काफी आलोचना हो रही है, लेकिन भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से रणनीतिक कारणों से लिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हराया और वॉशिंगटन सुंदर बल्ले तथा गेंद दोनों से फ्लॉप रहे जिन्हें अक्षर की जगह उतारा गया था। टेन डोइशे ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा हमने पिछले कुछ दिन में अंतिम एकादश पर काफी मंथन किया। हम मैच अप पर विचार कर रहे थे। वैसे अक्षर को उतारने का फैसला सही लग रहा था, लेकिन हमें आठवें बल्लेबाज के रूप में अक्षर की जरूरत थी। यह फैसला उसी आधार पर लिया गया। उन्होंने कहा अक्षर की नेतृत्व क्षमता और अहमियत हम सभी जानते हैं। इस फैसले का मतलब उसे कमतर आंकना बिल्कुल नहीं है। बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा कि अक्षर को मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस फैसले के बारे में अच्छी तरह समझाया था। उन्होंने आईसीसी मिश्रित जोन में कहा सूर्या और गौतम दोनों ने इस फैसले के बारे में अक्षर से बात की थी। वॉशिंगटन को खिलाने का यही कारण था कि उनके शीर्ष पांच में तीन खब्बू बल्लेबाज थे और हमें लगा कि एक आफ स्पिनर को खेलना चाहिए।

भारत को परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए

अहमदाबाद, एजेंसी

- पूर्व दिग्गज बल्लेबाज गावस्कर ने अति आत्मविश्वास और अहंकार को त्यागने की दी सलाह

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी-20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए।

गावस्कर ने जिओ स्टार से कहा भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था, लेकिन इसके बाद मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका सात विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई।

गावस्कर ने कहा भारत ने दक्षिण अफ्रीका से कोई सबक नहीं लिया। भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर उतर कर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। टी-20 क्रिकेट ऐसे नहीं खेला जाता। उन्होंने कहा आपको विपक्षी टीम से सीख लेनी चाहिए थी। अगर उन्होंने इस तरह की मुश्किल पिच पर अच्छा स्कोर किया है तो आपको अपना अहं त्यागकर उनकी पारी का विश्लेषण करना चाहिए था और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।''''

भारत ने पावर प्ले के अंदर अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों ईशान किशन (00), अभिषेक शर्मा (15) और तिलक वर्मा (01) के विकेट गंवा दिये थे। गावस्कर ने कहा तिलक वर्मा बेहद चतुर बल्लेबाज है लेकिन इस मैच में उनके खेलने के तरीके से मैं निराश था। तिलक को क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहिए था। उन्हें साझेदारी निभाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। भारत का अगला मुकाबला जिंबॉब्वे से होगा और गावस्कर ने कहा कि वह अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकॉलम, सेलेक्टर ल्यूक राइट व कप्तान हैरी ब्रूक ।

इंग्लैंड-पाक मैच में स्पिनरों पर फोकस

- इंग्लैंड की टीम अभी तक नहीं कर सकी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन
- पाकिस्तान का पहला मुकाबला धुल चुका है बारिश से

पल्लेकल, एजेंसी

धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच पर इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में मंगलवार को जब आमने सामने होंगी तो फोकस स्पिन गेंदबाजों पर रहेगा।

इंग्लैंड की टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन दो बार की चैम्पियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया, जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरूप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी उपयोगी रहे।

लेग स्पिनर आदिल रशीद और बायें हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले । विल जैक्स ने अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी के अलावा जरूरत पड़ने पर उपयोगी पारियां भी खेली है और कई बार इंग्लैंड को संकट से निकाला।

दूसरी ओर पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मैच बारिश में धुल गया जिससे अब उसे दोनों मैच जीतने होंगे ।उसके पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे अच्छे स्पिनर हैं। बल्लेबाजी हालांकि चिंता का सबब है , खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ वे टिक नहीं पा रहे।

जीत का जश्न

लंदन में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच जीतने का जश्न मनाते आर्सेनल के खिलाड़ी। टीम ने टॉटेन्हम हॉटस्पर को 4-1 से हराकर खिताब की दौड़ में फिर से जान फूंक दी। एजेंसी

पहले वनडे में महिला टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया को फिर हराने पर

- सुबह 9:20 बजे से शुरू होगा मुकाबला
- विश्व कप के सेमीफाइनल में हराया था कीवी टीम को

ब्रिस्बेन, एजेंसी

टी-20 सीरीज जीत चुकी मौजूदा विश्व चैम्पियन भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी तो उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। भारत ने पिछले साल नवी मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था।

यह श्रृंखला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की महानतम खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली इसके बाद वनडे प्रारूप से विदा लेने जा रही हैं । भारत के खिलाफ छह मार्च से पर्थ में शुरू हो रहा टेस्ट उनके कैरियर का आखिरी मैच होगा। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर रहने के बाद हीली की वापसी हुई है । भारत ने सीरीज 2-1 से जीती जो पिछले एक दशक में इस प्रारूप में आस्ट्रेलिया में सीरीज में उसकी पहली जीत थी। स्टार लेग स्पिनर अलाना किंग भी वनडे और टेस्ट टीम में लौटी हैं। भारत के लिए काशवी गौतम, हरलीन देयोल और प्रतिका रावल टीम में अरूंधति रेड्डी, भारती फुलमाली और श्रेयांका पाटिल की जगह आई हैं।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, उमा छेत्री, प्रतिका रावल, अमनजोत कौर, जेमिमा रौड्रिग्स, काशवी गौतम , हरलीन देयोल।

आस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनू, डार्सी ब्राउन, निकोला कारी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पैरी, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

आत्मविश्वास से भरी जम्मू-कश्मीर टीम आज से पेश करेगी चुनौती

सितारों से भरे कर्नाटक का सामना जम्मू-कश्मीर से

हुबली, एजेंसी

पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची जम्मू-कश्मीर की कहानी लगन और जुझारूपन की मिसाल है लेकिन खिताब जीतने के लिएइस छिपी रूस्तम टीम को अगले पांच दिन में आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक के खिलाफ चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा।

कर्नाटक को उसके अतीत के प्रदर्शन के कारण ही प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा बल्कि इस सत्र में उसने समय समय पर प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद अलग अलग हालात में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मुकाबले में खराब शुरूआत के बाद से कर्नाटक ने अपने मैदान पर और बाहर दमदार प्रदर्शन किया है । उसके स्टार बल्लेबाजों केएल राहुल, करूण नायर, देवदत्त पडिक्कल और रविचंद्रन स्मरण ने इस कामयाबी की कहानी लिखी है।

राहुल ने तीन मैचों में 457 रन, करूण ने आठ मैचों में 699 रन , पडिक्कल ने पांच मैचों में 532 रन और स्मरण ने आठ मैचों में 950 रन बनाये हैं। इससे कर्नाटक को कप्तानी में बदलाव से सामंजस्य बिठाने में भी मदद मिली। मयंक अग्रवाल की जगह पडिक्कल ने टीम की कमान संभाली और बल्लेबाजी तथा कप्तानी दोनों में खरे उतरे। इस मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सामना हालांकि तेज गेंदबाज आकिब नबी की अगुवाई में जम्मू कश्मीर के बेहतरीन गेंदबाजों से होगा। जम्मू कश्मीर ने 67 साल पहले रणजी ट्रॉफी में पदार्पण के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है।

नबी ने इस सत्र में 55 विकेट लिये हैं और यहां पर भी पिच से शुरूआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। वैसे कर्नाटक के पास भी शानदार गेंदबाजी आक्रमण है जिसकी अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा करेंगे।

कर्नाटक के कप्तान पडिक्कल को बल्लेबाजों पर भरोसा

कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल को भरोसा है कि जम्मू कश्मीर के खिलाफ मंगलवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी फाइनल में उनके बल्लेबाज अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखेंगे। देवदत्त के अलावा कर्नाटक की तरफ से केएल राहुल, करुण नायर और आर स्मरण ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनकी टीम फाइनल में पहुंचने में सफल रही। देवदत्त ने सोमवार को यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा एक टीम के रूप में हम सभी इस फाइनल मैच के लिए तैयार हैं। हमारी टीम को बड़े मैचों में खेलने का अनुभव है और उसके पास अच्छा कौशल है। इसलिए उम्मीद है कि हमारा अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा हमारी टीम में केएल राहुल, मयंक, करुण जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाज भी हैं। ये सभी अनुभवी हैं और वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्नाटक के बल्लेबाजों ने उत्तराखंड के खिलाफ लखनऊ में खेले गए सेमीफाइनल में दो पारियों में 1000 से अधिक रन बनाकर अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया था। देवदत्त ने कहा कि उनकी टीम को उस प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा एक मैच में 1000 से अधिक रन बनाना हर किसी के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली बात है। इस तरह के शानदार प्रदर्शन से केवल बल्लेबाजों का ही नहीं बल्कि गेंदबाजों का भी आत्मविश्वास बढ़ता है।